बुधवार
28 फरवरी 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

विधायक किरण देवी से जुड़े ठिकानों पर ईडी का छापा 2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लोकसभा चुनाव से पहले खेला, कांग्रेस के दो व राजद के एक विधायक टूटे

बिहार में महागठबंधन को बड़ा झटका भाजपा में शामिल हुए तीन विधायक

- चेनारी विधानसभा से कांग्रेस विधायक मुरारी प्रसाद गौतम, विक्रम से कांग्रेस के ही सिद्धार्थ सौरव और मोहनिया से राजद की विधायक संगीता देवी बीजेपी में शामिल
- तीनों विधायकों को बीजेपी से जोड़ने में सम्राट चौधरी की रही बड़ी भूमिका

केटी न्यूज/पटना

इंडिया गठबंधन को लोकसभा चुनाव 2024 से पहले बिहार में एक और बड़ा झटका लगा है। बिहार में कांग्रेस पार्टी के दो विधायकों मुरारी प्रसाद गौतम और सिद्धार्थ सौरव बीजेपी के साथ आ गए हैं। इसके अलावा राजद की विधायक संगीता कुमारी भी बीजेपी में शामिल हो गई हैं। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इन तीनों विधायकों को बीजेपी में शामिल करने में अहम भूमिका निभाई। कांग्रेस विधायक मुरारी प्रसाद गौतम चेनारी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। सिद्धार्थ सौरव विक्रम विधानसभा सीट से विधायक हैं जबकि राजद की संगीता देवी मोहनिया विधानसभा सीट से विधायक हैं। जानकारी के अनुसार, बिहार में महागठबंधन के ये तीनों विधायक मंगलवार को ट्रेजरी मेंबर्स के साथ बैठे। यह पूरा घटनाक्रम लंच के बाद देखने को मिला, जब राजद विधायक संगीता कुमारी कांग्रेस विधायक मुरारी गौतम और सिद्धार्थ सिंह डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के साथ विधानसभा में प्रवेश करते नजर आए। सम्राट चौधरी से इशारा पाते ही ये तीनों विधायक सत्ता पक्ष की तरफ बैठ गए। इसके बाद एनडीए के विधायकों ने उनके समर्थन में बेंच थपथपा कर अपनी सहमति जता दी।

...और मौका मिलते ही विधायकों ने बदल लिया पाला

मुरारी प्रसाद गौतम।

सिद्धार्थ सौरव।

संगीता कुमारी।

विपक्षी दल के अब तक 6 विधायकों ने बदला पाला

बिहार में विपक्षी गठबंधन के अब तक 6 विधायकों ने पाला बदल लिया है। राष्ट्रीय जनता दल के 3 विधायकों ने पहले ही पार्टी से किनारा कर लिया था और अब एक और विधायक ने पार्टी छोड़ दी है। इनके अलावा कांग्रेस के दो और विधायकों ने बीजेपी जॉइन कर लिया और एक विधायक ने पहले ही पार्टी बदल ली। इधर गठंबधन की बैठक पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो भी विधायक हमारी तरफ आए हैं उनका स्वागत है। राजद तो परिवार की पार्टी है इस कारण उनके विधायक टूट रहे हैं। कहा कि अभी तो शुरूआत है आगे बहुत लोग हमारी तरफ आने वाले हैं। उधर, विधायकों के पाला बदलने पर कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा है कि जिन दो विधायकों ने पार्टी छोड़ी है उन्हें पार्टी निकलेगी और इस पूरे मामले में जो कानूनी प्रक्रिया है वह करेगी। जो विधायक गए हैं वह गद्दार हैं। ऐसे गद्दार विधायकों पर पार्टी भी कार्रवाई करेगी।

पीएम नरेंद्र मोदी की नीतियां हमें काफी पसंद: सिद्धार्थ

कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए विधायक सिद्धार्थ सौरव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियां हमें काफी पसंद हैं और उससे प्रभावित होकर हम बीजेपी के साथ आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निश्चित तौर पर राष्ट्र में कितने काम हो रहे हैं इसीलिए हमने भाजपा में आने का फैसला लिया है। जब उनसे पूछा गया कि और भी विधायक पाला बदलेंगे तो इसपर उन्होंने कहा कि आगे देखिए क्या होता है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग लुटेरे हैं। पैसे के दम पर सरकार हथियाना चाहते हैं। सत्ता में बैठकर भ्रष्टाचार करते रहे और पैसे का खेल खेला है। इस मामले में सख्त कार्रवाई होगी। नितिन नवीन ने कहा कि राजद के लोगों ने विधायकों को बंधक बनाकर रखा था। कांग्रेस के लोगों ने विधायकों को उड़ाकर रखा था। तेजस्वी यादव और राहुल बाबा यात्रा पर घूम रहे हैं जो पार्टी को नहीं जोड़ पाए उनको उनके विधायकों ने जवाब दिया है।

बंधुआ मजदूर जैसे नहीं रहना चाहते विधायक: विजय सिन्हा

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि महागठबंधन के विधायक नेतृत्वविहिन हैं वो मजबूत नेतृत्व के साथ चलने के लिए संकल्पित हो रहे हैं। हम तो कोई खेला नहीं करते हैं सच्चाई है कि न्योता उन्होंने दिया था और जब न्योता देते हैं तो विजय का काम है बिजे करवाना और आज ये शुरूआत हो चुकी है। उनके कई विधायक उनको छोड़ने को तैयार है। बंधुआ मजदूर की तरह विधायक रहना नहीं चाहता है परिवारवादी और वंशवादी के बीच में वो बंधुआ मजदूरी से मुक्त होना चाहता है। विधायिका का सम्मान बढ़े और गरिमा से विधायक जीयें। एक परिवार एक वंश और भ्रष्ट्राचारी के जमींदारी प्रवृत्ति से विधायक मुक्त होना चाहता है। अभी तो यह शुरूआत है। बिहार के मंत्री प्रेम कुमार ने बताया कि जिस तरीके से आज महागठबंधन के विधायक शामिल हुए हैं यह बड़ी बात है। आने वाले दिनों में और भी कई विधायक शामिल होंगे और भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होगी। प्रेम कुमार ने दावा किया कि और भी विधायक संपर्क में हैं।

भाजपा के बिहार विधान परिषद के सदस्य संजय मयूख ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से लोग प्रभावित हुए हैं। वही लोग आ रहे हैं जिनके नेता कह रहे थे कि खेला होगा। लेकिन अब आगे आगे देखिए होता है क्या? खेला होने वाले को जवाब मिल रहा है। जैसे जैसे तेजस्वी की यात्रा आगे बढ़े वैसे वैसे विकास और सुशासन के प्रति लोगों का समर्थन बढ़ेगा। ये खेला नहीं है ये विकास के प्रति बिहार के जनप्रतिनिधियों का समर्थन है। बिहार के विकास के प्रति जो 2020 में जनादेश मिला था उस जनादेश के बाद लगातार जो भी व्यक्ति विकास के प्रति समर्पित है वह भाजपा और जेडीयू के साथ चलने को तैयार है।

सीएम नीतीश कुमार ने 214 परियोजनाओं का लोकार्पण व 17 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को 903.57 करोड़ की लागत की पीएमसीएच के पुनर्विकास परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत नवनिर्मित भवनों सहित बिहार की 214 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 17 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। पीएमसीएच के पुनर्विकास परियोजना के अलावे मुख्यमंत्री ने शिलापट्ट अनावरण कर 408.68 करोड़ रुपये की लागत से राज्य की 211 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 16 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। 550 शैय्या का छात्रावास भवनः मुख्यमंत्री ने पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पुनर्विकास परियोजना (फेज-1) के अंतर्गत केंद्रीय उपयोगिता खंड (सीयूबी) में अवस्थित बाह्य रोगी विभाग का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और इसके पश्चात नवनिर्मित भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल पुनर्विकास परियोजना फेज 1 के अंतर्गत 550 शैय्या के छात्रावास भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और नवनिर्मित छात्रावास भवन का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने पीएमसीएच के बहुमंजिली वाहन पार्किंग भवन का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री अपने वाहन से ही नवनिर्मित बहुमंजिली पार्किंग भवन के सबसे ऊपरी तल्ले पर गए और वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के इमरजेंसी वार्ड में गए और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने पीएमसीएच परिसर में 132/33 के0वी0 ग्रीन जीआईएस ग्रिड उपकेंद्र का शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया।

पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के पुनर्विकास परियोजना के द्वितीय चरण का निर्माण कार्य मार्च 2024 में प्रारंभ किया जा रहा है। तृतीय चरण का निर्माण कार्य भी जल्द ही शुरू किया जाएगा ताकि पुनर्विकास परियोजना को तेजी से पूरा किया जा सके। पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल राज्य का महत्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थान है। इसके गौरवशाली इतिहास को देखते हुए सीएम नीतीश के निर्देश पर इसे 5462 बेड का अस्पताल बनाया जा रहा है जिसकी कुल लागत लगभग 5540 करोड़ रुपये है। अस्पताल भवन की छत पर एयर एंबुलेंस हेतु हेलीपैड का प्रावधान किया गया है। इसे देश के सबसे बड़े अस्पताल के रूप में विकसित किया जा रहा है। पुनर्विकसित परियोजना के तहत पीएमसीएच को आधुनिक चिकित्सीय सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक अरुण कुमार सिन्हा, विधायक नितिन नवीन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत व अन्य मौजूद थे।

मार्च के पहले हफ्ते से लागू होंगे सीएए के नए नियम

एजेंसी/नई दिल्ली

नागरिकता संशोधन कानून मार्च के पहले हफ्ते से लागू होगा। सूत्रों के मुताबिक मार्च के पहले हफ़्ते या इसके बाद किसी भी दिन सीएए के नियम लागू कर दिए जाएंगे, नियम लागू होने के साथ ही सीएए कानून लागू हो जाएगा।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी शनिवार को कहा था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को लागू करने के नियम आगामी लोकसभा चुनाव से पहले जारी कर दिए जाएंगे और लाभार्थियों को भारतीय राष्ट्रीयता प्रदान करने की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होगी। अमित शाह ने कहा, सीएए देश का कानून है और इसकी अधिसूचना जरूर जारी होगी। इसे चुनाव से पहले जारी किया जायेगा। इसे लेकर किसी को कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देना कांग्रेस नेतृत्व का भी वादा था। गृह मंत्री ने कहा, जब विभाजन हुआ तो हिंदू, बौद्ध, ईसाई - सभी वहां धार्मिक उत्पीड़न का सामना करने के बाद भारत आना चाहते थे। उन्होंने (कांग्रेस नेताओं ने) इन लोगों को नागरिकता देने का वादा किया था और कहा था कि आप सभी का स्वागत है लेकिन (कांग्रेस) नेता अपने बयान से पीछे हट गये।

सुप्रीम कोर्ट पतंजलि आयुर्वेद के विज्ञापनों पर सख्त, प्रबंध निदेशक को अवमानना का नोटिस

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने योगगुरु रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद को उसके उत्पादों के बारे में न्यायालय में दिए गए पूर्व के आश्वासनों के उल्लंघन और दवाओं के असर से जुड़े गलत दावों के मामले में मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति ए अमानुल्लाह की पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी कर पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए।

पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद और उसके अधिकारियों को मीडिया में (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की) अन्य दवा प्रणालियों के बारे में कुछ गलत कहने के लिए आगाह किया। कंपनी ने पहले अदालत के समक्ष अपने हलफनामे में ऐसा नहीं करने की बात कही थी। पिछले साल 21 नवंबर को, कंपनी का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने शीर्ष अदालत को आश्वासन दिया था कि आगे से कानून का कोई उल्लंघन नहीं होगा। कंपनी की ओर से हलफनामे में कहा गया था कि पतंजलि उत्पादों के औषधीय असर का दावा करने वाला कोई भी अनौपचारिक बयान या किसी भी दवा प्रणाली के खिलाफ कोई बयान या विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने रामदेव द्वारा सह-स्थापित हर्बल उत्पादों का कारोबार करने वाली कंपनी को अपनी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में कई बीमारियों के इलाज के रूप में 'झूठे' और 'भ्रामक' दावे करने के प्रति आगाह किया था। शीर्ष अदालत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें रामदेव पर टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं को बदनाम करने का अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है।

वृद्धजनों की हर समस्या का समाधान करेगा कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर-14568

अब घर बैठे प्रदेश के वृद्धजनों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

योगी सरकार उत्तर प्रदेश में वृद्धजनों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इसी क्रम में सरकार की ओर से मंगलवार को 'कल्याण साथी' हेल्पलाइन नंबर 14568 का शुभारंभ किया गया और साथ ही 'कल्याण साथी' मोबाइल एप और सीनियर सिटीजन के लिए वृद्धाश्रम पोर्टल एवं विभागीय त्रैमासिक पत्रिका 'कल्याणी' का भी विमोचन गया। उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा 53 लाख वृद्धजनों को पेंशन का लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके साथ ही छूटे हुए पात्र वृद्धजन कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर 14568 पर कॉल कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। विभाग द्वारा लाभार्थी को पंचायत सहायक के माध्यम से घर बैठे योजना का लाभ दिलाया जाएगा। यह सेवा प्रातः 9:30 से सायं 6:30 तक कार्य दिवस पर संचालित की जाएगी।

पूर्व मंत्री समाज कल्याण रमापति शास्त्री द्वारा निदेशालय समाज कल्याण विभाग में समाज कल्याण समाधान केंद्र, 'कल्याण साथी' हेल्पलाइन नंबर 14568 का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मंत्री, समाज कल्याण असीम अरुण, सलाहकार, मुख्यमंत्री अवनीश अवस्थी, निदेशक, समाज कल्याण कुमार प्रशांत उपस्थित रहे।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरूण ने बताया कि विभागीय योजनाओं की जानकारी, सहायता एवं लाभ प्राप्त करने में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर का संचालन किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत कल्याण साथी हेल्पलाइन नंबर 14568 पर कॉलर योजना का लाभ लेने से संबंधित अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को दर्ज करा सकते हैं। हेल्पलाइन के माध्यम से दर्ज समस्याओं को जनपद स्तर से नियमित अनुश्रवण कर समाधान किया जाएगा एवं लाभार्थी को भी अवगत कराया जाएगा। इसी प्रकार छात्रवृत्ति, सामूहिक विवाह आदि योजनाओं से संबंधित समस्याओं का भी तुरंत समाधान किया जाएगा।

तकनीक के क्षेत्र में बेंगलुरू व हैदराबाद को टक्कर देगा यूपी

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

योगी सरकार उत्तर प्रदेश को तकनीक के क्षेत्र में बेंगलुरू और हैदराबाद के समकक्ष लाने के लिए तेजी से प्रयास कर रही है। इसके लिए उत्तर प्रदेश में डाटा पार्क्स से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। हाल ही में संपन्न हुई ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से प्रदेश में आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में 90 हजार करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का भूमि पूजन हुआ है। यह जीबीसी के जरिए धरातल पर उतारी गईं कुल 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का 8 प्रतिशत से ज्यादा है। इसके जरिए उत्तर प्रदेश में एनआईडीपी डेवलपर्स, टाटा टेक्नोलॉजीज, एसटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर और जैक्सन लिमिटेड जैसे बड़े समूह कई बड़ी परियोजनाओं की शुरूआत कर रहे हैं।

डाटा दिग्गज कंपनी योट्टा 30,000 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, जिसके माध्यम से एक कैपिटल इंटैंसिव डाटा सेंटर पार्क स्थापित कर किया जा रहा है जो 2160 व्यक्तियों को रोजगार देगा। इसी तरह, एसटीटी ग्लोबल डाटा सेंटर्स इंडिया प्रा. लि. 1850 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। इस राशि से एक डाटा सेंटर स्थापित किया जा रहा है जो 160 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करेगा। इसमें इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण और संचालन शामिल है। इसके अतिरिक्त, वेब वर्क्स वर्तमान में नोएडा में 500 करोड़ रुपए के महत्वपूर्ण निवेश के साथ एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इसके जरिए 220 व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। भारतीय ऊर्जा और इंजीनियरिंग कंपनी जैक्सन ग्रुप भी यीडा क्षेत्र में एक डाटा सेंटर पार्क स्थापित कर रही है। यह परियोजना 1560 करोड़ रुपए की है, जिससे 250 लोगों को रोजगार मिलेगा।

पटना और भोजपुर में कई ठिकानों पर ली गई तलाशी, बेटे से भी पूछताछ

लैंड फॉर जॉब मामला: विधायक किरण देवी से जुड़े ठिकानों पर ईडी का छापा

- जांच एजेंसियों ने दोनों पति-पत्नी पर रखी है नजर
- बालू कारोबार में भी पूर्व विधायक अरूण यादव से कर चुकी है पूछताछ

केटी न्यूज/पटना

सूबे में लोकसभा चुनाव से पहले राजनैतिक सरगर्मी अभी से दिखने लगी है। एक ओर राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सरकार के खिलाफ अपनी जन विश्वास यात्रा के माध्यम से लोगों का भरोसा जीतने में लगे हुए हैं। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) राजद के नेताओं के पीछे जमीन के बदले नौकरी केस के मामले में (लैंड फॉर जॉब) हाथ धोकर पीछे पड़ी हुई है। अब देखना यह है कि ईडी की यह कार्रवाई कब तक पूरी हो पाएगी। इसी क्रम में ईडी की टीम ने मंगलवार को राजद विधायक किरण देवी के घर पर रेड मारी। किरण यादव के आरा आवास के अलावा ईडी की टीम ने अगिआंव स्थित उनके आवास और पटना के रंजन पथ के एक अपार्टमेंट में मौजूद पांच फ्लैट में भी छापेमारी की। जिनमें इनकी कंपनी का कार्यालय भी है। हालांकि, अगिआंव में छापेमारी के दौरान न तो विधायक किरण देवी आवास पर मौजूद थीं और न ही पूर्व विधायक अरूण यादव। टीम ने दोनों की गैरमौजूदगी में उनके बेटे से पूछताछ की। इस दौरान ईडी ने घर में किसी को आने-जाने की अनुमति नहीं दी।

जांच के दायरे में है पति-पत्नी

अरूण यादव राजद सुप्रिमो लालू यादव के काफी करीबी हैं। जिसके कारण पिछले कई महीनों से अरुण यादव और किरण यादव पर एजेंसी निगरानी रख रही थी। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़े कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में अरुण यादव भी केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं। साथ ही, अवैध रेत खनन मामले में भी ईडी इन दोनों से पूछताछ कर रही है। बताया जाता है कि अरुण यादव और किरण यादव से जुड़े कई ठिकानों पर इससे पहले बीते साल 16 मई को भी सीबीआई की टीम ने कई घंटों तक छापेमारी की थी। उस दौरान इनके दिल्ली-गुरूग्राम समेत कई ठिकानों पर रेड मारी गई थी। रेड के समय उनका शानदार महलनुमा घर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा था।

बीजेपी घबरा कर विपक्ष के नेताओं पर ईडी-सीबीआई से करा रही है छापेमारी

पटना। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मंगलवार को जनविश्वास यात्रा के दौरान कटिहार पहुंचे। जहां ईडी-सीबीआई की छापेमारी को लेकर सवालों पर तेजस्वी यादव ने कहा कि इससे क्या फर्क पड़ता है? ईडी-सीबीआई जब भी विपक्ष के नेताओं पर छापेमारी कर रही है, समझ जाइए कि बीजेपी घबराई हुई है आप जो हैं अच्छा काम रहे हैं। जनविश्वास यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि भागलपुर, बांका, जमुई लखीसराय और मुंगेर वही रात्रि विश्राम होगी, लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है। किसी भी धर्म के हो, हर जात के हो, हर वर्ग के लोगों का प्यार मिल रहा है और यही कारण है कि समय से हम लोग पीछे चल रहा हैं। भीड़ इतनी है कि हम लोग समय पर कार्यक्रम नहीं कर पा रहे हैं। इसके बावजूद लोग देर रात तक इंतजार कर रहे हैं। लोगों

का विश्वास है। पूर्व डिप्टी सीएम रैली में लोगों की भीड़ पर कहा कि जिस विचारधारा से हम लोगों की लड़ाई उसको बिहार में रोकना है हम लोगों को यही काम मकसद है। असली लड़ाई यहां महागठबंधन और एनडीए के बीच है। लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मामले में मेरा तो फर्ज बनता उनका सम्मान देना।

तेजस्वी की एस्कॉर्ट गाड़ी और कार में टक्कर, होमगार्ड जवान की मौत; 6 घायल

पटना। बिहार के पूर्णिया जिले में पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की जन विश्वास यात्रा के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ है। रात 11:30 बजे सुरक्षा बलों के साथ लौट रही पुलिस एस्कॉर्ट गाड़ी और कार के बीच टक्कर हो गई। हादसे में होमगार्ड के एक जवान की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार में सवार युवक और महिला को चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि पूर्णिया-कटिहार सड़क पर एक निजी विवाह भवन के पास हादसा हुई। तेजस्वी यादव की एस्कॉर्ट गाड़ी कटिहार से आ रही थी और उसमें सवार लोगों की कार से जोरदार टक्कर हो गई। सभी घायलों का इलाज राजकीय मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सूचना मिलते ही पूर्णिया एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा अस्पताल पहुंचे और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना।

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि कार और एस्कॉर्ट गाड़ी के बीच टक्कर होने के बाद बीएमपी के 6 जवान गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस के अनुसार, कार के एयरबैग खुल जाने से कार सवार लोग खतरे से बाहर हैं। सभी का इलाज राजकीय मेडिकल कॉलेज में किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलौरी के पास पूर्व उप मुख्यमंत्री के काफिले में शामिल एक वाहन पूर्णिया - कटिहार फोरलेन सड़क पर रॉन्ग साइड में चला गया। इसी दौरान एस्कॉर्ट वाहन की एक कार से टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में कार में सवार अन्य लोगों के भी घायल होने की सूचना है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सरकार बनने के बाद बहू-बेटियों को घर से उठाकर ले जाएंगे भाजपा नेता: भाई वीरेंद्र

केटी न्यूज/पटना

मंगलवार को बिहार विधानसभा की कार्यवाही में एक बार फिर हंगामा हुआ। जिसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इस बीच विधानसभा के बाहर आरजेडी विधायक भाई वीरेन्द्र ने ऐसा कुछ कह दिया, जिसपर हंगामा मच गया। आरजेडी विधायक ने कहा कि बीजेपी की सरकार बनी तो उनके नेता घरों में घुसकर बहू-बेटियों को उठाकर ले जाएंगे। वहीं, तेजस्वी यादव जन विश्वास यात्रा पर है और अब महागठबंधन तीन मार्च को पटना के गांधी मैदान में महारैली का आयोजन भी कर रही है। रैली में राहुल गांधी भी आयेंगे और अब इसको लेकर बिहार में सियासत भी खूब हो रही है।

जन विश्वास यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर

लाखों की संख्या में लोग हमारे नेता को सुनने के लिए दूर देहात से आ रहे हैं। लगातार जन विश्वास यात्रा चल रही है तो प्रतिदिन जो भीड़ आ रही है, उसको देखने से ऐसा लग रहा है कि वर्तमान में नीतीश कुमार ने जो काम बिहार में किया है, निश्चित तौर पर उससे जनता आक्रोशित है और जनता का आक्रोश तेजस्वी यादव की सभा में दिख रहा है। अब महागठबंधन ने रैली करने का भी ऐलान कर दिया है और यही कारण है की महा गठबंधन की इस महारैली को लेकर भी अब भाजपा के नेता कुछ से कुछ बयानबाजी कर रहे हैं।

केंद्र में भी बनेगी महागठबंधन की सरकार

आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपनी यात्रा के दौरान वर्तमान सरकार का पोल खोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार का पोल खोलने से सत्ता पक्ष के लोग और ज्यादा घबरा गए हैं। लोगों की भीड़ को देखकर ही इन लोगों की हालत खराब हो रही है। अब लोग समझ गए हैं की जनता अब इनका साथ नहीं दे सकती है, निश्चित तौर पर बिहार में जनता महागठबंधन के नेताओं के साथ है और पूरे देश में भी यही हालात बन रहे हैं। उन्होंने दावे के साथ कहा कि बिहार में सभी लोकसभा सीट पर इस बार महागठबंधन के उम्मीदवारों की जीत होगी और केंद्र में भी महागठबंधन की सरकार बनेगी।

इस बात का कोई प्रमाण नहीं कि शराबबंदी से किया गया हो विकास

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर सीएम नीतीश कुमार पर फायर हो गए। मंगलवार को बयान जारी करते हुए पीके ने सीएम नीतीश कुमार को चैलेंज कर दिया। शराब के साथ उन्होंने महात्मा गांधी का नाम लिया। अपने बयान में पीके बहुत कुछ बोल गए। प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरी अपनी जो समझ है वो यह कहती है कि दुनिया में किसी भी देश, राज्य या फिर किसी भी समाज में इस बात का प्रमाण नहीं है कि शराबबंदी से समाज का आर्थिक सामाजिक विकास किया गया हो। अगर शराबबंदी के जरिए ऐसा होता तो दुनिया में सारे लोग बेवकूफ नहीं हैं वो भी शराबबंदी लागू कर देते। अगर शराब बंदी में दम भी है तो बिहार में शराब बंदी जमीन पर है नहीं! शराबबंदी से दुकानों में शराब का बिकना बंद हुआ है, लेकिन होम डिलीवरी शुरू हो गई है।

20 हजार करोड़ का हो रहा नुकसान : पीके ने कहा कि आज बिहार में शराब माफिया का तंत्र खड़ा हो गया है। बिहार में आज गरीब लोगों का 20 हजार करोड़ का

नुकसान प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर साल हो रहा है। जो पैसे का नुकसान हो रहा है वो पैसा जा रहा है शराब माफिया के पास अधिकारियों के पास. आज फायदा हो क्या रहा है। आगे बिहार के सीएम को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि लोग बता रहे हैं कि गांधी जी ने ऐसा कहा था तो मैंने खुली चुनौती दे रखी है। नीतीश कुमार और उनकी पूरी सरकार मुझे एक लाइन गांधी जी का लिखा हुआ या बोला हुआ दिखा दे कि सरकारों को शराबबंदी लागू करनी चाहिए। ये ऐसे बेवकूफ लोग हैं कि गांधी जी ने ये कहा था कि शराब पीना गलत बात है। गांधी जी ने ये नहीं कहा कि कानून बना दीजिए और लोगों को जेल में डाल दीजिए।

बीजेपी बन गई है गुंडों की पार्टी : राबड़ी देवी

पटना। सूबे की राजधानी स्थित आईजीआईएमएस में बीजेपी नेता द्वारा हथियार लहराने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इसको लेकर विपक्ष हमलावर हो गया है और एनडीए की सरकार पर संगीन आरोप लगा रहा है। बिहार विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने से पहले विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी ने इसको लेकर सरकार पर हमला बोला। राबड़ी देवी ने बीजेपी से पूछा है कि पहले तो वह जंगलराज की दुहाई देती थी लेकिन अब जो हो रहा है क्या उसे मंगलराज कहा जाए? बताया जाता है कि सोमवार को पटना के आईजीआईएमएस में एक बीजेपी नेता ने सरेआम हथियार लहराया था। मामला सामने आने के बाद इसको लेकर सियासत शुरू हो गई है और विपक्ष बीजेपी और सरकार पर हमलावर हो गया है। विधान परिषद की कार्यवाही में शामिल होने पहुंची विरोधी दल की नेता राबड़ी देवी ने कहा कि बीजेपी अब पहले वाली बीजेपी नहीं रह गई है बल्कि उसमें देशभर के गुंडे उतर आए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अब भाजपा नहीं रह गई है बल्कि जंगल पार्टी और गुंडा पार्टी बन गई है। गुंडा का राज आ गया है तो गुंडा सब हथियार लहरइबे करेगे.. पहले भी बीजेपी का लोग बंदूक लहराता था और आज भी हो रहा है.. हर दिन अपहरण, मर्डर और रेप हो रहा है.. क्यों नहीं सुधार रहे हैं.. हम लोगों को कहते थे कि जंगलराज है और पूरे बिहार में जो हो रहा है वह क्या मंगलराज है? ये जंगलराज नहीं है तो क्या है.. गुंडाराज है न... पूरा गुंडा सब उतर गया है बीजेपी में.. पूरा देशभर का गुंडा उतरा हुआ है।

यूविन पोर्टल एवं टेली-मॉनिटरिंग सेल नियमित टीकाकरण के गुणवत्ता को कर रहा सुनिश्चित

डिजिटल माईक्रोप्लान व एमसीपी कार्ड कारगर

केटी न्यूज/पटना

नियमित टीकाकरण शिशुओं को लगभग 12 तरह के जीवन घातक रोगों से सुरक्षित करता है। विश्व भर में प्रति वर्ष 35 से 50 लाख शिशुओं में डिप्थीरिया, इन्फ्लुएंजा, मीजिल्स, टेटनस जैसे रोगों से टीकाकरण सुरक्षा प्रदान करता है। वैश्विक स्तर पर लोक स्वास्थ्य की बुनियाद को मजबूत करने में नियमित टीकाकरण की अहम भूमिका मानी जाती है। इस दिशा में राज्य नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के तहत आच्छादन बढ़ाने के साथ इसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास भी किया जा रहा है। राज्य स्वास्थ्य समिति के सचिव स्वास्थ्य सह कार्यपालक निदेशक संजय कुमार सिंह ने बताया कि नियमित टीकाकरण केंद्रों की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए राज्य भर में 260 आदर्श टीकाकरण केंद्र एवं कार्नर स्थापित किए गए हैं। सभी आदर्श केन्द्रों को निजी अस्पतालों की तर्ज पर विकसित किया गया है। इन केन्द्रों को आधुनिक सुविधाओं के साथ चाइल्ड फ्रेंडली भी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि टीकाकरण सत्रों

की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए राज्य स्तर पर स्थापित टेली-मॉनिटरिंग सेल अहम भूमिका निभा रहा है, बिहार की शिशु मृत्यु दर 2 अंक घटकर 27 हो गई है, जिसमें नियमित टीकाकरण का बेहतर आच्छादन भी एक बड़ा योगदान है।

यूविन पोर्टल एवं टेली-मॉनिटरिंग सेल प्रभावी: राज्य प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. एनके सिन्हा ने बताया कि नियमित प्रतिरक्षण के आच्छादन एवं इसकी गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए प्रभावी पर्यवेक्षण बहुत जरुरी है। इसे ध्यान में रखते हुए यूविन पोर्टल काफी कारगर साबित हो रहा है। पोर्टल के माध्यम से कवरेज एवं टीकाकरण सत्रों की रियल टाइम जानकारी मिल रही है। साथ ही इसकी सहायता से टीकाकरण के बाद शिशुओं में होने वाली किसी प्रकार की एडवर्स इफेक्ट की मॉनिटरिंग एवं इसका शीघ्र समाधान करने में भी सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष से राज्य स्तर पर टेली- मॉनिटरिंग सेल प्रभावी तरीके से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर आयोजित टीकाकरण सत्रों के पर्यवेक्षण के लिए टेली-मॉनिटरिंग सेल रैंडम साईट पर कॉल करता है। कॉल के माध्यम से लाभुकों एवं सूक्ष्म कार्ययोजना की अद्यतन स्थिति का पता लगाया जाता है। साथ ही टेली-मॉनिटरिंग सेल वैक्सीन सप्लाई चेन को सुदृढ़ करने में भी सहायक है। उन्होंने बताया कि राज्य में डिजिटल माइक्रोप्लान एवं डिजिटल एमसीपी (मदर एंड चाइल्ड प्रोटेक्शन) कार्ड के कारण भी सेशन साईट आयोजन योजना में सहूलियत हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य में टीका संग्रहण की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए कुल 734 कोल्ड चेन नेटवर्क क्रियाशील है।

स्वास्थ्य योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका अहम

- जन प्रतिनिधियों को दी गई टीबी, मिशन परिवार विकास अभियान समेत कई कार्यक्रमों की जानकारी
- योजनाओं का प्रचार प्रसार करने के साथ लोगों को जागरूक करने के लिए किया गया प्रेरित

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों के प्रचार प्रसार और उनके अनुश्रवण को लेकर जनप्रतिनिधियों का उन्मुखीकरण तेज कर दिया गया है। इस क्रम में मंगलवार को जिले के ब्रह्मपुर, केसठ और चौगाई प्रखंड के पंचायतों को स्वास्थ्य विभाग के इन कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। इस क्रम में जनप्रतिनिधियों को टीबी, मिशन परिवार विकास अभियान, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्मुखीकरण कार्यशाला में डीसीएम हिमांशु सिंह ने बताया कि सरकार और स्वास्थ्य विभाग के सभी कार्यक्रमों और योजनाओं का लाभ अंतिम पायदान के लाभुकों को मिले, इसके लिए पंचायतों के जनप्रतिनिधियों की भूमिका सबसे अहम है। जन प्रतिनिधि अपने क्षेत्र में न केवल इन योजनाओं का प्रचार प्रसार करें, बल्कि लोगों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए स्वास्थ्य संस्थानों तक लाने का भी प्रयास करें। ताकि, सभी के सहयोग से एक बेहतर बक्सर और खुशहाल बक्सर की परिकल्पना को सार्थक किया जा सके।

एमपीवी में पुरषों की भागीदारी बढ़ाने की जरूरत : ब्रह्मपुर एमओआईसी डॉ गोपाल कृष्ण यादव ने बताया कि आज जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर सरकार काफी चिंतित है। इसके लिए मिशन परिवार विकास अभियान का संचालन किया जा रहा है। लेकिन इन अभियानों में पुरुषों की भागीदारी को बढ़ाना है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। लोगों को छोटा परिवार सुखी परिवार के उद्देश्यों को समझाना होगा। जिसमें जनप्रतिनिधियों का सहयोग अपेक्षित है। वहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम और टीबी मुक्त पंचायत पहल का उल्लेख करते हुए अपने क्षेत्र के टीबी मरीजों को गोद लेने की अपील की। ताकि, टीबी मरीजों को समाज के मुख्यधारा में लाने का काम किया जा सके।

एनीमिया से शिशु का संपूर्ण विकास होता है बाधित

प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक संतोष कुमार ने बताया कि सरकार महिलाओं, बच्चों और किशोरों जैसे कमजोर आयु समूहों में एनीमिया को कम करने के लक्ष्य के साथ एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) कार्यक्रम का संचालन कर रही है। जिसके तहत 6-59 महीने की उम्र के बच्चे, 5-9 वर्ष की आयु के बच्चे, किशोर लड़के और लड़कियां, प्रजनन आयु की युवतियां, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली महिलाएं को लक्षित किया गया है। एनीमिया न केवल बच्चों के शारीरिक विकास को प्रभावित करता है, बल्कि उनके मानसिक विकास को भी क्षति पहुंचाता है। जिससे शिशु का संपूर्ण विकास बाधित होता है। इसलिए जरूरी है कि आप सभी अपने अपने क्षेत्रों में लोगों को अपने परिवार के बच्चों, किशोरों और महिलाओं को एनीमिया से मुक्त करने के लिए लोगों को प्रेरित करें।

एक नजर

नो एंट्री में घुसे बालू लदे 11 ट्रकों को पुलिस ने किया जब्त, छह मिले ओवरलोड

डुमरांव। स्थानीय शहर के मुख्य सड़क राष्ट्रीय राजमार्ग 120 पर सुबह आठ बजे से रात्रि 10 बजे तक अनुमंडल प्रशासन ने नो एंट्री का नियम लगाया है। नियम तोड़ नो एंट्री में घुसे 11 ट्रकों को पुलिस ने धर दबोचा। ट्रकों की पड़ताल के दौरान छह ट्रक ओवरलोड भी पाए गए। जिन पर जुमार्ने के लिए डीटीओ को सूची सौंपी गई है। वही, सभी 11 ट्रकों पर नो एंट्री के तहत भी जुमार्ना लगाया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बालू ढुलाई करने वाले ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया। सोमवार की देर शाम जैसे ही 11 ट्रकों का काफिला सड़क के रास्ते थाने के मुख्य गेट पर पहुंचा उधर से आ रही पुलिस की टीम को देख अपने-अपने ट्रकों को खड़ा कर चालक फरार हो गये। सड़को पर खड़े ट्रकों के कारण जाम का नजारा बन गया। इस दौरान डुमरांव के मुख्य पथ पर घंटो जाम लगा रहा। लग्न और ट्रकों के आवाजाही से लग रहे जाम से पुलिस भी हलकान हुई। काफी मशक्कत के बाद वाहन चालकों ने जाम से निजात पाया। बताया जाता है कि एनएच 120 सड़क से उत्तर प्रदेश की सीमा में जाने के लिए बालू लदें ट्रकों का काफिला पूरी रात गुजरता है। पिछले दिनों जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ छापेमारी किया था, जिसमें 50 से अधिक ट्रकों में खामियां पायी गयी, जिसको लेकर जुमार्ना लगाया गया था। अपर थानाध्यक्ष संजीत शर्मा ने बताया कि ट्रक जब्ती मामले में वरीय अधिकारियों के साथ डीटीओ को सूचना दी गयी है।

गजल गायक पंकज उधास और गायक छोटू पांडेय के निधन पर शोक सभा आयोजित

बक्सर। भोजपुरी गायक छोटू पांडेय एवं अन्य साथी कलाकार की सड़क दुर्घटना में हुई दर्दनाक मौत पर बक्सर जिला कलाकार संघ ने शोक व्यक्त किया है। वहीं संघ द्वारा गजल गायकी के सम्राट पंकज उधास के निधन पर भी शोक संवेदना व्यक्त की गई। इसको लेकर डिस्ट्रिक्ट आर्टिस्ट एसोसिएशन आफ बक्सर (डाब) द्वारा स्थानीय रामेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण में एक शोकसभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता डाब के अध्यक्ष सुरेश संगम व संचालन महासचिव हरिशंकर गुप्ता ने की। शोक सभा में मृतात्मा की शांति व इस दुखद घड़ी में परिवार को संबल प्रदान करने के लिए दो मिनट मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। इस मौके पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए डाब के अध्यक्ष सुरेश संगम व महासचिव हरिशंकर गुप्ता ने संयुक्त रूप से कहा कि भोजपुरी गायक छोटू पांडेय जिले के उभरते हुए लोक कलाकार थे। भोजपुरी इंडस्ट्री में छोटू पांडेय धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बना रहे थे। अचानक घटी इस घटना से डाब परिवार पूरी तरह आहत है। उनके मौत से भोजपुरी जगत में शोक का माहौल है। इनका एक बहुत सुपरहिट गाना लोगों के जेहन में आज भी ताजा है। डाब के पदाधिकारी द्वय ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि काफी कम वक्त में छोटू हम लोगों के बीच से चले गए। इस क्षति को पूरा नहीं किया जा सकता है। दूसरी तरफ गजल गायकी के लिए मसहूर गजल गायक पंकज उधास के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए डाब के पदाधिकारियों ने शोक संवेदना प्रकट की है।

खबरें फटाफट

आईटीआई से एक लाख नगद व 50 हजार के सामान की चोरी

नावानगर। सोनवर्षा सिथत एसआरएम आईटीआई संस्थान में चोरों ने बीती रात चोरी की भीषण घटना को अंजाम दिया है। इस दौरान चोरों ने कार्यालय का ताला तोड़ एक लाख रूपए नगद तथा करीब 50 हजार रूपए मूल्य के सामान की चोरी कर ली है। इस संबंध में आईटीआई संचालक उमेश चौधरी ने सोनवर्षा ओपी में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी के लिए दिए गए आवेदन में संचालक ने लिखा है, कि मैं जब सुबह अपने आईटीआई संस्थान पहुंचा तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ पाया। जब अंदर गये तो प्रिंसिपल रूम का ताला तोड़ने के साथ उसमें रखा गोदरेज अलमारी को तोड़ दिया गया है। चोरों ने अलमारी में रखा एक लाख तीन सौ रुपया नगद समेत पचास हजार मूल्य का और छोटा छोटा सामान चुरा लिया गया है। सोनवर्षा ओपी प्रभारी निशा रानी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताई कि एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अगलगी में दो लाख के आभूषण समेत लाखों की संपत्ति खाक

डुमरांव। नगर के वार्ड 16 स्थित एक घर में अगलगी से दो लाख के आभूषण समेत लाखों की संपत्ति जल गई है। यह घटना सोमवार की भोजपुर राजवाहा से पश्चिम तथा अगड़ानंद स्वामी महाराज के आश्रम के पीछे बनी नई कॉलोनी की है। पीड़ित मूलरूप से सिकरौल थाना क्षेत्र के पतरकोना गांव के ललू तिवारी है। मिली जानकारी के अनुसार ललू साफाखाना रोड के पास नहर से पश्चिम अपना घर बनाए है। जहां उनका लड़का रहकर पढ़ाई करता है। सोमवार की रात उनका लड़का कही चला गया था। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से घर में आग लग गई। लोगों को जबतक इसकी जानकारी होती तबतक पूरा घर आग की चपेट में आ गया था। हालांकि मोहल्ले वालों ने साहस का परिचय देते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिये। वही फायर ब्रिगेड को भी इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची अग्निशामन वाहन ने आग पर काबू पाया। इस प्रयास में विकास पटेल व संजीत पटेल नामक युवक आंशिक रूप से झुलस भी गए।

बक्सर एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी, दो कट्टा व 4 कारतूस बरामद

पेट्रोल पंप व्यवसायी पर हमला मामले में हथियार सप्लायर समेत दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने दो कुख्यात अपराधियों को देशी कट्टा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एसपी मनीष कुमार ने इस संबंध में प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी। एसपी ने बताया कि 29 जनवरी की रात नगर के सोहनी पट्टी मोहल्ले निवासी व पेट्रोल पंप संचालक देवदत्त उपाध्याय पर जानलेवा हमला करने वाला भोजपुर जिले के आरा नगर थाना क्षेत्र के शिवगंज मोहल्ले निवासी शुभम सिंह उर्फ रूखी, पिता सुनील सिंह को गुप्त सूचना पर बक्सर रेलवे स्टेशन के पास से देशी कट्टा व दो कारतूस के साथ पकड़ा गया है। उन्होंने बताया कि 29 जनवरी की देर शाम पेट्रोल पंप व्यवसायी के घर पर हमला कर अपराधियों ने उन्हें गोली मार जख्मी कर दिया था। इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता तथा उनके पेट्रोल पंप के मैनेजर समेत कुल तीन अपराधियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। वही शुभम फरार चल रहा था। उन्होंने कहा कि शुभम ने ही उन्हें गोली मारी थी। एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पेट्रोल पंप व्यवसायी को गोली मारने वाला किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में बक्सर रेलवे स्टेशन के आस पास मंडरा रहा है। इस सूचना पर सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वही दूसरी तरफ औद्योगिक थाना क्षेत्र में 26 जनवरी को हुए लूट के एक मामले के आरोपित तथा कुख्यात हथियार तस्कर सोनू गुप्ता पिता सुनील गुप्ता को देशी कट्टा तथा दो कारतूस के साथ पकड़ा गया है। एसपी ने बताया कि वह बक्सर के गजाधरगंज मोहल्ले का रहने वाला है तथा वह अपराधियों को हथियार तथा गोली की सप्लाई भी करता था। उस पर पूर्व में लाटरी खेलाने, मारपीट, लूट जैसे कुल चार मामले दर्ज है। एसपी ने बताया कि उसकी गिरफ्तारी औद्योगिक थानाध्यक्ष अविनाश कुमार के द्वारा थाना क्षेत्र के पड़री मोड़ के पास से की गई है। एसपी ने बताया कि दोनों को आवश्यक पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी करने वाली टीम में सदर डीएसपी के आलावे संबंधित थानों के थानाध्यक्ष तथा डीआईयू की टीम शामिल रही।

ब्रह्मपुर में कंटेनर ने मारा पुलिस के गश्ती वाहन में धक्का, चार पुलिसकर्मी जख्मी

बक्सर। पिछले 24 घंटे बक्सर जिले की पुलिस के काफी भरी गुजरे रहे है। इस दौरान दो थाना क्षेत्रों की गश्ती वाहन को भारी वाहनों ने टक्कर मारा है। इसमें ब्रह्मपुर थाने के जमादार हरेन्द्र सिंह समेत चार पुलिसकर्मी जख्मी भी हुए है। जख्मियों में एक की हालत गंभीर है, जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की मध्य रात्रि ब्रह्मपुर थाने की पुलिस एनएच 922 पर रामगढ़ गांव के पास गश्ती अभियान चला रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कंटेनर ने पुलिस वाहन में धक्का मार दिया। जिससे पुलिस की गश्ती वाहन पलट गई। इस दुर्घटना में सैप जवान विनोद कुमार, जवान हरेराम त्रिपाठी, रामविलास प्रसाद व जमादार हरेन्द्र सिंह घायल हो गए। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कंटेनर चालक अपना वाहन लेकर भागने में सफल रहा। वही जख्मियों को आनन फानन में प्राथमिक इलाज के लिए रघुनाथपुर पीएचसी पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद दो को हायर सेंटर रेफर किया गया है। सभी जवानों की हालत खतरे से बाहर है।

वहीं, दूसरी घटना एनएच 922 पर ही औद्योगिक थाना क्षेत्र की है। जहां पुलिस टीम अपनी गाड़ी खड़ी कर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक 22 चक्का टेलर ने उक्त पुलिस वाहन में धक्का मार दिया। जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया है। गनीमत थी कि दुर्घटना के समय वाहन में जवान मौजूद नहीं थे। जिससे जान माल की क्षति नहीं हुई। एसपी मनीष कुमार ने दोनों घटनाओं की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच व फरार वाहन चालकों की पहचान करवाई जा रही है।

टाटानगर एक्सप्रेस का बक्सर तक विस्तार डुमरांव एवं रघुनाथपुर में भी होगा ठहराव

केटी न्यूज/डुमरांव

दानापुर-बक्सर रेलखंड के डुमरांव रेलवे स्टेशन पर विगत दिनों काशी-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव होने से यात्रियों ने आभार जताते हुए अन्य ट्रेनों की ठहराव को लेकर पुरजोर मांग किया था। मंगलवार को केंद्रीय मंत्री सह बक्सर सांसद अश्विनी कुमार चौबे ने टाटानगर-आरा ट्रेन का विस्तारीकरण बक्सर तक किये जाने की घोषणा की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैभव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 18183/84 बक्सर-टाटानगर एक्सप्रेस ट्रेन के नाम से जाना जायेगा। जिसका ठहराव बक्सर के साथ डुमरांव और रघुनाथपुर में भी होगा, जिससे रेल यात्रियों को काफी सहूलियत मिलेगी। इस ट्रेन के ठहराव की संभावित तिथि 72 घंटें में बतायी जायेगी।

इसके साथ 03649/50 बक्सर-वाराणसी मेमू पैसेंजर ट्रेन का आरा तक विस्तार कर दिया गया है। इसकी घोषणा होते ही दियरांचल और यूपी सहित डुमरांववासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी। बक्सर सांसद का आभार व्यक्त करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता कतवारू सिंह ने कहा कि इस ट्रेन के ठहराव से बक्सर का जुड़ाव झारखंड से सीधे तौर पर होगा। यहां के लोगों को झारखंड जाने के लिए आरा-पटना की दौड़ लगानी पड़ती थी। खुशी व्यक्त करते हुए रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने कहा कि यह ट्रेन का विस्तार आरा तक होने के बाद इसे बक्सर तक विस्तारित करने की पुरजोर मांग होने लगी।

सिमरी प्रखंड प्रमुख एवं उपप्रमुख पर अविश्वास प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित

केटी न्यूज/सिमरी

मंगलवार को सिमरी प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार में प्रखंड प्रमुख व उप प्रमुख के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर मत विभाजन कराया गया। मत विभाजन में दोनों पर ध्वनि मत से अविश्वास प्रस्ताव पारित हो गया। इस दौरान प्रखंड के कुल 29 में से 20 पंचायत समिति सदस्य मौजूद थे। प्रमुख प्रियंका पाठक व उप प्रमुख चंदन कुंवर पर लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में 20 बीडीसी सदस्य मतविभाजन में शामिल हुए, जिसमें 19 मत वैध पाए गए तथा एक मत रद्द घोषित किया गया। सभी मत अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में थे। जाहिर है, प्रमुख तथा उप प्रमुख को अपनी कुर्सी से हाथ धोना पड़ा है। बता दें कि करीब तीन दो महीने से सिमरी प्रमुख व उप प्रमुख के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव बीडीसी सह पूर्व प्रमुख सत्यनारायण दूबे की पत्नी सुशीला देवी के नेतृत्व में लाया गया था। लेकिन अवश्विस प्रस्ताव आते ही प्रमुख प्रियंका पाठक ने इसके खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। वहां से कुछ दिनों तक स्टें लगा था।

लेकिन, स्टे हटते ही बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी शशिकांत शर्मा ने 27 फरवरी को मतविभाजन की तिथि मुकर्रर की। निर्धारित तिथि पर सुशीला देवी के नेतृत्व में कुल 20 सदस्य मतविभाजन को पहुंचे। इस दौरान बीडीओ के अलावे डुमरांव डीसीएलआर मो. शहजाद अहमद के अलावे बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात थी। अविश्वास प्रस्ताव तथा पंचायत समिति के पूर्व की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन काफी मुश्तैद था। बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। हालांकि प्रमुख व उप प्रमुख के समर्थक गायब रहे। जिस कारण किसी तरह की टकराव कही नौबत नहीं आई। बीडीओ शशिकांत शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जल्दी ही नये प्रमुख व उप प्रमुख के चयन के लिए तिथि निर्धारित की जाएगी।

बिहार सेंट्रल स्कूल में आयोजित हुआ फूड फेस्टिवल व गेम विद गिफ्ट

ऐसे आयोजनों से बच्चों की निखरती है अवरुद्ध अभिरुचि: निदेशक

केटी न्यूज/बक्सर

मंगलवार को शहर के बाईपास रोड स्थित बिहार सेंट्रल स्कूल के परिसर में फूड फेस्टिवल एवं गेम विद गिफ्ट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विद्यालय के निदेशक डॉक्टर आरआरबी सिंह, उपनिदेशक उर्मिला सिंह व सचिव सरोज सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर संयुक्त रूप से किया गया। वही कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ महेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए निदेशक आरआरबी सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों की अवरुद्ध अभिरुचि एवं उनकी कलात्मक और व्यक्तित्व को निखरता है व उनके अंदर रचनात्मक पहलू को प्रदर्शित करता है। कार्यक्रम में पत्रकार डॉ. शशांक शेखर, बिहारी सर, रेड क्रॉस सचिव सरवन तिवारी एवं कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने बच्चों के द्वारा बनाए गए विभिन्न तरह के व्यंजनों का अवलोकन किया एवं उनकी रुचि एवं उनकी पाक कला की बुरी-भूरी प्रशंसा की। फूड फेस्टिवल में वर्ग 6, 7, 8 एवं नवम के बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चो द्वारा बनाए गए व्यंजनों में गाजर का हलवा, अप्पम, इडली, डोसा, सांभर, रायता, इटालियन फूड, गुलाब जामुन, ब्रेड पकौड़ा, पापड़ी चाट, फ्रूट चार्ट, चौमिन, पानी पुरी, गोलगप्पा, सैंडविच, रसगुल्ला, मोमोज, मैगी, बर्गर, कोल्ड कॉफी शामिल था।

वहीं, गेम विद गिफ्ट के आयोजन में डॉट टारगेट, कॉइन इन, वॉटर बैलून, टारगेट रिंग, विद गिफ्ट आदि गेम्स थे। जिनमें प्रथम पुरस्कार वाटर कलर पैकेट, द्वितीय कलर पैकेट, तृतीय पुरस्कार के तौर पर पेंसिल सेट रखा गया था। बच्चों ने सभी पुरस्कारों को जीता वह भरपूर आनंद उठाया। इस फूड फेस्टिवल में वर्ग 9 के अमन राज, पवन ने चाऊमीन बनाया था। वर्ग पांच के मयंक एवं विशाल ने अप्पम डिश बनाया था, वर्ग 5 के आदित्य हंस व अक्षत ने कोल्ड कॉफी बनाया था, वर्ग 6 के सागर, राजवीर ने गाजर का हलवा बनाया था, वर्ग 6 के नैतिक कुमार ने साउथ इंडियन थाली बनाया था। अंत में समापन के अवसर पर विद्यालय के सचिव सरोज सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों को मनोरंजन के साथ उनकी कलात्मक अधूरी अभिरुचि को बढ़ावा देता है। इस तरह के आयोजन प्रत्येक वर्ष होना चाहिए। उक्त अवसर विद्यालय के शिक्षक विनय तिवारी। विनोद उपाध्याय। ललित कांत, सुनील सिंह, वरुण कुमार, अरुण उपाध्याय, अतुल चंद, एस कुमार आदि उपस्थित रहे।

डांस कर रहा फौजी का छह साल का बेटा गोली लगने से जख्मी

♦ बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई नवादा गांव की सोमवार की रात की घटना

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर के बिहिया थाना क्षेत्र के अमराई नवादा गांव में सोमवार की रात तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग के दौरान एक फौजी के बेटे को गोली लग गयी। रिश्ते के मामा के घर तिलक समारोह में गये बच्चे को डांस करने के दौरान कमर के पास हिस्से में गोली लगी है। उससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी बच्चा बिहिया थाना क्षेत्र के साहब टोला गांव निवासी राहुल कुमार श्रीवास्तव का छह वर्षीय पुत्र प्रतीक श्रीवास्तव है। उसका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। उसके पिता आर्मी में नायक के पद पर कार्यरत हैं। इधर, फायरिंग और बच्चे को गोली लगने से समारोह में भगदड़ और अफरातफरी मच गयी। तिलक से आये लोग भागने लगे। देखते ही देखते समारोह में सन्नाटा पसर गया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और अपने स्तर से छानबीन की। बच्चे के पिता राहुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि अमराई नवादा गांव में उनकी पत्नी की रिश्तेदारी है। उसके रिश्ते के भाई का तिलक था। उसमें शामिल होने के लिए सोमवार शाम वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ अमराई नवादा गांव गए थे। रात में वह खाना खिलाने में लगे थे। उनका बेटा प्रतीक श्रीवास्तव कुछ बच्चों के साथ डांस कर रहा था। तभी अचानक फायरिंग कर दी गई। उसके बाद उनका बेटा जोर-जोर से चिल्लाने लगा। उसके पैंट से खून बह रहा था। उसके बाद परिजन ने देखा कि उसे गोली लगी है। तब इलाज के लिए उसे पहले बिहिया स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डाक्टर के नहीं होने के कारण सदर अस्पताल लाया गया। राहुल कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह पता नहीं चल सका कि गोली किसने चलाई। इधर, एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि सोमवार की रात सूचना मिली कि बिहिया थाने क्षेत्र के अमराई नवादा गांव में एक तिलक कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग के क्रम में एक बच्चे को गोली लगी है। उसके पिता सेना में पदस्थापित हैं। प्रथम दृष्टया पीड़ित के परिवार वाले और समारोह के आयोजक की ओर से पुलिस को किसी तरह की सूचना नहीं दी। अस्पताल तथा कुछ अन्य सूत्रों से ज्ञात होने पर पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

परिजनों और आयोजकों द्वारा नहीं दी गयी सूचना, की जायेगी विधि संगत कार्रवाई : एसपी

बच्चे के कमर के निचले हिस्से में लगी गोली, आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा इलाज

एक नजर

हथियार के बल पर व्यवसायी से सात लाख की लूट

जहानाबाद । जहानाबाद में बाइक सवार हथियारबंद चार अपराधियों ने अहले सुबह पशु व्यवसायी से हथियार के बल पर सात लाख रुपये लूट कर ली. जब व्यवसायी ने इसका विरोध किया तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट कर घायल कर दिया और रफूचक्कर हो गए। घटना नगर थाना क्षेत्र के राजाबाजार के फ्लाई ओवर के पास की है. घटना के बाद घायल व्यवसायी का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया. इस संबंध में पशु व्यवसायों ने नगर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है. पीड़ित व्यवसाईयों ने बताया कि वह नालंदा जिला के कराय परसुराय से अरवल जिला के मंगरा हाट मेला में मवेशियों की खरीदारी के लिए जा रहे थे. तभी राजाबाजार फ्लाई ओवर के समीप दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक करके पिकअप गाड़ी को रोक लिया और कनपटी पर पिस्टल भिड़ाकर सात लाख रुपए से भरा बैग लेकर रफू चक्कर हो गए । पीड़ित ने बताया कि बैग ना देने पर उसके साथ अपराधियों ने मारपीट भी की. इधर घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की छानबीन करने में जुटी है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि अहले सुबह पशु व्यवसाय से 7 लाख रुपये की लूट की घटना का मामला सामने आया है. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिस तरह से लूट की घटना को अंजाम दिया गया. इससे प्रतीत हो रहा है कि उनका काफी दूर से पीछा कर रहे होंगे । फिलहाल पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है और टेक्निकल डेटा से अनुसंधान कर जल्द से जल्द घटना का उद्भेदन कर संलिप्त लोगो को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गोह में मनी चंद्रशेखर आजाद की जयंती

औरंगाबाद। गोह स्थित चंद्रशेखर आजाद पार्क में मंगलवार को भारत की आजादी के महानायक चंद्रशेखर आजाद की 118वी जयंती आजाद कमिटी के अध्यक्ष दीपक उपाध्याय की अध्यक्षता में मनाई गई।इस दौरान अध्यक्षता कर रहे श्री उपाध्याय ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद सच्चे देशभक्त थे। अपने पराक्रम के बल पर उन्होंने अंग्रेजों को कई बार पटखनी दी। हम सभी को उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। युवा पीढ़ी को चंद्रशेखर आजाद जैसे महान क्रांतिकारियों का जीवन दर्शन पढना चाहिए। आजादी की लड़ाई में उनका योगदान भुलाया नहीं जा सकता है।कई वक्ताओं ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ उनके पराक्रम पर प्रकाश डाला। उन्हें सच्चा देशभक्त बताया। समाजसेवी मोनू उपाध्याय के नेतृत्व में देशभक्त चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। उन्होंने कहा कि आजाद ने अपना पूरा जीवन देश की आजादी की लड़ाई के लिए कुर्बान कर दिया था.बेहद कम उम्र में चंद्रशेखर देश की आजादी की लड़ाई का हिस्सा बने थे,वही समाजसेवीअंजनी उपाध्याय ने कहा कि के स्वर्ण अक्षरों में चन्द्रशेखर आजाद की वीरता की गाथा लिखी गई है। उनकी वीरता की गाथा देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस मौके पर अध्यक्ष दीपक उपाध्याय, मोनू उपाध्याय, मंटू कुमार सिंह, अंजनी उपाध्याय, डॉ ओम प्रकाश मिश्रा, अभिषेक पांडे सहित कई लोग मौजूद थे।

जिला निबंधन केंद्र में नियोजन मेला आज

औरंगाबाद। युवाओं के लिए अच्छी खबर है। 29 फरवरी को बिहार कौशल विकास मिशन के संकल्प योजना के तहत जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र में नियोजन मेला कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें उस दिन पूर्वाहन 10:30 बजे से 4:00 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। इस मेले में राज्य एवं राज्य के बाहर की लगभग 10 से 15 निजी कंपनियों के भाग लेने की संभावना है। मेला में नन-मैट्रीक से लेकर ग्रेजुएट, आईटीआई एवं अन्य योग्यताधारी बेरोजगार युवक युवतियां अपने बायोडाटा, फोटो, पहचान पत्र एवं योग्यता तथा अनुभव से संबंधित प्रमाण पत्र की फोटो कॉपी के साथ उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते है। मेले में प्रवेश निःशुल्क है। अभ्यर्थी का नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। निबंधन की प्रक्रिया ऑन-लाईन है। मेला में भी निबंधन की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

खबरें फटाफट

उपभोक्ता न्यायालय ने पीड़ित को दिलाई क्षतिपूर्ति

औरंगाबाद। उपभोक्ता न्यायालय ने पीड़ित को क्षतिपूर्ति दिलाई हैं। वाद सूचक मदनपुर थाना क्षेत्र के दधपी गांव निवासी संजय कुमार को उपभोक्ता अदालत के सदस्य बद्रीनारायण सिंह द्वारा 3 लाख 70 हजार का नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का चेक प्रदान किया गया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि सूचक का महिंद्रा बोलोरो मैक्सी ट्रक नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से 29.06.13 को बीमा हुई थी जिसकी वैधता - 28.06.14 तक था। इसी क्रम में 16.06.14 को गाड़ी चोरी हो गई। घटना को लेकर पीड़ित ने मदनपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई जिसमें आरोप पत्र में मामला सत्य पाया गया। पीड़ित द्वारा इंश्योरेंस कंपनी से क्लेम का दावा किया गया था लेकिन इंश्योरेंस कंपनी भुगतान में टालमटोल कर रही थी। सूचक द्वारा मजबूर हो कर उपभोक्ता अदालत में वाद दाखिल किया। मौके पर अधिवक्ता राजीव रंजन सिंह मौजूद रहे।

दुष्कर्म मामले में अभियुक्त को 12 साल की कैद, जुर्माना

औरंगाबाद। स्पेशल पोक्सो कोर्ट के जज सुनील कुमार सिंह ने फेसर थाना की एक कांड में सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुऐ एकमात्र अभियुक्त फेसर गांव निवासी जोगिंदर राम को कठोरतम कारावास की सजा सुनाई है। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त को 21.02.24 को दोषी करार दिया गया था और बंधपत्र विखंडित कर जेल भेज दिया गया था। आज सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त नाबालिग लड़की से दुष्कर्म मामले में अभियुक्त को 12 साल सश्रम कारावास एवं 25 हजार जुमार्ना लगाया है, जुमार्ना न देने पर 6 माह अतिरिक्त कारावास होगी। स्पेशल पीपी शिवलाल मेहता ने बताया कि न्यायालय ने यह भी आदेश दिया है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद जिला कल्याण विभाग के माध्यम से पीड़िता को तीन लाख रुपए मुआवजा दिलाएं।

संदेश थाना क्षेत्र के अखगांव बाजार स्थित मेडिकल स्टोर पर सोमवार की शाम

पूर्व के विवाद में मारपीट और फायरिंग, गोलीबारी में बाल-बाल बचे बालू कारोबारी

♦ मारपीट और फायरिंग का वीडियो वायरल
♦ बालू कारोबारी बोला: साथ काम करने वाले दोस्तों ने पहले पीटा, फिर करने लगे फायरिंग

केटी न्यूज/आरा।

संदेश थाना क्षेत्र के अखगांव बाजार में सोमवार की शाम पूर्व के विवाद में एक बालू कारोबारी पर हमला कर दिया गया। कारोबारी के साथ पहले मारपीट की गयी। उसके बाद ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी गयी। हालांकि फायरिंग में बालू कारोबारी बाल-बाल बच गए। गोली उनकी पीठ को छुती हुई निकल गई। मारपीट में उन्हें कुछ चोटें आयी है। उनका इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। जख्मी कारोबारी संदेश थाने के सारीपुर गांव निवासी किशुन देव सिंह का 25 वर्षीय पुत्र गुड्डू कुमार सिंह है। मारपीट और फायरिंग का आरोप गांव के ही दो लड़कों पर लगाया जा रहा है। दोनों बालू कारोबारी के साथ काम करते हैं। इधर, सरेशाम फायरिंग की वारदात से सनसनी मच गयी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। मौके से पुलिस को दो खोखे भी मिले हैं। इधर, मारपीट और फायरिंग का वीडियो भी वायरल हो रहा है। उसमें साफ तौर से देखा जा रहा है कि दो लोग मेडिकल स्टोर पर आते हैं और युवक के साथ मारपीट करते है। उसके बाद ताबड़तोड़ दो से तीन राउंड फायरिंग कर देते है। उससे लोगों के बीच भगदड़ मच जाती है। एसपी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि रात में अखगांव में बालू घाट के पास पुलिस को सूचना देने के आरोप में गुड्डू नामक युवक पर गांव के रहने वाले राजेश गुप्ता के दो बेटों ने पहले झगड़ा किया। उसके बाद गुड्डू के ऊपर दो राउंड फायरिंग भी कर दी गयी। सूचना मिलते ही तुरंत पुलिस पहुंच गई। वादी के बयान पर नामजद एफआईआर दर्ज कर ली गयी है और आरोपितों की गिरफ्तारी को छापामारी की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया गया है।

गुड्डू कुमार सिंह ने बताया कि वह गांव के ही इशु और आकाश नामक दो दोस्तों के साथ बालू का कारोबार करता है। उसी को लेकर कुछ दिन पूर्व बालू घाट पर उनके बीच विवाद हुआ था। उस समय उन लोगों द्वारा उसे मारने-पीटने की धमकी भी दी गई थी। सोमवार की शाम उनके बेटे प्रियांशु कुमार की तबीयत खराब हो गई थी। उसके लिए दवा लेने बाइक से अपनी मां रूबी देवी के साथ दवा लेने के लिए अखगांव बाजार स्थित मेडिकल स्टोर पर आया था। तभी आकाश और इशु दोनों पहुंच गए। उसके बाद उसे खींच कर मेडिकल स्टोर से बाहर निकाला और उसकी जमकर पिटाई की। उसके बाद इशु वहां से चला गया और कुछ देर बाद हथियार लेकर आया। उसके बाद दोनों द्वारा ताबातोड़ फायरिंग कर दी।

शहर में चोरी की घटनाओं में कमी की उम्मीद

औरंगाबाद। पुलिस की सक्रियता और जागरूकता से शहर में बाइक चोरी की घटनाओं में कमी आयी हैं। यह बात सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मो. अमानुल्लाह खां ने अपने कार्यालय कक्ष में कहीं। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में बाइक चोरी से जुड़े कुछ घटनाओं का सफल उद्भेदन किया गया है जिसमें कई अभियुक्तों को जेल भी भेजा जा चुका हैं। उन्होंने कहा कि बाइक चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस की ओर से लगातार प्रयास किया जा रहा है। जगह-जगह वाहनों की जांच की जा रही है। चारपहिया के साथ दोपहिया वाहनों से गश्ती की जा रही है। हाल के दिनों में चोरी की घटनाओं में कमी आयी है। उन्होने कहा कि बाइक चोरी की घटनाओं में आमतौर पर कम उम्र के लड़के शामिल होते हैं। ऐसे लड़कों की पढ़ाई व उन्हें रोजगार का हुनर सिखाने के लिए कई योजनाएं चल रही है। अभिभावकों से अपील है कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें और गलत संगत से दूर रखें।

राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्रों ने मेन गेट को किया जाम

केटी न्यूज/जहानाबाद

हुलासगंज स्थानीय राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्र अभिषेक कुमार के गुमशुदगी के बाद उत्पन्न हुए विवाद अब नित्य प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है ।जहां कॉलेज प्रशासन इसमें अपना पल्ला झाड़ कर अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहा है वहीं छात्रों एवं छात्राएं के द्वारा कॉलेज प्रशासन पर कई गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं ।वही अभिषेक के माता-पिता ने भी कॉलेज प्रशासन के उपेक्षा पूर्ण रवैया के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की है। इस संबंध में बताते चले की अभियंत्रण महाविद्यालय के छात्र लंबे समय से छात्रावास में मिलने वाले खाना के प्रति नाराजगी व्यक्त करते रहे हैं परंतु उनका कहना है की अभियंत्रण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर द्वारिका दास नीमा हम लोगों के प्रति बिल्कुल राउडी व्यवहार रखते हैं ।कोई भी बच्चा अगर उनके पास खाने का शिकायत लेकर जाता हैं तो उसे

छात्रावास से निष्कासित करने की धमकी देते हैं ।छात्रों का कहना है कि कॉलेज के 57 छात्रों का ईयर बैक लगा है परंतु उनके द्वारा उन सभी छात्रों के काउंसलिंग की कोई व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण छात्र डिप्रेशन में जा रहे हैं और इस ढंग के कदम उठा रहे हैं। छात्रों के व्यवहार के संबंध में उनके अभिभावकों को भी इसकी सूचना महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा नहीं दी जाती है ताकि अभिभावक अपने बच्चों को समझ सके ।अभिषेक कुमार के गुमशुदगी के मामले को लेकर भी छात्रों में काफी रोष देखा जा रहा है ।वह 25 तारीख को 7:45 में कॉलेज से निकला था । महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा यह बताया जा रहा है कि उसने छुट्टी के लिए विधिवत एप्लीकेशन दिया था परंतु उसकी छुट्टी की एप्लीकेशन के संबंध में उसके अभिभावक से बात करने का प्रयास नहीं किया गया और छुट्टी के संबंध में उसके गार्जियन को जानकारी नहीं दी गई इस संबंध में अभिषेक की माता ने बताया कि मैं प्रत्येक दिन शाम लगभग 7:30-8 के बीच अपने बच्चे से बात करती थी परंतु उसे दिन जब मैं उसे फोन लगाई तो उसका मोबाइल स्विच ऑफ आया मैंने इसकी सूचना महाविद्यालय प्रबंधन को दिए तो बताया गया कि वह छुट्टी लेकर चला गया है ।जब मैं कॉलेज आई तो मुझे उसका एप्लीकेशन भी नहीं दिखाया गया अभिषेक का रूम पार्टनर दीप नारायण ने बताया कि रिजल्ट आने के बाद अभिषेक एकदम सामान्य था किसी से कोई विशेष प्रॉब्लम नहीं बताया और इसी बीच इस प्रकार की घटना घट गई है।

बैठक कर शिकायतों को प्राथमिकता के तौर पर जल्द निपटाएं: रिची पांडेय

केटी न्यूज/जहानाबाद

जहानाबाद के जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय जनता दरबार, आरटीपीएस, ई-कम्प्लायंस डैश बोर्ड सहित अन्य प्राप्त मामलों के अनुपालन प्रतिवेदन पर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया उन्होंने विभागवार/ कार्यालयवार उपरोक्त मामलों पर समीक्षा की तथा सभी विभागों/ कार्यालय प्रधानों को निर्देश दिया कि साप्ताहिक रूप से बैठक आयोजित कर मामलों का निष्पादन करें। उन्होंने जनता दरबार में आए मामले में प्रगति को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा अन्य सभी कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला पदाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री जनता दरबार में जहानाबाद जिले से संबंधित लगभग 937 मामलें हैं, जिसमें 871 मामलों का अनुपालन कर दिया गया है। उन्होंने बताया गया कि राजस्व एवं भूमि सुधार से संबंधित कुल 213 मामले हैं, जिसमें 204 का अनुपालन कर दिया गया है, शेष पर कार्रवाई की जा रही है। सामान्य प्रशासन से संबंधित 75 मामलें हैं, जिसमें 72 का निष्पादन कर दिया गया है तथा शेष विभिन्न विभागों से संबंधित है, जिसके लिए उप विकास आयुक्त ने संबंधित कार्यालय को भेजने का निर्देश दिया। गृह विभाग से संबंधित 63 मामले हैं, जिसमें 61 का अनुपालन किया गया है। बैठक में जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि यदि मुख्यमंत्री, जनता दरबार में पंजीकृत मामले उल्लेखित मूल विभाग से संबंधित नहीं हैं तो त्वरित रूप से इसकी सूचना मुख्यमंत्री जनता दरबार कोषांग को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे ताकि उन मामलों को संबंधित कार्यालयों को ससमय हस्तांतरित किया जा सके।

हत्या मामले में चार वारंटी जेल भेजे गए

केटी न्यूज/मदनपुर

चार वारंटियों को मदनपुर थाना की पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए वारंटियों की पहचान थाना क्षेत्र के मैन बिगहा गांव निवासी राजाराम भुईयां, कईल भुईयां, प्रवेश भुईयां एवं मदनपुर निवासी मोनु उर्फ मो. मेराज आलम के रूप में की गई है। विदित हो कि मैन बिगहा के बलदेव भुईयां को ओझा-गुणी के आरोप में पीट-पीट कर कर हत्या कर दी गई थी जिसमें छह-सात लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इसी क्रम में इन अभियुक्तों के विरुद्ध न्यायलय से वारंट निर्गत किया गया था जिसमें गिरफ्तार कर जेल भेज दिए गए। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए वारंटियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के उपरांत जेल भेज दिया है।

मदनपुर को बनाया गया पुलिस अनुमंडल, लोगों में हर्ष

मदनपुर। मदनपुर को पुलिस अनुमंडल बनाए जाने पर लोगों में हर्ष है। यह जदयू के पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह के अथक प्रयास से संभव हुआ। मामले में प्रखंड वासियों ने उनके प्रति लोगों ने आभार व्यक्त किया हैं। वहीं रफीगंज पूर्व विधायक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि नवीनगर को पुलिस अनुमंडल बनाया जा रहा था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर उनसे आग्रह किए और मदनपुर को पुलिस अनुमंडल बनाने लिए मांग किए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमारी मांग के मद्देनजर घोषणा किए और नोटिफिकेशन जारी किया। इस उपलब्धि पर आभार व्यक्त करने वाले में पूर्व मुखिया सुरेन्द्र प्रसाद, भाजपा के वरीय नेता सुधीर कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, उमाशंकर सिंह, अभिमन्यु प्रसाद सिंह, नारायण प्रसाद, अमलेश कुमार केशरी आदि उपस्थित थे।

खबरें फटाफट

25 किलो के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

चंदौली। सदर कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को चेकिंग के दौरान इलिया मोड़ के समीप तीन गांजा तस्करों को धर दबोचा। जब उनकी तलाशी लिया तो उनके पास से तीन बैग मे 25 किलो गांजा मिला। जिसकी अनुमानित कीमत चार लाख रुपए बताई जा रही है। तस्कर गांजा को उड़ीसा से वाराणसी ले जा रहे थे। जहां इसकी सप्लाई भी होती है।
कस्बा इंचार्ज अमित कुमार मिश्रा अपने हमराहियों के साथ नगर के इलिया मोड़ पर संदिग्ध लोगों व वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान भभुआ से आने वाली बस इलिया मोड़ के पास आकर रुकी तो उक्त बस से उतरे तीन व्यक्ति पुलिस को देखकर घबरा गए और मौके से भागने लगे। तीनों पर शक होने पर पुलिस कर्मियों ने उनको दौड़ा कर गंगा रोड के समीप दबोच लिया। जब पूछताछ किया तो तीनों ने बताया कि हम लोगों के बैग में 8-8 पैकेट गांजा है। इसे हम उड़ीसा के झासूगुडा से लेकर आ रहे हैं और उसे बेचने वाराणसी लेकर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए तस्कर तियरा शहाबगंज निवासी शीलवन्त,वाराणसी निवासी राजनाथ राम व नरसिंहपुर गांव निवासी सौरभ है। इस दौरान पुलिस टीम में विजय कुमार, चन्द्रशेखर यादव मौजूद रहे।

अधेड़ ने फंदे पर झूलकर दे दी जान

पीडीडीयू नगर (चंदौली)। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नई बस्ती में 45 वर्षीय रामू नामक व्यक्ति ने मंगलवार को घर में फंदे पर झूलकर जान दे दी। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के पीडीडीयू स्थित नई बस्ती में रामू अपनी पत्नी गुंजन और बेटे सोनू के साथ रहता था। रामू पेंटिंग का कार्य कर अपने परिवार का पेट पालता था। लोगों के अनुसार वह कई दिनों से तनाव में चल रहा था। मंगलवार को दिन में जब उसकी पत्नी किसी काम से बाहर गई हुई थी और उनका पुत्र भी घर पर नहीं था। इस दौरान रामू ने घर में रखे गमछे का फंदा बनाकर फंदे के सहारे झूलकर जान दे दी। घटना के कुछ देर बाद वहां पहुंचे रामू के भाई श्यामू पहुंचे तो पंखे के सहारे भाई को लटकता देख सन्न रह गये। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी।

बैरिया थाना क्षेत्र के सुघर छपरा के पास दो कमांडर और पिकअप भिड़े

बलिया में भीषण सड़क हादसा छह लोगों की मौत, 10 घायल

- तिलक समारोह में शामिल होने के बाद लौटते समय हुआ हादसा
- दोकटी के भगवानपुर से खेजूरी थाने के मासूमपुर गया था तिलक
- चार की स्थिति नाजुक देख वाराणसी के लिए किया गया रेफर

केटी न्यूज/ बलिया

बैरिया थाना क्षेत्र के सुघर छपरा (हल्दी-बैरिया बार्डर) के पास तिलक समारोह से वापस लौट रही दो जीप कमाण्डर व टमाटर लदी पिकअप में जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 10 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने सभी घायलों को इलाज हेतु जिला अस्तपताल भेजवाया। वहीं मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया। उधर पिकअप चालक मौके से फरार है। पुलिस ने गाड़ियों को कब्जे में ले लिया है।

बता दें कि दोकटी थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव निवासी अनन्त गुप्ता पुत्र त्रिलोकी गुप्ता के लड़की का तिलक सोमवार को खेजूरी थाना क्षेत्र के मासूमपुर गांव निवासी असनरायन गुप्ता के यहां गया हुआ था, जहां तिलक का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद सभी लोग कमांडर व अन्य गाड़ियों से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही गाड़ी बैरिया एवं हल्दी थाना क्षेत्र के बॉर्डर स्थित सुघर छपरा ढाले पर पहुंची की बैरिया की ओर से तेज रफ्तार में आ रही पिकअप ने कमांडर जीप में जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना बेजोड़ था कि आगे की कमांडर पीछे चल रही कमांडर में जाकर टकरा गई। जिसमें चालक सहित छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 10 लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही बैरिया पुलिस मौके पर पहुंच गई और सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से चार की स्थिति नाजुक देख वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। घटना के बाद लड़की पक्ष के गांव में सन्नटा पसरा हुआ है और रुदन-कन्दन से पूरा गांव शोक में डूब गया है। घटना की जानकारी होते ही पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा अपनी पूरी टीम के साथ जिला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल जाना। इस बाबत पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा ने बताया कि बैरिया और हल्दी थाना क्षेत्र के बॉर्डर सुघर छपरा के पास पिकअप और कमांडर में जोरदार टक्कर हो गया। जिसमें छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

हादसे में एक ही गांव के पांच लोगों की चली गई जान

सड़क हादसे में एक ही गांव के पांच लोगों की मौत के बाद गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। पीड़ित परिजनों के रुदन कुंदन से हर व्यक्ति की आंखें नम हो जा रही हैं। जहां खुशी का माहौल चल रहा था, वहीं अब माहौल गमगीन हो गया है। उधर बचेरे बाबा राजेंद्र गुप्ता की जहां मौत हो गई है, वहीं बेटा सत्येंद्र वाराणसी के ट्रामा सेंटर में जिंदगी और मौत से जूझ रहा है।

एकलौता चिराग बुझा: हादसे में भगवानपुर निवासी वीरेंद्र शर्मा का एकलौता पुत्र रंजीत शर्मा की मौत हो गई। पड़ोसी अनंत गुप्ता की पुत्री के तिलक में रंजीत गया हुआ था, जहां से घर लौटते वक्त सड़क हादसे का शिकार हो गया।

जिला अस्पताल पहुंच डीएम ने घायलों का जाना हाल

दुबे छपरा में हुए सड़क दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी रविंद्र कुमार सुबह जिला अस्पताल में पहुंचकर यहां भर्ती पीड़ितों का हाल जाना। उन्होंने वहां पर पीड़ितों से बातचीत की और जिला चिकित्सा अधीक्षक सुजीत कुमार यादव को दुर्घटना में घायल पीड़ितों का समुचित उपचार करने एवं हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। वहीं पुलिस अधीक्षक देव रंजन वर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया एवं मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान घटनास्थल पर सड़क के किनारे पिकअप पर लदा टमाटर बिखरा पड़ा हुआ था। वही गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त थीं।

हादसे के बाद भगवानपुर में मातम, दो मार्च को आनी है बारात

बैरिया थाना क्षेत्र के सुघर छपरा ढाले पर मंगलवार की भोर में हुए सड़क हादसे में मौत के बाद दोकटी थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में मातम और सन्नाटा पसरा हुआ गया है। परिजनों के रूदन कंदन से मौजूद लोगों की आंखें नम हो जा रही थी। हर कोई पीड़ित परिवार को ढाढस बधाने में लगा हुआ है। आपको बता दें कि अनंत गुप्ता की पुत्री की बारात दो मार्च को खेजूरी थाना क्षेत्र के मासूमपुर से आनी थी। जिसके निमित्त 26 फरवरी को तिलक गया हुआ था। जहां से सकुशल तिलक संपन्न होने के बाद घर लौटते समय सुघर छपरा ढाले पर भीषण एक्सीडेंट हो गया। जिसमें भगवानपुर के लड़की के घर के दो बालक समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि बैरिया थाना क्षेत्र के दयाछपरा निवासी लल्लन प्रसाद गोड़ की मौत हो गई। लड़की के घर एवं पड़ोस में मातम एवं सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं रूदन कंदन से पूरा गांव गमगीन हो गया है।

इन लोगों की हुई मौत

- अमित कुमार गुप्ता पुत्र अजय प्रताप गुप्ता 46 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी।
- रणजीत शर्मा पुत्र वीरेन्द्र शर्मा 32 वर्ष भगवानपुर थाना दोकटी
- यश गुप्ता पुत्र मुन्ना गुप्ता 09 वर्ष निवासी सलेमपुर मठिया थाना बांसडीहरोड बलिया
- राज गुप्ता पुत्र मुन्ना गुप्ता 11 वर्ष निवासी सलेमपुर मठिया थाना बांसडीहरोड बलिया।
- राजेन्द्र गुप्ता पुत्र धनपत गुप्ता 50 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- लल्लन प्रसाद गोंड 45 वर्ष निवासी दयाछपरा थाना बैरिया।

ये लोग हैं घायल

- बब्बन प्रसाद गौड़ पुत्र स्व बलेश्वर प्रसाद 35 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी
- हजारी गुप्ता पुत्र लरपोचन गुप्ता 60 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी
- रमाशंकर गुप्ता पुत्र स्व त्रिलोकी गुप्ता 60 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी
- सोनू गुप्ता पुत्र सुभाष प्रसाद गुप्ता 31 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- सतेन्द्र गुप्ता पुत्र राजेन्द्र गुप्ता 55 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- पंकज गुप्ता पुत्र शैल कुमार गुप्ता 30 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- छितेश्वर गुप्ता पुत्र रामजनम 30 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- अमित पुत्र श्याम सुन्दर 35 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- सीताराम पुत्र सुब्बा 32 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।
- परशुराम 36 वर्ष निवासी भगवानपुर थाना दोकटी बलिया।

इन्हें वाराणसी किया गया रेफर

- बब्बन प्रसाद गौड़ पुत्र स्व बलेश्वर प्रसाद निवासी भगवानपुर थाना दोकटी
- हजारी गुप्ता पुत्र लरपोचन गुप्ता निवासी भगवानपुर थाना दोकटी जनपद बलिया ।
- रमाशंकर गुप्ता पुत्र स्व त्रिलोकी गुप्ता निवासी भगवानपुर थाना दोकटी
- सोनू गुप्ता पुत्र सुभाष प्रसाद गुप्ता निवासी भगवानपुर थाना दोकटी

काल के गाल में समा गए दो सगे भाई: सड़क हादसे में भगवानपुर निवासी अनंत गुप्ता की भतीजी रीना के दो पुत्र काल के गाल में समा गए। इससे रीना पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पति से अलग होने के बाद वह अपने इन्हीं दो सहारों के भरोसे जिंदगी जी रही थी लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था।

एक नजर

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे 1800 बीघे में बनेगा औद्योगिक गलियारा

गाजीपुर। भांवरकोल थाना अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे करीब 1800 बीघा जमीन में बन रहे औद्योगिक गलियारे के लिए जमीन का बैनामा करने वाले डामर रोड के किनारे के किसानों को अब 30 प्रतिशत अधिक मुआवजा मिलेगा। सीआरओ आशीष कुमार मिश्रा इस बात को स्पष्ट किए जाने के बाद किसानों में हर्ष का माहौल है। जमीन के मुआवजे को लेकर क्षेत्र के किसानों ने कई बार भाजपा युवा नेता पीयूष राय के नेतृत्व में डीएम आर्यका अखौरी से मुलाकात भी की थी। आखिरकार किसानों का संघर्ष व पीयूष राय का प्रयास रंग लाया और अब किसानों को 30 प्रतिशत अधिक मुआवजा मिलेगा। जिले के मुख्य राजस्व अधिकारी ने आश्वस्त करते हुए बताया कि नक्शे में डामर रोड (तारकोल की पिच रोड) न होने के बाद भी यदि मौके पर सड़क बनी तो संबंधित काश्तकार को मुआवजे का लाभ मिलेगा। किसान मानस मणि राय, प्रवीण कुमार राय, भानुप्रताप राय, हरिओम पांडेय, सोनू राय, गोरख राय, गौरी शंकर मिश्रा आदि ने भाजपा नेता का आभार जताया।

सुल्तानपुर अंडरपास का हुआ शिलान्यास

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाने के सुल्तानपुर गांव के पास रेलवे अंडरपास का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रिमोट बटन दबाकर शिलान्यास किए। इस मौके पर दुल्लहपुर स्टेशन मास्टर राजेश कुमार सुमन ने सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और प्रधान और राजनीति से जुड़े हस्ती शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व भाजपा के जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 के बाद रेलवे का पूरी तरह से विकास हुआ है। यहां तक कि यात्रियों की सुविधा के अनुसार नई ट्रेनों का संचालन सहित रेलवे का दोहरीकरण किया गया। 12:53 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन से सैकड़ो लोगों ने वर्चुअल से जुड़े और मोदी का भाषण सुनकर लोगों ने जमकर तालियां बजाई। इस मौके पर अनिल कुमार पांडे ,सुशील सिंह, मनोज यादव ,प्रधानपति हरिशंकर चौहान, प्रधानपति दीपक चौरसिया ,उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजेश मद्धेशिया, अखिलेश सिंह, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह, ऋषिकेश यादव, राजेश प्रसाद, गोविंद कुमार, सलमान खान, प्रफुल्ल कुमार, विश्वदीप कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज यादव ने किया।

मानव रहित रेलवे क्रासिंग बंद करने के विरोध में ग्रामीणों का हंगामा

चंदौली। पं. दीनदयाल उपाध्याय वाराणसी रेल रूट पर हृदयपुर के समीप मानवरहित रेलवे क्रासिंग को बंद करने की कोशिश पर मंगलवार को हृदयपुर सहित विभिन्न गांव के लोगों ने हो हल्ला मचाया। ग्रामीणों के हंगामा के बाद अधिकारियों को बैरंग वापस लौटना पड़ा। फाटक बंद करने आए अधिकारियों ने वर्तमान में यहां से आवागमन चालू रखने और उच्चाधिकारियों से वार्ता के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही। इसके पूर्व ग्रामीणों के समर्थन में आए सपा नेताओं की पुलिस अधिकारियों से नोंकझोंक हुई। पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर से प्लांट डिपो कॉलोनी होते हुए रेलवे लाइन पार कर हृदयपुर सहित भुजहुआ, खुटहा, खजूर गांव, चांदीतारा, साहूपुरी, डिहवा, नाथुपुर, पोररवा, डहिया, चौरहट, पड़ाव सहित बीस गांव के लोग आवागमन करते हैं। व्यासनगर रेलवे स्टेशन के समीप नीबूपुर गांव के सामने अवैध कट से रेलवे लाइन पार कर रही जेसीबी की लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से टक्कर हो गई थी। इस घटना के बाद उत्तर रेलवे की ओर से अवैध कट और मानवरहित रेलवे क्रासिंग को बंद किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार की सुबह एडीईएन प्रवीण कुमार सिंह, आरपीएफ व्यासपुर एसआई जेपी बहुगुणा जेसीबी और कर्मचारियों के दल के साथ पहुंचे। यहां हृदयपुर क्रासिंग पर बैरिकेडिंग लगाने की शुरूआत की। क्रासिंग बंद करने की सूचना मिलते ही हृदयपुर सहित आस पास के गांव के सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण पहुंच गए और विरोध शुरू कर दिया।

डीएम-एसपी ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन संपन्न कराने के उद्देश्य से परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण मे सर्वप्रथम मां शारदा चिल्ड्रेन पब्लिक इंटर कॉलेज जलालाबाद, मॉ विणावादनी स्कूल हरदासपुर खुर्द, जय सत गुरूदेव जनता इंटर कालेज दुल्लहपुर गाजीपुर परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर जायजा लिया।

चार दिन पहले हुई हत्या, पुलिस ने गड़ासे के साथ तीन अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/ गाजीपुर

25 फरवरी को दबंगई से तंग होकर रिश्ते में लगने वाले चाचा का अपने रिश्तेदार व एक अन्य के साथ मिलकर भतीजा ने गड़ासे से वार कर हत्या कर दिया था। हत्या के मामले में हत्या में प्रयुक्त हथियार के साथ पुलिस ने तीन आरोपियों को महराजगंज के पास से गिरफ्तार किया है। इस बात का खुलासा एसपी ओमवीर सिंह ने अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेस कर किया है।

सदर कोतवाली इलाके में 25 फरवरी को बकराबाद के गांव के पास गेंहू के खेत मे शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। घटना की सूचना पर खुद एसपी ओमवीर सिंह पुलिस फोर्स के साथ गए। जहां घटना का जायजा लिया था और हत्या के खुलासे के लिऐ मातहतों को निर्देश दिये थे। एसपी ने बताया की हत्याकांड में तीन लोगों को गिरफ़्तार किया गया है । अभियुक्त और मृतक एक-दूसरे को जानते थे और मृतक दबंग किस्म का व्यक्ति था। साथ ही शराब का भी आदी था।शराब पीकर मृतक मुहल्ले के लोगों के साथ मारपीट करता था। इससे आजिज आकर राहुल नाम के व्यक्ति ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया।हत्याकांड में प्रयुक्त आलाकत्ल और मृतक का मोबाइल भी पुलिस ने बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों में राहुल कुमार पुत्र अवधेश राम निवासी रजागंज थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर, सुनील कुमार पुत्र सुदामा राम निवासी बयेपुर देवकली थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर और अम्बिका उर्फ बोस बिन्द पुत्र राम किशुन बिन्द निवासी बयेपुर देवकली थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर को गिरफ्तार किया गया।

बता दें कि 25 फरवरी को पुलिस ने इस हत्याकांड से सबंधित एक प्रेसनोट जारी किया था। जिसमें हत्या की वजह गोली मारा जाना बताया गया था।

बिजली कम्प्यूटर ऑपरेटरों ने काम ठप कर किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/ चंदौली

सकलडीहा विद्युत वितरण खण्ड तृतीय के तीन उपखण्ड से सम्बंधित नौ उपकेंद्रों पर तैनात संविदाकर्मियों ने विद्युत मजदूर पंचायत के बैनर तले मंगलवार को सकलडीहा उपकेंद्र पर पहुचकर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की। कर्मचारियों का कहना था कि बीते पांच महीने से हमलोगों का मानदेय नही मिला। इसलिए वेतन नहीं तो काम नही के सिद्धांत को अपनाते हुए काम ठप किया गया।आरोप लगाया कि अधीक्षण अभियंता सहित अधिशासी अभियंता को कई बार पत्रक सौंपा गया,लेकिन आजतक भुगतान नही हुआ। जिससे परिवार भुखमरी के कगार पर पहुँच गया है। आपको बता दे कि विद्युत वितरण खण्ड तृतीय सकलडीहा से सम्बंधित तीन उपखण्ड के नौ उपकेंद्रों पर तैनात कम्प्यूटर ऑपरेटरों का पिछले पांच महीने से मानदेय नही मिल रहा है। विद्युत मजदूर पंचायत के खंडीय अध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि सकलडीहा डिवीजन के दर्जनों कम्प्यूटर ऑपरेटरों का करीब नौ लाख रुपये मानदेय भुगतान रुका।कई बार लिखित व मौखिक भुगतान की मांग करने पर भी नही किया गया। जिससे मजबूरन कार्य बहिष्कार कर विरोध का रास्ता अख्तियार करना पड़ा। कहा कि जबतक मानदेय भुगतान नही होगा कार्य ठप रहेगा।

गेहूं खरीद के लिए जिला विपणन विभाग ने की सभी तैयारियां पूरी

चंदौली जनपद में एक मार्च से 51 केंद्रों पर होगी गेहूं की खरीद

- 36 केंद्र और बनाने के लिए विभाग की ओर से भेजा गया है प्रस्ताव

केटी न्यूज/चंदौली

जिला विपणन विभाग की ओर से एक मार्च से गेहूं की खरीद शुरू हो जाएगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन का कार्य शुरू हो चुका है। किसान अपने क्रय केंद्र या जन सेवा केंद्र पर पहुंचकर गेहूं बेचने के लिए किसान रजिस्ट्रेशन कर सकता है। पहले गेहूं खरीद के लिए 51 केंद्र बनाए गए थे, लेकिन 36 केंद्र और बनाने के लिए विभाग की ओर से प्रस्ताव भेजा गया है। जहां गेहूं खरीद शुरू होने से पहले इनकी संख्या 87 हो जाएगी। जनपद में लगभग 110000 से अधिक हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई की गई है। किसानों के गेहूं की खरीद के लिए जिला विपणन विभाग की ओर से पहले 51 केंद्र खोले गए थे। जहां एक मार्च से गेहूं की खरीदारी शुरू होनी थी,लेकिन अब उनकी संख्या बढ़कर 87 हो गई।जिसमें विभाग की ओर से हाल ही में 36 केंद्र खोलने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया, ताकि अधिक से अधिक गेहूं खरीदारी हो सके और किसानों को किसी प्रकार की खरीदारी में परेशानी ना हो। जहां पहले एक अप्रैल से खरीदारी शुरू होती थी, लेकिन इस बार एक मार्च से ही खरीदारी शासन की ओर से शुरू कर दी गई है और उसकी तैयारी भी पूरी हो चुकी है। किसान अपने गेहूं बेचने के लिए जहां धान बेच हैं उन केंद्र पर पहुंचकर भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यही नहीं सहज जन सेवा केंद्र पर भी पहुंचकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। पिछले वर्ष 2125 रुपए प्रति कुंतल की दर से खरीदी हुई थी, लेकिन इस बार बढ़कर 2275 रुपए प्रति कुंतल खरीद होगी। जो पिछले वर्ष की तुलना में ?150 की बढ़ोतरी की गई है, ताकि किसानों को उनके उपज का अच्छा मूल्य मिल सके।

खोले गए 87 गेहूं के क्रय केंद्र: जिला विपणन विभाग की ओर से 87 गेहूं क्रय केंद्र खोले गए हैं। इसमें मार्केटिंग के 23 पीएससी के 15, पीसीएफ के 13,यूपीएस के 10,नैफेड के 16 एनसीसीएस के चार और भारतीय खाद्य निगम के 6 शामिल है। किसान इन केंद्रों पर पहुंचकर भी अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। जहां निःशुल्क रजिस्ट्रेशन होगा। अब तक विभागीय अधिकारियों को माने तो 2700 लोगों ने अभी तक अपना पंजीयन कर चुके है।

जनपद में 157 क्रय केंद्र खोले गए थे जहां पर ढाई लाख में मीट्रिक टन का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन 225000 मीट्रिक टन खरीद हुई है। यही नहीं 492 करोड़ रुपए का भुगतान करना था,लेकिन 475 करोड़ का भुगतान हो चुका है। शेष बची धनराशि का जल्दी भुगतान हो जाएगा। जिला विपणन अधिकारी अनुपम निगम ने बताया कि जिले में इस बार एक मार्च से गेहूं खरीद की जाएगी। इसके लिए किसान जहां अपने धान बेचे हैं उन क्रय केंद्रों पर पहुंचकर निःशुल्क रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। अब तक गेहूं खरीद के लिए 2700 लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

♦ पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश के क्रम में किया गया प्रशिक्षण

केटी न्यूज/मऊ।

वन स्टॉप सेंटर में नगर पालिका अध्यक्ष अरशद जमाल द्वारा निरिक्षण किया गय। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुज कुमार द्वारा वन स्टॉप सेंटर के बारे में विस्तार रूप से बताया गया। उन्होंने ने बताया कि वन स्टॉप सेंटर हाउ फॉर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन जिसके माध्यम से महिलाओं एवं बच्चियों से संबंधित सभी सहयोग प्रदान किए जाते हैं, नवजात शिशु, पीड़ित महिलाएं पास्को की बालिकाएं के ऊपर कार्य किया जाता हैं। बाल कल्याण समिति सदस्य श्रीमती कंचन व श्रीमती अनीता सिंह सदस्य द्वारा बताया गया बाल श्रम से संबंधित बालकों पॉस्को से संबंधित पपीड़ित बालिकाएं के संबंध में भी वन स्टाफ सेंटर कार्य करता है। जरूरत पड़ने पर यंहा पर 5 दिन अस्थाई संरक्षण दिया जाता है तथा महिला एवं नाबालिक बालिका को रखा जाता है। इसके बाद ही बालिका को हमारे यंहा लाया जाता है उस बालिका के काउंसलिंग के उपरांत उनके माता

पिता के साथ स्थाई रूप से संरक्षित किया जाता है। वन स्टॉप सेंटर के सेंटर मैनेजर द्वारा वन स्टॉप सेंटर की सभी पत्रावलियों को अध्यक्ष नगर पालिका को दिखाया गया। हाउ फर एंपावरमेंट ऑफ वीमेन से महिला कल्याण अधिकारी श्रीमती अर्चना राय द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजना से महिला व बच्चियों को जोड़ने का कार्य किया जाता है। श्रीमती रेनू पांडे द्वारा बताया गया कि विधि विरोध बच्चों से संबंधित कार्य उनके द्वारा किया जाता है। पीड़ित बच्चों को सपोर्ट पर्सन के रूप में भी सहयोग किया जाता हैं। बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती चंदा साहनी द्वारा बताया गया कि 0 से 18 वर्ष के बच्चियों से संबंधित कार्य किया जाता हैं। अध्यक्ष द्वारा विजिट करने के उपरांत वन स्टॉप सेंटर को सुझाव भी दिया गया तथा पूर्ण रूप से सहयोग देने का वादा भी किया गया।

निरीक्षण के दौरान वन स्टॉप सेंटर श्रीमती मीरा यादव, मनोवैज्ञानिक काउंसलर, केस वर्कर श्रीमति सुनीता, जिला समन्वक श्रीमती राखी राय, जिला समन्यवक श्रीमती कृतिका राय, होमगार्ड रीमा भारती, होमगार्ड सीता पांडे , श्रीमती संगीता, स्टाफ नर्स शिखा मिश्रा व अन्य लोगों उपस्थित रहे।

एक नजर

कम लागत से अधिक उपज के लिए दी गई किसानों को जानकारी

मऊ । उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा मऊ नगर स्थित रोज गार्डन में किसानों की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला

में पर ड्रॉप मोर क्रॉपइ माइक्रो इरिगेशन योजना में ड्रिप इरिगेशन, मिनी और पोर्टेबल स्प्रिंकलर की सिंचाई विधि के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में कम लागत में अधिक मुनाफा की खेती कैसे की जाए और साथ ही साथ जल संरक्षण कैसे किया जाए, इस बारे में किसानों को विस्तार से बताया गया। इस कार्यशाला में कोपागंज, रानीपुर, रतनपुरा एवं मोहम्मदाबाद विकासखंड के 50 किसानों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर अंगद प्रसाद द्वारा आम, अमरूद के बागों में ड्रिप सिंचाई के प्रयोग के साथ ड्रिप और स्प्रिंकलर के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य के लाभ के बारे में बताया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के ही वैज्ञानिक डॉ लाल पंकज सिंह एवं डॉ हिमांशु राय द्वारा स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, साग भाजी फसलों में जल संरक्षण हेतु तथा उर्वरक एवं कृषि रक्षा रसायन के संतुलित मात्रा में ड्रिप के माध्यम से प्रयोग करने से खेती में उत्पादन में 20% तक की वृद्धि एवं लगभग 25 से 50 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर लागत कम करने के जानकारी दी गई। जिला गन्ना अधिकारी डॉ नीरज वर्मा ने गन्ने की फसल में ड्रिप के प्रयोग से होने वाले आर्थिक बचत एवं सह फसली खेती करते हुए खेती को दोगुनी लाभकारी बनाने के लिए ड्रिप सिंचाई से जुड़ने का आवाहन किया। जिला उद्यान अधिकारी संदीप कुमार गुप्त ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरिगेशन कार्यक्रम में 90 प्रतिशत तक अनुदान और योजना में पंजीकरण के साथ लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के सत्र में 50 किसानों के लिए एक वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया, जिसमें किसानों को योजना से जुड़ी हुई जानकारी तथा योजना का लाभ वो कैसे लेंगे, इस बारे में बताया गया। इसके साथ ही ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर सिंचाई को डेमो चलवा कर लाइव प्रदर्शन भी दिखाया गया। इसके पार्ट्स और प्रयोग किसान कैसे करेंगे इन सब के बारे में भी विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही पूरे देश और प्रदेश में जल संरक्षण का जो अभियान चल रहा है इसमें हम अपनी योजना के माध्यम से कैसे सहयोग कर सकते हैं, इसके बारे में भी किसानों को समझाया गया। इस इस अवसर पर गार्डन में मिनी सेंटर आफ एक्सीलेंस में किसानों को उन्नत साग भाजी बेहन की पौध उत्पादन तथा सरकार द्वारा छूट पर 02 रुपये में प्रति पौध की विक्रय दर से भी किसानों को अवगत कराते हुए नगद मूल्य पर 1000 से अधिक बेहन पौध भी विक्रय की गई। बेहन तकनीकी के बारे में विभागीय कर्मचारी राम समुझ यादव द्वारा जानकारी विस्तार से दी गई। कल भी 50 किसानों का प्रशिक्षण सत्र होगा जिसमें दोहरी घाट, फतेहपुर मंडाव, परदहा, घोसी एव बड़राव के किसान होंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्यान निरिक्षक अरुण कुमार यादव, मिथिलेश कुमार सिंह, विकासखंड प्रभारी चंद्रभान, सुनील कुमार गुप्त, बालजीत, राजकुमार, अमरनाथ यादव, हिमांशु , रामसमुझ सहित कृषक उपस्थित रहे।

सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क का निधन

मुरादाबाद। देश के सबसे बुजुर्ग एवं संभल (उत्तर प्रदेश) के सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क की तबीयत शनिवार को अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें मुरादाबाद के एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद आईसीयू के क्रिटिकल वार्ड में भर्ती कराया गया। उनकी तबीयत पिछले कई दिनों से खराब चल रही थी। डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है। जानकारी के मुताबिक डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क को संभल लोकसभा से 2024 के लिए सपा ने फिर से अपना प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में भी उनकी तबीयत खराब हुई थी। मालूम हो डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क अपने बयानों को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं।

खबरें फटाफट

निषाद रथ को झंडी दिखाकर पूर्वांचल यूनिवर्सिटी मीडिया प्रभारी ने किया रवाना

जौनपुर। जिले में पहली बार मॉ चौकिया धाम से अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए

श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया कराई जा रही है। यह सुविधा भगवान राम के नाम पर रामभक्तों के लिए नि:शुल्क है। इसके लिए पांच बसें प्रतिदिन चल रही हैं। इस बस का नाम जौनपुर निषाद रथ है। यह नेक कार्य पूर्व आईएएस अभिषेक सिंह ने कराया है। इससे रामभक्तों में हर्षोल्लास का माहौल है। मंगलवार को जौनपुर निषाद रथ को झंडा दिखाकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं पीयू के मीडिया प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने मंगलवार को रवाना किया। जयश्रीराम के जयकारे से पूरा वातावरण गूंज उठा। इस दौरान अभिषेक सिंह के भाई वैभव सिंह ने रामभक्तों को शुभकामना दी। उल्लेखनीय है कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भक्तों का तांता लगा हुआ है। दर्शन करने के लिए श्रद्धालु उतावले नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पहली बार अद्भुत नजारा देखने को मिला. हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई अयोध्या की बस को हरी झंडी दिखाने एक साथ आगे आ रहे हैं।

चार तहसीलों को मिले नए एसडीएम, डीएम ने दी तैनाती

जौनपुर। डीएम रविंद्र कुमार मादण्ड ने मंगलवार को चार खाली पड़ी तहसीलों में नए उप जिलाधिकारी तैनात किए हैं। सुनील कुमार भारती को एसडीम केराकत,पवन कुमार सिंह को एसडीएम सदर,अंकित कुमार को एसडीम बदलापुर और अर्चना ओझा को एसडीम बदलापुर से अतिरिक्त उप जिला अधिकारी द्वितीय जौनपुर के पद पर तैनात किया है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादण्ड ने सभी को तत्काल चार्ज ग्रहण करने को कहा है।

मेजर ध्यानचंद मिशन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए खिलाड़ियों को किया जाएगा प्रोत्साहित

राजकीय महाविद्यालयों में 1.71 करोड़ से खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेगी सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में ग्रास रूट लेवल पर खेलों को बढ़ावा दे रही योगी सरकार अब महाविद्यालयों में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर वहां भी खिलाड़ियों को तैयार करने में जुट गई है। इसके लिए सरकार ने मेजर ध्यानचंद मिशन के तहत राजकीय महाविद्यायलों में खेलकूद इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 1.71 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि को 31 मार्च 2024 तक किया जाना अनिवार्य होगा। इस राशि से खेलकूद से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्य कराए जाएंगे, ताकि महाविद्यालयों में आने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और विभिन्न प्रतियोगिताओं की तैयारियों के लिए कहीं अन्य जगह भटकना न पड़े।

प्रत्येक महाविद्यालय को मिलेंगे एक लाख रुपए

प्रदेश सरकार में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर के राजकीय महाविद्यालयों में खिलाड़ियों को तैयार किए जाने की योजना है। साथ ही, पहले से जो खिलाड़ी महाविद्यालयों में अध्ययनरत हैं उन्हें खेल का इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इसी क्रम में शासन स्तर पर कुल 171 राजकीय महाविद्यालयों में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए प्राविधानित बजट 1.72 करोड़ के सापेक्ष 1.71 करोड़ की राशि जारी की जा रही है। इसके तहत प्रत्येक राजकीय महाविद्यालय को एक लाख रुपए मुहैया कराए जाएंगे, ताकि वो अपने यहां आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर सकें। इसके माध्यम से

खिलाड़ी महाविद्यालय में अध्ययन के साथ-साथ अपने पसंदीदा खेलों में करियर बनाने की संभावनाओं को भी मूर्त रूप दे सकेंगे।

गुणवत्ता से नहीं होगा समझौता

मालूम हो कि महाविद्यालय इस राशि से खेल से संबंधित नए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर सकेंगे। इसमें विभिन्न खेलों से संबंधित कोर्ट, टर्फ आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि स्वीकृत की जा रही धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आरटीजीएस के माध्यम से निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराने में वित्त विभाग के द्वारा निर्धारित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस राशि का उपयोग हर हाल में 31 मार्च 2024 तक किया जाना है। स्वीकृत राशि बैंक खाते में नहीं रखी जाएगी एवं इसका व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानें एवं समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जाएगा। कार्यों का सम्यक परीक्षण नियमानुसार किया जाए एवं कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए, इसके संबंध में सभी राजकीय महाविद्यालयों को निर्देशित किया गया है।

योगी सरकार की पहल... उद्योग धंधे से बन रही चंदौली की नई पहचान

♦ जुलाई तक बनकर तैयार हो जाएगी देश की सबसे बड़ी 'स्टेट ऑफ आर्ट होलसेल फिश मार्केट'

♦ योगी सरकार चंदौली में करा रही मछली के आकार का देश की सबसे बड़ी अल्ट्रा मॉडल मत्स्य मंडी का निर्माण

केटी न्यूज/चंदौली

कभी नक्सल प्रभावित रहे चंदौली में योगी सरकार ने पहले कानून का राज स्थापित किया, फिर वहां पर्यटन उद्योग से लेकर अन्य उद्योगों का राज स्थापित किया। डबल इंजन की सरकार चंदौली में देश की सबसे बड़ी स्टेट ऑफ आर्ट होलसेल फिश मार्केट का निर्माण करा रही है। 61.87 करोड़ की लागत से अंतरराष्ट्रीय स्तर की अल्ट्रा मॉडल मत्स्य मंडी बन रही है। इस मंडी के बनने से पूर्वांचल के मत्स्य पालन करने वालों की आय दोगुनी से भी ज्यादा होगी। साथ ही 1500 से ज्यादा लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। मछली से सम्बंधित सभी कारोबार एक छत के नीचे होगा। यहां फिश रेस्टोरेंट, प्रशिक्षण के लिए कांफ्रेंस हॉल, प्रोसेसिंग यूनिट समेत कई तरह की सुविधाएं होंगी। स्टेट ऑफ आर्ट होलसेल फिश मार्केट का निर्माण लगभग 50 प्रतिशत पूरा हो चुका है। जुलाई 2024 तक इसका निर्माण कार्य पूर्ण हो जाएगा।

देश की सबसे आधुनिक मत्स्य मंडी का हो रहा निर्माण

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत चंदौली में भारत की सबसे आधुनिक मत्स्य मंडी के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। इस तीन मंजिला इमारत का निर्माण दस हजार वर्गमीटर में हो रहा जिसकी लागत लगभग 61.87 करोड़ है। मछली के आकार की इस बिल्डिंग में मछली पालन के तरीकों, मार्केटिंग, तकनीक, एक्सपोर्ट से लेकर मछली के कई प्रकार के पकवान पकाने और खाने की भी सुविधा होगी। चंदौली के जिलाधिकारी निखिल टी. फुंडे ने बताया कि ये देश की पहली अपने तरह की मत्स्य सम्बंधित कारोबार की अल्ट्रा मॉडल बिल्डिंग होगी। जिसमें मछली का होलसेल और रिटेल मार्केट होगा। सीड्स,फीड्स, चारा, दवाएं, कोल्ड स्टोरेज, म्यूजियम और अन्य उपकरण सभी चीजें एक छत के नीचे उपलब्ध होंगी। मछली पालन को लेकर दुनिया भर में चल रही नई तकनीक का प्रदर्शन आधुनिक एग्जीबिशन हॉल में किया जाएगा। बिल्डिंग में कॉन्फ्रेंस हाल भी बनेगा, जहां मत्स्य पालकों का प्रशिक्षण व सेमिनार आदि होगा। बिल्डिंग में फिश प्रोसेसिंग यूनिट भी होगी। पीपीपी मॉडल पर तीसरी मंजिल पर एक एक्सक्लूसिव फिश रेस्टोरेंट होगा। जहाँ फिश के कई प्रकार के व्यंजनों के स्वाद का भी आनंद उठाया जा सकेगा।

जयमाल स्टेज पर दुल्हे के अवैध संबंध की खुली पोल, दुल्हन ने किया शादी से इंकार

♦ रात में ही बारात बिना दुल्हन के वापस जौनपुर चली गई

केटी न्यूज/घोसी

घोसी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बारात लेकर आए दूल्हे को बिना शादी किए ही बैरंग लौटना पड़ा। दरअसल, जयमाला से पहले दूल्हे की प्रेमिका ने अपने साथ ली कई फोटो दुल्हन के पिता और दूसरे रिश्तेदारों को भेज दी। फोटो को संज्ञान में लेकर युवती ने दूल्हे से पूछताछ की। फोटो वाली युवती से दूल्हे के संबंध होने पर दुल्हन ने शादी करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद बारात वापस लौट गई। घोसी कोतवाली के एक गांव में एक ग्रामीण के घर पर जौनपुर जिला से बारात आई थी। बारातियों के आने के बाद घरातियों द्वारा स्वागत के बाद जब अन्य वैवाहिक कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही थी। इस बीच, दोनों पक्ष की परिचित एक युवती ने वर नीतीश से पूर्व में शादी होने की फोटो को दुल्हन के घर के सदस्य की मोबाइल पर वायरल कर दिया। फोटो देखते ही खुशी का माहौल अफरातफरी में बदल गया। घराती पक्ष ने वर पक्ष के साथ अन्य से पुष्टि के बाद लड़की के साथ परिवार ने शादी से इंकार के साथ वर पक्ष पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए बारात को वापस कर दिया। रात में ही बारात बिना दुल्हन के वापस जौनपुर चली गई। इसको लेकर गांव के साथ पूरे घोसी क्षेत्र में चर्चा का माहौल रहा।

छात्रा का प्रेमी निकला मजनू, पिटाई के बाद भी नाबालिग को लेकर फरार

केटी न्यूज/ देवरिया

♦ चार दिन पहले छात्रा की मां ने दोनों को मोबाइल पर बातचीत करते पकड़ा था

जिले के खुखुन्दू थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक और 12 वीं की नाबालिग छात्राके बीच समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक अपने पिता के पास गुजरात में प्राईवेट नौकरी करता है। एक सप्ताह पहले ही वह घर आया था। उसने बात करने के लिए नाबालिग प्रेमिका को मोबाइल दिया था। चार दिन पहले छात्रा की मां ने दोनों को मोबाइल पर बातचीत करते पकड़ लिया। इसके बाद छात्रा के घरवालों ने प्रेमी युवक के घर पहुंचकर उसकी पिटाई कर दी। छात्रा को भी फोन से बात करने पर डांट-फटकार लगाई। आरोप है कि प्रेमी युवक छात्रा को लेकर फरार हो गया है। मां ने आसपास के गांवों समेत सभी रिश्तेदारों के यहां फोन कर पता किया। लेकिन छात्रा का कहीं पता नहीं चला। थक हारकर थाने में तहरीर दी। थानाध्यक्ष खुखुन्दू इंस्पेक्टर दिलीप सिंह ने बताया कि छात्रा की मां की तहरीर पर गांव के प्रेमी युवक के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों की तलाश की जा रही है।

दिव्यांग कल्याण विभाग मंत्री नरेंद्र कश्यप हुए शामिल

बीएचयू में दिव्य कला समागम की हुई शुरूआत

♦ 2024-25 के बजट में 2 करोड़ कि मोटराइज्ड ट्राइसाईकिल वितरण की है व्यवस्था

केटी न्यूज/वाराणसी

बीएचयू के स्वतंत्रता भवन सभागार में सोमवार से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग और नई सुबह संस्थान के तत्वावधान में हो रहे दिव्य कला समागम की शुरूआत हुई। उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांग कल्याण विभाग नरेंद्र कश्यप ने किया। उन्होंने कहा दिव्यांगजन दिव्य शक्ति से परिपूर्ण होते हैं। विकसित भारत के निर्माण में इनकी अहम भूमिका है। केंद्र और प्रदेश सरकार इसी बात को ध्यान में रखकर विभिन्न योजनाएं चला रही है। समागम 28 फरवरी तक चलेगा। मुख्य अतिथि ने आगे कहा कि सरकार ने दिव्यांगजनों और कुष्ठ रोगियों की भरण पोषण राशि बढ़ाने का काम किया है। इसके अलावा 2024-25 के बजट में 2 करोड़ कि मोटराइज्ड ट्राइसाईकिल वितरण की व्यवस्था की है। इसके साथ ही सभी मंडलों में बचपन डे केयर सेंटर, समेकित, संकेत विद्यालय चल रहे हैं। सरकार ने दिव्यांगजनों के मनोबल को बढ़ाने के लिए ही विकलांग शब्द को दिव्यांग के रूप में परिवर्तन किया। दिव्यांग होने के बावजूद विभिन्न संस्कृतग्रंथों के रचना कर जगदगुरू श्रीरामभद्राचार्य ने और पैराओलंपिक स्वर्ण विजेता बनकर दीपा मलिक ने समाज में अपनी उपयोगिता साबित की है।

इससे पहले मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद जीवन ज्योति स्कूल की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। डिप्टी डायरेक्टर सतेंद्र तिवारी ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने राज्य पुरस्कार विजेता अध्यापकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। साथ ही 200 बच्चों को ओ-लेवल सार्टिफिकेट दिए। इस दौरान डॉ. अजय तिवारी की पुस्तक क्लीनिकल साइकोलॉजी, डॉ. मनोज तिवारी की पुस्तक दिव्यांगता समग्र उपागम का अनावरण हुआ। इसके बाद आइडी स्टूडेंट्स करौंदी ने राम आएगे गीत प्रस्तुत किया। डॉ. अष्टभुजा मिश्रा की टीम ने राम-केवट संवाद प्रस्तुत किया। बचपन डे केयर सेंटर खुशीपुर और मनोजागृति स्पेशल स्कूल के विद्यार्थियों ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया। कठपुतली नृत्य भी हुआ। कार्यक्रम के आयोजन कि जिम्मेदारी इनिसिया इवेंट्स को सौंपी गयी थी।

समागम में विभिन्न शहरों (वाराणसी, लखनऊ, बलिया, चित्रकूट, सुल्तानपुर, जौनपुर, प्रयागराज, कानपुर आदि) से आयी 45 संस्थाओं के स्टॉल समागम की शोभा बढ़ा रहे थे। जिसमें दिव्यांगजनों द्वारा बनाए गए कपड़े के झोले, अगरबत्ती, मिट्टी के कलश, अचार, मसाले, खिलौने आदि मौजूद थे। कार्यक्रम संचालन सना सलीम ने किया। बीएचयू में लैंग्वेज ट्रांसलेटर ऋषि ने मंच की बातों का दिव्यांगों के लिए अनुवाद किया।

कार्यक्रम में व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अजित बग्गा, भाजपा पिछड़ा वर्ग के क्षेत्रीय अध्यक्ष अश्वनी पटेल, डिप्टी डायरेक्टर सतेंद्र तिवारी, दिव्यांग कार्यकारिणी सदस्य उत्तम ओझा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, संयुक्त निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग रणजीत सिंह मौजूद रहे।

सुभाषितम्

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है

- एलेअनोर रूजवेल्ट

इंडिया गठबंधन की एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अंतिम चरण में है। राहुल गांधी कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिन राज्यों गई वहां कांग्रेस का कोई प्रभाव नहीं था। उन राज्यों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लोगों को जोड़ने, उनकी समस्याओं को उभारने, आम जनता से जुड़े हुए मामले, जिन में अग्निवीर, किसान, फसलों की एमएसपी, रोजगार,न्यूनतम मजदूरी गारंटी तथा पिछड़ा वर्ग, एसटी- एससी और अल्पसंख्यकों को जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी की बात कहकर जनमानस को जोड़ने, का काम किया है। पिछले 10 वर्षों में अदानी और पूंजी पत्तियों के लाखों करोड़ रुपए के कर्ज माफ करने, मोदी सरकार द्वारा किसानों के कर्ज माफ नहीं करने, अमीर-अमीर हो रहे हैं। गरीब-गरीब हो रहे हैं। स्थाई नौकरी के स्थान पर कांटेक्ट पर नौकरी देने, जैसे मामलों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लगभग सभी वर्गों को जोड़ने में उन्हें सफलता मिली है। जहां कांग्रेस और राहुल गांधी का कोई प्रभाव नहीं था। उसके बाद भी उन्हें जो जन समर्थन मिला है। उसके कारण इंडिया गठबंधन और भी मजबूत होकर उभर रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल उसी तर्ज पर अपने-अपने राज्यों में जनता के बीच जाकर, भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों के प्रति माहौल बनाने रैली कर रहे हैं। आम जनता की नाराजगी, उनका डर ओर भय खत्म करके, आम जनता को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसका असर अब इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों में देखने को मिल रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए छह मुद्दे तैयार किए हैं। उन मुद्दों को लेकर इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के बीच में आम सहमति बन गई है। हर राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ सीटों के बंटवारों को लेकर कांग्रेस ने लगभग लगभग सहमति बना ली है। राहुल गांधी को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया है, कि बिना क्षेत्रीय दलों के सहयोग से विपक्ष भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा के चुनाव की लड़ाई को जीत नहीं सकता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता और अपार जनसमूह जुड़ने से इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल अब अच्छी तरह से समझ गए हैं, कि उन्हें यदि भाजपा का मुकाबला करना है। तो जनता के बीच एकजुट होकर जाना पड़ेगा। 1977 में आपातकाल के बाद जिस तरह का माहौल 1977 में बना था। सभी राजनीतिक दलों ने जनता दल के नाम से एक नया दल बनाया। सभी राजनीतिक दलों ने अपने अस्तित्व को समाप्त कर, एक ही चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था।इंदिरा गांधी को भारी चुनौती देते हुए केंद्र की सत्ता में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। वही स्थिति वर्तमान में दिखने लगी है। पहले आपातकाल का डर था। अब अघोषित आपातकाल का डर है। जिसमें सभी विपक्षी दलों के नेताओं और सरकार का विरोध करने वालों को जेल भेजा जा रहा है। उसे समय भी जो डर और भय आम जनता के बीच आपातकाल को लेकर था। अब वह मोदी सरकार के समय पर बना हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर आम जनता को विश्वास दिलाने कि यदि विपक्ष सत्ता में आएगा।तो वह कौन सा बदलाव करेंगे। इस गारंटी के साथ इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरेगा। पूंजीवाद के खिलाफ, जाति जनगणना के माध्यम से सभी वर्गों को, आबादी के अनुसार भागीदारी, किसानों को एमएसपी और कर्ज माफी की गारंटी, मजदूरों को न्यूनतम रोजगार की गारंटी, बेरोजगारों को स्थाई नौकरी देने, सेना, रेलवे, बैंक, सरकार के खाली पदों पर स्थाई भर्ती की गारंटी लेकर ,इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव के समर में उतरने जा रहे हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सभी राज्यों में भारी जन समर्थन मिला है। हाल ही में तेजस्वी यादव ने बिहार में इसी तरह की यात्रा शुरू की है। तेजस्वी की यात्रा में भारी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं।

चिंतन-मनन

सच को छुपाने का परिणाम

एक बार की बात है। एक व्यक्ति का पुत्र कमाने के लिए विदेश गया। विदेश कमाने गए पुत्र ने अपने पिता को एक बहुत ही सुंदर अंगूठी भेजी। पत्र में उसने लिखा, पिताजी ! आपको मैं एक अंगूठी भेज रहा हूं। उसका मूल्य है पांच हजार रुपए। मुझे सस्ते में मिल गई थी, इसलिए मैंने आपके लिए खरीद ली बेटे द्वारा भेजी गई अत्यंत सुंदर अंगूठी पाकर पिता प्रसन्न हो गया। पिता ने बड़े शौक से वह अंगूठी पहन ली। अंगूठी बहुत ही चमकदार और सुन्दर थी। बाजार में पिता को कई मित्र मिले। नई अंगूठी को देख कर सबने पूछा, ह्ययह कहां से आई? पिता ने कहा, ह्यमेरे लड़के ने विदेश से भेजी है। इसे खरीदने में उसने पांच हजार रुपए खर्च किए पिता का एक मित्र बोला, क्या इसे बेचोगे? मैं इस अंगूठी के पचास हजार रुपये दूंगा। पिता ने सोचा, पांच हजार की अंगूठी के पचास हजार रुपये मिल रहे हैं। इतने रुपयों में ऐसी दस अंगूठियां आ जाएंगी। उसने अंगूठी निकाल कर दे दी और अपने मित्र से पचास हजार रुपए ले लिए। फिर उसने पुत्र को पत्र लिखा, तुमने शुभ मुहूर्त में अंगूठी भेजी। उसे मैंने पचास हजार रुपए में बेच कर पैंतालीस हजार रुपए का लाभ अर्जित कर किया। लौटती डाक से पुत्र का पत्र आया, पिताजी! संकोच और भयवश मैंने आपको पिछले पत्र में सच्चाई नहीं लिखी थी। वह अंगूठी एक लाख की थी यह सत्य को झुठलाने का परिणाम था।

देश का पहला सत्याग्रही विजयसिंह पथिक

- डॉ० राकेश राणा

विजयसिंह पथिक भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर वह एकमात्र नेतृत्व है जिसने समाज के साथ मिलकर सफल सत्यागह की शैली ईजाद की। पथिक जी का जन्म होली के दूसरे दिन दुल्हेंडी 27 फरवरी, 1884 को हुआ था। उनका मूल नाम भूपसिंह राठी था। उनके पिता और माता के परिवारों की 1857 की क्रांति में सकिय भागीदारी थी। पथिक इन्दौर में 1905 में प्रसिद्ध क्रांतिकारी देशभक्त शचीन्द्र सान्याल के सम्पर्क में आये। उन्होंने पथिक जी को रासबिहारी बोस से मिलवाया। क्रांतिकारियों के इस समूह में पथिक जी कई महत्वपूर्ण कार्यवाहियों का हिस्सा रहे। 1912 में जब अंग्रेजों ने दिल्ली को राजधानी बनाया तो क्रांतिकारियों ने उद्घाटन समारोह में वायसराय के जुलूस पर चांदनी चौक में बम फेंका। इस कार्यवाही में पथिक जी शामिल थे। 1914 में रासबिहारी बोस और शचीन्द्र सान्याल ने सम्पूर्ण भारत में एक साथ सशस्त्र कांति के लिए अभिनव भारत समिति नाम का संगठन बनाया। पथिक जी को इस काम के लिए राजस्थान का जिम्मा सौंपा गया। अजमेर से प्रमुख समाचार पत्रों का सम्पादन और प्रकाशन प्रारम्भ किया। बिजौलिया का प्रसिद्ध किसान आन्दोलन, बेगू किसान आन्दोलन, सिरोही का भील आन्दोलन, बरार किसान आन्दोलन ये

सब बडे किसान आन्दोलन पथिक जी के नेतृत्व में खड़े हुए। राजस्थान के स्वतंत्रता आन्दोलन का विस्तार कर राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक ले गये। उस दौर के बड़े नेता गांधी और तिलक थे उन तक राजस्थान के स्वतंत्रता संघर्ष की पूरी योजना और परिणामों को पहुँचाया। ऐनी हडसन के जरिये ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स में राजस्थान स्वतंत्रता संघर्ष की आवाज को उठाया। रियासतों के दमन और शोषण को समझाने वाली विशाल प्रदर्शनी अधिवेशन स्थलों पर आयोजित की। यह सब पथिक जी की दूरदृष्टि और नेतृत्व शैली को समझने के लिए पर्याप्त है। 1920 में वर्धा में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना की गई। इसके माध्यम से सत्याग्रह के प्रयोग शुरू किए। बाद में संघ की गतिविधियों का केन्द्र अजमेर बना। देशभक्त युवाओं को खोज-खोज कर आन्दोलन में शामिल किया गया। माणिक्य लाल वर्मा, राम नारायन चौधरी, हरिभाई किंकर, नैनूराम और मदनसिंह करौला जैसे देशभक्त और आजाद भारत के बड़े नेता पथिक जी के राजस्थान सेवा संघ की ही देन थे। 1929 में पथिक जी राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गये। पथिक जी की कार्यशैली और नेतृत्व शैली दोनों अद्भुत रहे। दोनों के केन्द्र में सत्याग्रह की पद्धति निहित थी। उनके कार्यकम और प्रबंधन का अनूठापन परिणाम देने वाला था, वह सत्याग्रह ही था। लगान के सम्बन्ध में, ठिकाने के अत्याचारों के सम्बन्ध में, किसानों की बहादुरी के सम्बन्ध में, गीत और भजन बनाकर उनके द्वारा किसानों में गांव-गांव आन्दोलन का प्रचार करना, सब कुछ सत्याग्रह को साक्षी मानकर ही किया गया था। पथिक जी ने सम्मिलित हस्ताक्षरों से राज्य को किसानों के अभाव अभियोगों के लिए आवेदन देना बन्द करवा दिया। केवल पंचायत के सरपंच के नाम से ही लिखा-पढ़ी की जाने लगी। चेतावनी दी गई कि अब किसान अनुचित लागतें और बेगारें नहीं देंगे। पंचायत ने यह निश्चय किया है कि यदि ठिकाना इन्हें समाप्त नहीं करेगा तो पंचायत उन्हें अन्य टैक्स भी नहीं देगी। राज्य ने अपने कर्मचारियों और ठिकाने के पक्ष में आदेश दिया कि सरपंच या पंचायत के नाम से किसी अर्जी या आवेदन पर कोई कार्यवाही न हो अर्थात राज्य ने पंचायत के अस्तित्व को मानने से इन्कार कर दिया। विजय सिंह पथिक ने किसानों को समझाया कि कोई किसान व्यक्तिगत रूप से या सम्मिलित हस्ताक्षर करके आवेदन न दे। सभी किसानों की ओर से बोलने का अधिकार एकमात्र पंचायत को ही होगा। उनके इस आह्वान से सम्पूर्ण राजस्थान सत्याग्रह की गूंज से जाग्रत हो उठा। पथिक जी के आह्वान पर बिजौलिया के किसानों ने युद्ध का चन्दा देने से इन्कार कर दिया। प्रेमचन्द भील भजन गा-गा कर किसानों को सत्याग्रह के लिए प्रेरित करते रहे। पथिक जी ने गणेश शंकर विद्यार्थी को पत्र लिखा कि वे बिजौलिया में किसान सत्याग्रह चला रहे हैं उनके प्रसिद्ध पत्र प्रताप की सहायता की आन्दोलन को अत्यन्त आवश्यकता है। साथ ही बिजौलिया के किसानों की ओर से गणेशशंकर विद्यार्थी को राखी भेजी गई। पत्र मिलते ही गणेशशंकर विद्यार्थी का जवाब आया कि बिजौलिया आन्दोलन के लिए प्रताप के पृष्ठ सदैव खुले हैं। आप अपने सत्याग्रह पथ पर चलते रहिए। यह सत्याग्रह की शैली का ही प्रभाव था कि देखते ही देखते राजस्थान का स्वतंत्रता संघर्ष पूरे देश में पहचाना जाने लगा। विजयसिंह पथिक सत्याग्रह पथ पर अडिग रहे और आजादी के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष करते रहे। 29 मई, 1954 को जब उनका देहान्त हुआ तब भी पथिक जी एक समरस, शान्तिपूर्ण और सुन्दर समाज के निर्माण में जुटे थे और एक नया अखबार आरंभ करने की योजना बना रहे थे। पथिक जी जीवन भर सामंतवाद, जातिवाद, पूंजीवाद, सम्प्रदायवाद, धर्मांधता, सामाजिक कुप्रथाओं, शोषण, दमन और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करते रहे। पथिक जी जहाँ देश, समाज और राष्ट्र के लिए बड़े सवालों को लेकर चिंतनशील थे, वही बेरोजगारी, पर्यावरण विनाश, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे सामाजिक महत्व के मुद्दों पर अपने अखबारों के जरिए बराबर लिख रहे थे। इसीलिए देश का पहला और असली सत्याग्रही विजयसिंह पथिक है। गांधी को भी यह स्वीकार करना पड़ा। गांधी ने स्वयं कहा बिजौलिया आन्दोलन पर अपने भाषण में मै बिजौलिया वालों को क्या संदेश दूं? बिजौलिया के प्रतिनिधि तो मुझे संदेश देने आये है कि बापू, तूने जो सत्याग्रह छेड़ा, विफल रहा, हम लोग अपने आन्दोलन को सफल करके आये हैं। सत्याग्रह की शक्ति ने स्वतंत्रता संघर्ष को सामाजिक महत्व के जनान्दोलन में बदलने का बड़ा काम किया। पूरे स्वतंत्रता संग्राम में सत्याग्रह एक शक्तिशाली हथियार की तरह उपयोग में आया। वास्तव में भारतीय स्वाधीनता संग्राम की कहानी सत्याग्रह की ही कहानी है। आज भी न इसका महत्व कम हुआ है और न ही इसकी प्रासंगिकता कम हुई है। जैसे-जैसे दुनिया में अन्याय, शोषण और अत्याचार बढ़ेगा वैसे-वैसे सत्याग्रह के लिए आग्रह और तीव्र होंगे। इस जादुई हथियार को समझने के लिए पथिक साहित्य शोधकार्य, इतिहास सामग्री, संस्मरण और उनके जीवनानुभवों तथा सामाजिक कार्यों को समझना आवश्यक है। उनके द्वारा प्रकाशित छः प्रमुख समाचार-पत्रों में राजस्थान केसरी, नवीन राजस्थान, तरुण राजस्थान, राजस्थान संदेश, नव-संदेश और ऊपरमाल को डंको है। पथिक जी ने पत्रकारिता को सत्याग्रह का शस्त्र बनाया और समाज व राष्ट्र को संघर्ष करना सिखाया। एक सफल सत्याग्रह राष्ट्रीय चेतना में कैसे प्रस्फुटित होता है और समाज को बदलाव के लिए खड़ा करता है, यह पथिक के प्रयोगों से ही सीखा जा सकता है। वास्तव में, सामाजिक न्याय के योद्धा के रूप में एक समाज सुधारक, किसान नेता, पत्रकार, साहित्यकार और भविष्य द्दष्टा के रूप में एक महान चिंतक की भूमिका में सक्रिय विजयसिंह पथिक आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतकों में एक ऐसा नाम है जो भारतीय चिंतन परम्परा की गहरी समझ के साथ भारतीय राजव्यवस्थाओं के उदय और विकास-क्रम की ऐतिहासिकता की मौलिक विवेचना करते हैं।

उत्तर प्रदेश में पेपर लीक कांड

-राकेश अचल

आप सरकार को एक इंजिन से चलाएं या दो इंजिनों से , उनमने इतनी इतनी ताकत नहीं है कि वे भ्ष्टाचार्र, बेईमानी को रोक सके । उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार भी इसका अपवाद नहीं है । उत्तर प्रदेश में तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता का उजागर होना इसका ज्वलंत उदाहरण है । हाल की पुलिस भर्ती प्रतियोगिता के प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता ने तो अब तक के पिछले सभी मामलों को पीछे छोड़ दिया है। अब खुद सरकार संदेह के दायरे में है। अब सवाल ये है कि जो सरकार प्रश्न -पत्रों की गोपनीयता को नहीं बचा सकती ,वो सरकार कानून और व्यवस्था के साथ ही महिलाओं की इज्जत-आबरू की सुरक्षा आखिर कैसे कर पाएगी? अयोध्या में राम मंदिर बनाना और सरयू के तट पर असंख्य दीपक जलाकर कीर्तिमान बनाना शायद आसान है लेकिन किसी प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्न -पत्रों की गोपनीयता बचाना उससे भी ज्यादा कठिन काम है। पुलिस और प्रशासन की तमाम मुस्तैदी के बाद भी प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता का हरण करने वाले अपना काम कर गुजरते हैं। आखिर में होता क्या है ,केवल परीक्षा निरस्त होती है और कोई भी गिरोह पकड़ में नहीं आता । आ भी जाये तो उसे ऐसी सजा नहीं मिल पाती जो भविष्य के लिए नजीर बन पाए ,और प्रश्न पत्रों की गोपनीयता को भंग करने से रोक पाए। हाल की पुलिस भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्रों की गपनीयता के मामले में भले ही सरकार ने 391 लोगों की धर- पकड़ की है ,लेकिन इससे उन लाखों लोगों के साथ न्याय तो नहीं हो सकता जिनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। आपको याद होगा कि पुलिस में सिपाही के 60 हजार से

अधिक पदों के लिए 17 व 18 फरवरी को राज्?य के सभी 75 जिलों में परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें करीब 48 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पुलिस भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के विरोध में प्रतियोगी छात्रों ने प्रदर्शन किया था, जिसके बाद यह पेपर रद्द कर दिया गया। में की बात ये है की प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग करने का ये संगठित अपराध उन राज्यों में ज्यादा होता है जहाँ डबल इंजिन की सरकारें हैं। प्रश्न-पत्रों की गोपनीयता बनाये रखने कि लिए उन्हें सरकार कि सबसे बदनाम पुलिस थानों में रखा जाता है । लेकिन मजे की बात ये है कि इन बदनाम थानों से आजतक किसी प्रश्नपत्र की गोपनीयता भंग नहीं हुई । प्रशासन कि लोग इसमें शामिल नहीं होते । प्रश्नपत्रों की गोपनीयता भंग करने वाले दूसरे लोग ही होते हैं। ये केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं होते । ये हर प्रदेश में होते है। मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार सब जगह पाए जाते है। पिछले साल राजस्थान में हुए विधानसभा चुनाव कि समय खुद प्रधानमंत्री जी ने राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं की गोपनीयता कि मामले को चुनावी मुद्दा बनाया था, लेकिन अब उत्तर प्रदेश में इसी मामले को लेकर वे गुड़ खाकर बैठे हैं। उनकी मजबूरी है। उत्तर प्रदेश में उनकी अपनीपार्टी की सरकार जो है। प्रश्न पत्रों की गोपनीयता से प्रश्न पत्र लीक करने वालों कि साथ सरकार को भी फायदा होता है। यानि अपराधी और सरकार एक ही नाव में सवार होते है। प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करने से सरकार को तगड़ी फीस मिलती है और प्रश्न पत्र लीक होने कि बाद परीक्षाएं निरस्त करने से सरकार नौकरी देने कि झंझट से भी बच जाती है। लीक करने वाले अपनी कमाई करने कि बाद चम्पत हो जाए हैं। इस काले कारोबार में शामिल चम्पत रायों को पकड़ना आसान काम है लेकिन कोई जब करे तब। लोग पकडे भी जाते हैं और छोड़ भी दिए जाते है। उन्हें उम्रकैद या फांसी की सजा नहीं होती। जो सजा होती है उससे कोई इस अपराध से तौबा करने कि लिए तैयार नहीं होता। उत्तर प्रदेश से पहले प्रश्नपत्रों की गोपनीयता और दूसरे तरह की जालसाजी कि लिए मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार सुर्खियों में रहती था । बहुचर्चित व्यापम घोटाला इस देश को अबतक याद होगा। लेकिन न कभी कोई मुख्यमंत्री बदला गया ,न शिक्षा मंत्री, न कोई पुलिस महानिरीक्षक हटाया गया। इसीलिए ये धंधा आज भी बदस्तूर चल रहा है। केंद्र सरकार ने हाल ही में परीक्षाओं में नकल रोकने कि लिए एक सख्त कानून बनाया है जबकि जरूरत प्रतियोगी परीक्षाओं कि साथ ही सभी परीक्षाओं कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता भंग करने वालों कि खिलाफ कड़ी सजा देने कि कानून बनाने की थी। बहरहाल उत्तरप्रदेश की योगी सरकार अपना काम कर रही है। सरकार फिर से रिक्त पदों को विज्ञापित करेगी। फिर से परीक्षाएं आयोजित करेगी। सरकार जिस परीक्षा को निरस्त किया गया है उसके सभी आवेदकों को परीक्षा शुल्क में छूट देने की उदारता शायद ही दिखाए । या निरस्त परीक्षा को बिना नए आवेदन लिए दोबारा आयोजित करे । क्योंकि ऐसा करना घाटे का सौदा है। घाटे का सौदा कोई भी सरकार करना नहीं चाहती। भले ही मुद्दा नौजवानों कि भविष्य से जुड़ा क्यों न हो! प्रश्नपत्र लीक करना ही अकेला अपराध नहीं है । इसके साथ ही मुन्ना भाइयों का भी धंधा जुड़ा होता है। ये मुन्ना भाई है स्कूल की परीक्षाओं से लेकर मेडिकल की परीक्षाओं और हर स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं कि लिए उपलब्ध होते हैं। इनका अपना गिरोह होता है। ये हर स्तर पर जालसाजी करने में सिद्धहस्त माने जाते हैं। आधुनिक तकनीक का सहारा लेते है। लेकिन इनकी मदद अंततोगत्वा सरकारी मशीनरी ही करती है। उत्तर प्रदेश में भी, मध्यप्रदेश में भी और बिहार में भी। यानि ये एक देशव्यापी समस्या है और इससे इसी तरह से निबटा जाना चाहिए। फिलहाल पेपर लिक कांड लोकसभा चुनाव कि हो-हल्ले में डूबने जा रहा है। इस मामले कि आरोपियों की धर-पकड़ भी बंद हो जाएगी और उनके खिलाफ मजबूत अभियोजन की तैयारी भी बंद कर दी जाएगी। लोकसभा चुनाव कि बाद देखते हैं की किसी को इसकी याद आती भी है या नहीं ?

एकाग्रचित्त होकर करें परीक्षा की तैयारी

- योगेश कुमार गोयल

छात्रों की 10वीं तथा 12वीं कक्षा की बोर्ड की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। यही वह समय होता है, जब छात्रों की सालभर की पढ़ाई का मूल्यांकन होना होता है, इसी परीक्षा की बदौलत उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए आधार मिलता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि एकाग्रचित्त होकर इन परीक्षाओं की तैयारी की जाए। कुछ छात्र परीक्षा की तैयारी के लिए अपना कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं कर पाते और लक्ष्य निर्धारित नहीं होने के कारण एकाग्रचित्त होकर परीक्षा की तैयारी नहीं कर पाते। ऐसे में परीक्षा को लेकर उनका चिंतित और तनावग्रस्त होना स्वाभाविक ही है किन्तु परीक्षा के दिनों में जरूरत से ज्यादा तनावग्रस्त रहना निश्चित रूप से हानिकारक साबित होता है। तनावग्रस्त रहने के कारण लाख कोशिशों के बाद भी पढ़ाई में उनका मन नहीं लग पाता। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि वे शुरू से ही पढ़ाई के प्रति रूचि बनाए रखें, अपना लक्ष्य निर्धारित करें ताकि ऐसी परिस्थितियां ही उत्पन्न न होने पाएं, जिनके कारण परीक्षा को हौव्वा मानकर उन्हें तनावग्रस्त रहना पड़े। कुछ छात्र वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी में रात-दिन इस कदर जुट जाते हैं कि उन्हें अपने खाने-पीने की भी सुध नहीं रहती। कुछ मामलों में तो स्थिति यह हो जाती है कि खानपान के मामले में निरंतर लापरवाही बरतने के कारण छात्रों का स्वास्थ्य गिरता जाता है, जिसका सीधा-सीधा प्रभाव उनकी स्मरण शक्ति पर पड़ता है और नतीजा, परीक्षा की भरपूर तैयारी के बावजूद उन्हें आशातीत सफलता नहीं मिल पाती। विशाल के साथ भी पिछले साल 12वीं की परीक्षा में यही हुआ। वह अपनी कक्षा का होनहार छात्र था और जी-जान से परीक्षा की तैयारी में जुटा था। पढ़ाई में वह इस कदर मग्न था कि उसे अपने खाने-पीने का भी ध्यान न रहता। परिणामस्वरूप उसका स्वास्थ्य गिरता गया और परीक्षा के दिनों में वह बीमार पड़ गया। बीमारी की हालत में ही उसे परीक्षा देनी पड़ी। जब वह परीक्षा देने बैठा, तब शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता की दशा में वह याद किए गए प्रश्नों के उत्तर भी भूल गया। इसका परिणाम यह रहा कि वह कामचलाऊ अंकों से ही परीक्षा उत्तीर्ण कर सका। कहने का तात्पर्य यही है कि परीक्षा के दिनों में खूब मन लगाकर पढ़ाई करना और कड़ी मेहनत करना तो जरूरी है ही लेकिन पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है क्योंकि यदि आपका शरीर ही स्वस्थ नहीं होगा तो आप परीक्षा की तैयारी बेहतर ढ़ंग से मन लगाकर कैसे कर पाएंगे? परीक्षा में सफलता-असफलता को लेकर भी बहुत से छात्र परीक्षाओं के शुरू होने से पहले ही तनावग्रस्त हो जाते हैं और उनके मन में परीक्षा नजदीक आते ही बेचैनी सी छा जाती है। दरअसल कुछ छात्र ऐसे होते हैं, जो पूरे साल का समय तो मौजमस्ती में ही गुजार देते हैं और जब परीक्षाएं नजदीक आती हैं तो परीक्षाओं को हौव्वा मानकर घबराने लगते हैं। समय सारिणी बनाकर नियमित अध्ययन न करना भी छात्रों के तनावग्रस्त होने का प्रमुख कारण होता है। वैसे प्रायः वही छात्र परीक्षाओं को हौव्वा मानते हैं, जो सालभर तो मौजमस्ती करते घूमते फिरते हैं और परीक्षाओं के ऐन मौके पर उन्हें किताबों की सुध आती है। तब उन्हें समझ ही नहीं आता कि परीक्षा की तैयारी कैसे और कहां से शुरू की जाए। इसी हड़बड़ी तथा तनाव के चलते अक्सर वे परीक्षा में पिछड़ जाते हैं। यदि किसी छात्र ने सालभर नियमित रूप से मन लगाकर पढ़ाई की है तो कोई कारण नहीं, जो परीक्षा से उसे किसी प्रकार का भय सताए।

विशेष

हालात याद कराएं

संयुक्त किसान मोर्चा ने ट्रैक्टर श्रृंखला मार्च निकालकर जहां विरोध प्रदर्शन किया वहीं किसान नेता राकेश टिकैत कहते हुए देखे गए कि यह विरोध करने का उनका अपना तरीका है। सरकारों को किसान की बात सुनकर, उनकी मांगों को पूरा करना चाहिए। यहां तक तो ठीक था, लेकिन जब वो कहते हैं कि सरकारों के दिमाग से किसान शब्द न निकले इसलिए इस तरह के प्रोग्राम करने पड़ते हैं। तो बात जमी नहीं बल्कि औरों को कहने का मौका दे गई है। इसके बाद सरकार समर्थित तो यही कह रहे हैं कि सिर्फ सरकार को किसान शब्द याद दिलाने के लिए यदि इस तरह के प्रोग्राम करने पड़ते हैं तो किसान के हालात सुधारने के लिए क्या कुछ करना चाहिए, क्योंकि आंदोलन तो बहुत हुए, लेकिन किसान मजदूर जहां था वहीं नजर आता है।

यात्रा में दिखा जरबदस्त जोश

तमाम कयासों और अफवाहों को धत्ता बताते हुए उत्तर प्रदेश में जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में समाजवादी पार्टी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव साथ आए तो दोनों ही पार्टियों के कार्यताओं का जोश सातवें आसमान पर था। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के समय घर-घर में लगाए गए भगवा झंडे अब सपा और कांग्रेस के झंडों के कारण कम ही नजर आ रहे थे। उत्तर प्रदेश में राहुल की यात्रा के अंतिम दिन सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के पहुँचने से सपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखा गया, जिसे कायम रख पाना हर हाल में जरुरी है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1568: अकबर ने चित्तोड़गढ़ पर कब्जा किया. 1594: ब्रिटेन के शाही चिकित्सक रोजर लोपर को एलिजाबेथ के खिलाफ साजिश में शामिल होने के लिए गिरफ्तार किया गया. 1712 :बहादुरशाह प्रथम की मौत लाहौर हुई. 1868: बेंजमिन डिजराइली ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने. 1876: स्पेन का कालिंस्ट युद्ध समाप्त हुआ. 1877: तुर्की और सर्बिया के बीच शांति संधि हुई. 1911: आस्ट्रेलिया ने एकाधिकार कंपनियों के राष्ट्रीयकरण की घोषणा की. 1928: सी.वी.रामन ने रमन प्रभाव की खोज की. 1941: हावड़ा ब्रिज यातायात के लिए खोला गया. 1948: ब्रिटिश सैनिकों की आखिरी डुकड़ी भारत से वापस गई. 1963: भारत के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद का निधन. 1986: स्वीडन के प्रधानमंत्री ओलेफ पार्ल्म की हत्या कर दी गई. 1987: फिलीपींस की राष्ट्रपति कोराजोन एक्विनो ने कम्युनिस्ट विद्रोहियों के लिए माफी की घोषणा की. 1990: सोवियत संसद के कोमगों को जमीन खरीदने का अधिकार देने वाला विधेयक मंजूर किया.

शेवट्रेन, जिसका शरीर हिरन और मुंह चूहा जैसा

शेवट्रेन ऐसा जीव है, जिसका शरीर हिरन की तरह और मुंह चूहा जैसा होता है। अलग-अलग देशों के लोग इसे अलग-अलग नामों से बुलाते हैं। यह दक्षिण भारत के अलावा एशिया और अफ्रीका के विभिन्न जंगलों में पाया जाता है। इसे आर्द्र जलवायु ज्यादा भाती है। यही कारण है कि यह वर्षावनों में ज्यादा पाया जाता है। शेवट्रेन या पिसूरी चूहे की शक्ल का जीव है, पर इसका शरीर हिरन जैसा होता है। इसलिए लोग इसे माउस डियर कहते हैं।

एशिया में पाए जाने वाले माउस डियर अफ्रीकी माउस डियर से हल्के और छोटे होते हैं। एशियाई माउस डियर आठ किलोग्राम तक के होते हैं। वहीं, इसकी अफ्रीकी प्रजाति का वजन 16 किलोग्राम तक होता है। यह पूरी तरह शाकाहारी होता है और पौधों के मुलायम पत्ते व पेड़ से गिरे फलों को खाता है। इसके शरीर के निचले हिस्से पर हिरन के जैसी ही धारियां भी बनी होती हैं। इसके कान छोटे-छोटे होते है। यह बहुत ही डरपोक होता है, पर विरोधी कमजोर हो, तो हमला भी कर देता है। शेवट्रेन नाम फ्रेंच से लिया गया है, जिसका मतलब 'छोटी बकरी' होता है। तेलुगु में इसे जारिनी पंडी, मलयालम में खूरान और कोंकणी में इसे बरिंका कहा जाता है। एक अनुमान के अनुसार इस जीव की खोज नव पाषाण काल में हुई। इसके पेट की संरचना बाकी जीवों से थोड़ी अलग होती है। इसके पाचन प्रक्रिया के लिए चार अलग-अलग चेंबर होते हैं। भोजन बारी-बारी से हर चेंबर से होकर गुजरता है, जहां पौष्टिक तत्वों का अवशोषण होता है। मादा एक बार में एक ही बच्चा देती है. इस कारण इनकी संख्या बहुत ही कम है। इनके पैर पतले होते हैं और खुर गाय जैसे, पर काफी छोटे होते हैं। इन्हें सींग नहीं होता, पर नर का जबड़ा काफी मजबूत होता है और जरूरत पड़ने पर इससे वह दुश्मनों पर हमला भी करता है। ये समूह में रहने के बजाय जोड़ी में रहना पसंद करते हैं। ये बच्चों का देखभाल 2-3 माह तक ही करते हैं। 10 माह में इनके बच्चे वयस्क की भूमिका निभाने और प्रजनन के लिए तैयार हो जाते हैं।

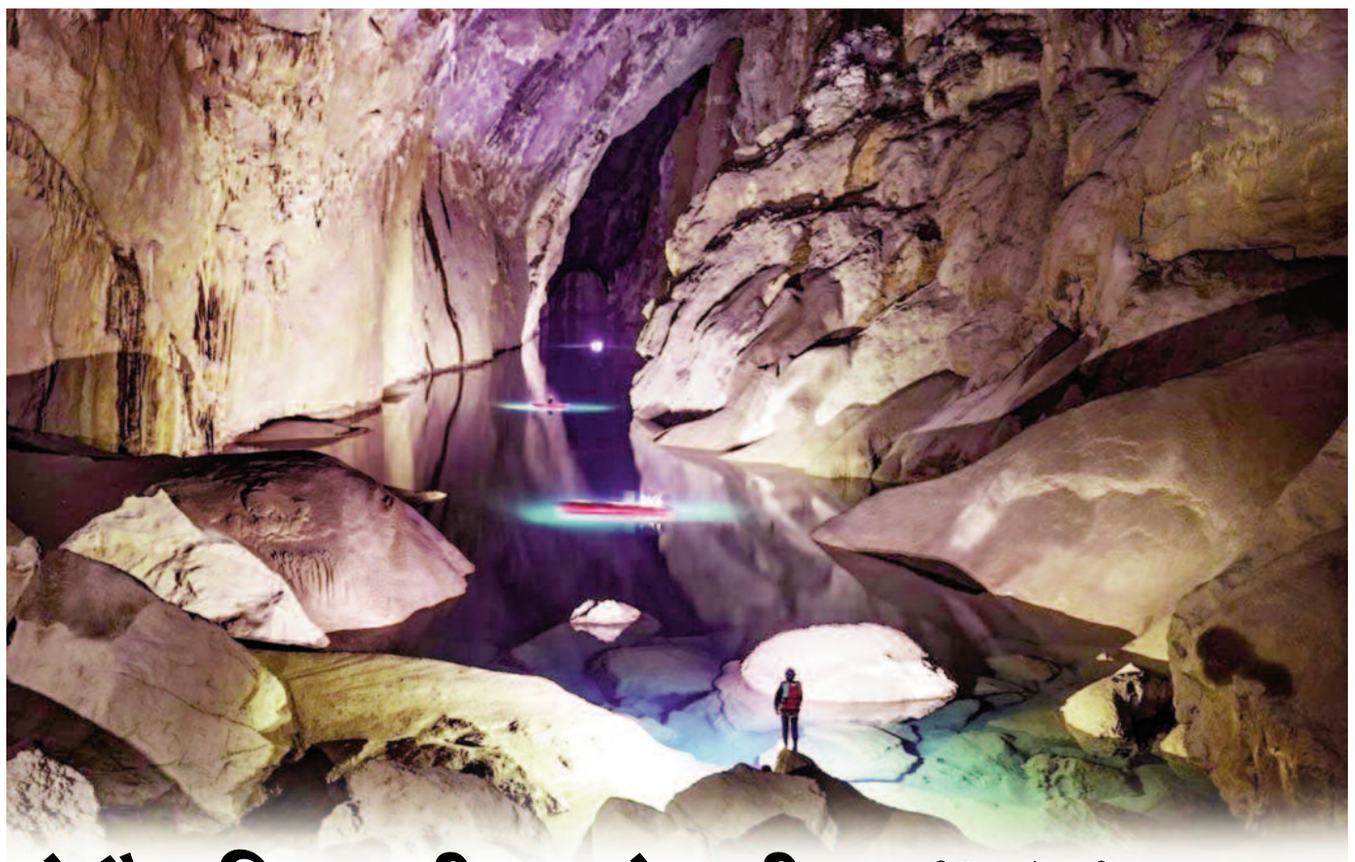

ये है दुनिया की सबसे बड़ी गुफा, यहां खड़ी की जा सकती है 30 मंजिला इमारत

इस दुनिया में कई ऐसी जगह मौजूद है जिनकी खासियत और रहस्य हर किसी को हैरान कर देते हैं। कभी किसी धार्मिक जगह के चमत्कार के बारे में जानकारी सामने आती है, तो कभी कोई रहस्य से भरी हुई जगह चर्चा में होती है।

आपने दुनिया भर में मौजूद अनगिनत गुफाओं के बारे में सुना होगा। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी गुफा के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दुनिया में सबसे बड़ी है और इसका साइज इतना ज्यादा है कि यहां 30 मंजिल से ज्यादा ऊंची इमारत बनाई जा सकती है। जाहिर सी बात है इतनी बड़ी गुफा के बारे में सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा लेकिन यह सच में मौजूद है। इस बड़ी सी गुफा में कहीं सारी गहरी खाई और नदियां बहती है। इसका आकार देख कर कोई भी अचंभे में पड़ सकता है। चलिए जानते हैं ये कहा हैं और कैसी है।

इतनी गहराई में है गुफा

रोमांस से भरी हुई है गुफाएं वियतनाम में मौजूद है और पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र है। यहां के क्वांग बिन्ह में डेढ़ सौ से ज्यादा गुफा है जो जमीन के 104 किलोमीटर नीचे किसी गहरी भूल भुलैया की तरह बनी हुई है। यहां पर कई तरह के जानवर वनस्पति और औषधीय पाई जाती हैं और यहां का इतिहास लाखों साल पुराना है। यहां पहुंचे पर्यटकों को असीम प्राकृतिक सुंदरता के साथ अद्वितीय प्राचीनता का दीदार करने के लिए मिलता है।

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा सोन डोंग भी यहीं पर मौजूद है। 200 मीटर ऊंची इस गुफा की लंबाई 5 किलोमीटर है और इस विशाल जगह पर 30 मंजिला से ऊंची इमारत बन सकती है। 1991 में स्थानीय लकड़हारे ने इसकी खोज की थी और 2009 में इसे वैज्ञानिक मान्यता मिली। 2013 से सैलानियों के लिए खोल दिया गया।

सीमित है पर्यटक संख्या

इस गुफा में कई घने जंगल और अनोखी नदियां मौजूद है और यहां जाना खतरे से कम नहीं है। यही वजह है कि यहां पर हर साल सिर्फ 1000 सैलानियों को ही जाने की अनुमति दी जाती है जिसके लिए उन्हें मोटी रकम चुकानी पड़ती है।

40 प्रतिशत हिस्सा ही प्रकाश में

ये गुफाएं बहुत ही अद्भुत और अंशु ही है और यहां गाइड के सहारे जंगल से होते हुए गुजारना पड़ता है। अब तक सिर्फ 40% क्षेत्र तक ही विज्ञान पहुंच चुका है इसलिए यह रहस्यमय जगह में शामिल है। अभी भी इसकी खोज बाकी है, इसलिए ये खास आकर्षण का केंद्र है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इसे उड़ने वाली लोमड़ी के आवास के रूप में पहचाना जाता है।

पैंथर आकार का है दुनिया का सबसे महंगा ब्रेसलेट

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज मिलती है, जिनकी कीमत सस्ती से लेकर महंगी होती है। हर व्यक्ति अपने बजट के अनुसार इन चीजों को खरीदता है। आम आदमी जहां मध्यम बजट की चीजों की खरीदारी करना पसंद करता है, तो वही अमीर व्यक्ति अपने रुतबे के मुताबिक उपयोग करने के लिए चीजें खरीदता है। वैसे कहा जाता है कि अगर आपके पास पैसा हो तो आप दुनिया की हर चीज खरीद सकते हैं, जिस पर आपका दिल आ जाए या आपको पसंद आ जाए। यही कारण है कि पैसे वालों की सारी इच्छाएं जल्दी पूरी हो जाती है। हालांकि, दुनिया में कुछ ऐसी चीज भी मौजूद है जिन्हें खरीदने के लिए अमीर से अमीर व्यक्ति को भी एक बार तो सोचना ही पड़ता है। आज हम आपको एक ऐसी ही चीज के बारे में बताने जा रहे हैं जिसकी कीमत इतनी ज्यादा है कि इतने पैसों में आधा दर्जन प्राइवेट जेट खरीदे जा सकते हैं। यह चीज कुछ और नहीं बल्कि एक ब्रेसलेट है, जो देखने में बहुत ही शानदार है।

कितनी है कीमत

दुनिया का सबसे महंगा ब्रेसलेट डायमंड पैंथर है, जिसकी कीमत 12.4 मिलियन डॉलर से ज्यादा बताई जाती है। 1952 में इस ब्रेसलेट को कार्टियर पेरिस ने तैयार किया था। यह देखने में इतना शानदार लगता है कि किसी की भी आंखें फटी रह जाएगी।

तेंदुए का आकार

यह ब्रेसलेट तेंदुए के आकार का बना हुआ है यानी कि इस पर तेंदुए का मुंह बना है, जिसकी आंखें हरे रंग की दिखाई पड़ती है।

वहीं पूरे ब्रेसलेट पर डायमंड को कुछ इस तरह से लगाया गया है जैसे तेंदुए के शरीर पर धारियां होती है। दो तेंदुए इसमें एक दूसरे की ओर देखते हुए दिखाई पड़ते हैं। इस ब्रेसलेट में पैंथर के कान हीरे के, आंखें पन्ना की और दांत प्लेटिनम से तैयार किए गए हैं। इस शानदार डिजाइन को देखकर किसी का भी मन इस 195 मिलीमीटर लंबे ब्रेसलेट को खरीदने के लिए ललचा सकता है।

सबसे पहले किसने खरीदा

1952 में जब इसे तैयार किया गया था, तो सबसे पहले वालिस सिंपसन ने इसे खरीदा था। कुछ समय तक यह उनके पास रहा जिसके बाद इसे मैडोना ने खरीद लिया।

अनोखी है ये म्यूजिकल रोड, यहां गाड़ियां गुजरने पर बजती है सुरीली धुन

दुनिया भर में आवागमन के लिए रोड का जाल बिछा हुआ है। इन रास्तों के जरिए हर व्यक्ति अपनी मंजिल तक का सफर तय करता है। किसी शानदार सी सड़क पर आसपास के बेहतरीन नजरों को निहारते हुए चलने का जो आनंद आता है वह कहीं और नहीं मिल सकता। फर्राटेदार दौड़ती हुई गाड़ी और प्राकृतिक खूबसूरती किसी का भी दिल जीत सकती है। इस शानदार सफर के बीच आपको अगर कोई यह कहे कि ऐसी भी सड़क है जो गुनगुनाती है, तो जाहिर सी बात है कोई भी हैरान हो जाएगा। हर व्यक्ति यही कहेगा कि भला ऐसी कौन सी सड़क होगी जो गुनगुनाती है। लेकिन यह कोई सोची गई बात नहीं है बल्कि दुनिया में ऐसी जगह है, जहां पर जब सड़कों पर गाड़ी दौड़ती है, तो म्यूजिक बजता है। आज हम आपको इसी की जानकारी देते हैं।

यहां है गुनगुनाने वाली सड़क

म्यूजिकल सड़क वाकई में मौजूद है तो यह कहां है यह सवाल हर किसी के मन में आएगा। हम आपको बता दें कि म्यूजिक बजाने वाली ये सड़क हंगरी में हैं। जब इस रोड पर से गाड़ी गुजरती है तो अपने आप ही म्यूजिक बजने लगता है। इस शहर में जब कोई गाड़ी स्पीड ब्रेकर से होकर गुजरती है तो गति को नियंत्रित करने के साथ इसमें से शानदार म्यूजिक भी निकलता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। अधिकतर जगह यहां पर स्पीड को नियंत्रित करने के लिए ब्रेकर लगाए गए हैं जिन पर जैसे ही टायर गुजरता है धुन सुनाई देती है।

80 किलोमीटर रखना होती है स्पीड

इस शानदार म्यूजिकल सड़क पर संगीत की धुन सुनाई देने के पीछे स्पीड काफी महत्व रखती है। इस रोड पर चलने की गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा है। लेकिन यदि कार चालक इससे ज्यादा या कम स्पीड से निकलता है तो यह धुन टूट जाती है। हंगरी के सोमोगी काउंटी में 2 साल पहले इन सड़कों का निर्माण हुआ था, जिनपर चलने के लिए आदर्श गति जरूरी है। कई जगह है संगीतमय सड़कें आपको बता दें कि दुनिया में सिर्फ यही नहीं बल्कि कई जगह इस तरह की संगीतमय सड़कें पाई जाती है। सबसे पहले संगीतमय सड़क का निर्माण डेनमार्क में किया गया था। उभरे हुए फुटपाथ मार्क की सीरीज तैयार की गई थी। फ्रांस में साल 2000 में 28-नोट की धुन वाली सड़क बनी थी। इसके अलावा कई जगह इस तरह की सड़कें हैं।

गजब की इंजीनियरिंग

आमतौर पर सभी शहरों में सड़कों पर सफेद पट्टी दिखाई देती है। लेकिन इन म्यूजिकल सड़कों की पट्टी पियानो या फिर हारमोनियम की तरह दिखती है, जो गाड़ियों के चढ़ते ही बेहतरीन धुन पैदा करती है। दरअसल इन सड़कों पर कुछ उभरे हुए बटन लगाए गए हैं जिनके दबने से यह आवाज पैदा होती है, जो सुरीले संगीत की तरह सुनाई देती है।

भारतीय भू-वैज्ञानिकों ने भारत में अनेक गर्म पानी के कुंडों की पहचान की है। इनमें से कुछ कुंड अपनी बीमारी ठीक करने की विशेषता या अन्य कुछ कारणों से ज्यादा प्रसिद्ध हैं। दरअसल माना जाता है कि गर्म पानी के कुंडों में कई तरह के खनिज तत्व उपस्थित होते हैं। यही कारण है कि इन कुंडों में स्नान करने से कई तरह के रोग व बीमारियां ठीक हो जाती हैं। गर्म पानी के सबसे प्रसिद्ध कुंड....

राजगीर के जल कुंड

पटना के समीप राजगीर को भारत के सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। यह कभी मगध साम्राज्य की राजधानी हुआ करती थी। राजगीर न सिर्फ एक प्रसिद्ध धार्मिक तीर्थस्थल है बल्कि एक खूबसूरत हेल्थ रेसॉर्ट के रूप में भी लोकप्रिय है। देव नगरी राजगीर सभी धर्मो की संगमस्थली है। कथाओं के अनुसार भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र राजा बसु ने राजगीर के ब्रह्मकुंड परिसर में एक यज्ञ का आयोजन कराया था। इसी दौरान आए सभी देवी-देवताओं को एक ही कुंड में स्नान करने में परेशानी होने लगी। तभी ब्रह्मा ने यहां 22 कुंड और 52 जलधाराओं का निर्माण कराया था। वैभारगिरी पर्वत की सीढियों पर मंदिरों के बीच गर्म जल के कई झरने हैं, जहां सप्तकर्णी गुफाओं से जल आता है। ऐसी संभावना जताई जाती है कि इसी पर्वत पर स्थित भेलवाडोव तालाब है, जिससे ही जल पर्वत से होते हुए यहां पहुंचता है। इस पर्वत में कई तरह के केमिकल्स जैसे सोडियम, गंधक, सल्फर हैं। इसकी वजह से जल गर्म और रोग को मिटाने वाला होता है। यहां पर आप 22 कुंडों में स्नान कर सकते हैं। इन कुंडों के नाम अलग-अलग हैं। ब्रह्मकुंड सबसे महत्वपूर्ण हैं। इसका तापमान 45 डिग्री सेल्सियस होता है। इसे पाताल गंगा भी कहा जाता है। सभी झरनों में स्नान करने के बाद इस कुंड में भी लोग स्नान करते हैं। जो सप्तधाराएं बहती हैं, उसके नाम भी ऋषि-मुनियों के नाम पर रखे गए हैं। 22 कुंडों में ब्रह्मकुंड के अलावा मार्कंडेय कुंड, व्यास कुंड, अनंत ऋषि कुंड, गंगा-यमुना कुंड, साक्षी धारा कुंड, सूर्य कुंड, गौरी कुंड, चंद्रमा कुंड, राम-लक्ष्मण कुंड। राम-लक्ष्मण कुंड में एक धारा से ठंडा और दूसरे से गर्म पानी निकलता है।

अत्रि जल कुंड ओडिशा

ओडिशा का अत्रि उसके सल्फर युक्त गर्म पानी के कुंडों के लिए प्रसिद्ध है। यह जलकुंड भुबनेश्वर से 42 कि.मी. दूर स्थित है। इस कुंड के पानी का तापमान 55 डिग्री है। कुंड में स्नान करने से बहुत ताजगी महसूस होती है व थकान दूर हो जाती है।

बकरेश्वर जल कुंड पश्चिम बंगाल

यह पश्चिम बंगाल का एक प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है। इसकी पश्चिम बंगाल के भ्रमण स्थलों में एक अलग पहचान है, क्योंकि यहां गर्म पानी के कुंड स्थित है। यहां देश के कोने-कोने से लोग पवित्र कुंडों में स्नान के लिए आते हैं।

इन कुंडों में स्नान से कई रोग दूर हो जाते हैं।

यूमेसमडोंग सिक्किम

यूमेसमडोंग सिक्किम के सबसे प्रसिद्ध स्थानों में से एक है। उत्तर-पूर्वी राज्य में स्थित ये कुंड 15500 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यूमेसमडोंग में 14 सल्फर के जल से युक्त कुंड हैं।

संक्षिप्त समाचार

पहले ही दिन मालामाल करेगा पूर्व फ्लेक्सीपैक का आईपीओ

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए आज से एक और मौका आ रहा है। निवेशक इस इश्यू में 27 फरवरी से दांव लगा सकते हैं और 29 फरवरी को बंद होगा। कंपनी का टारगेट एसएमई आईपीओ के जरिए से 40.21 करोड़ रुपये जुटाना और एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर शेयरों को लिस्ट करना है।

क्या है डिटेल – कंपनी के प्रमोटर राजीव गोयनका, पूनम गोयनका और मेसर्स पूर्व लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड हैं। कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, कंपनी की सूचीबद्ध सहकर्मी साह पॉलिमर लिमिटेड (54.95 के पी/ई के साथ) है। 31 मार्च, 2022 और 31 मार्च, 2023 के बीच, पूर्व फ्लेक्सीपैक लिमिटेड का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 31.82 प्रतिशत बढ़ गया और इसका रेवेन्यू 48.66 प्रतिशत बढ़ गया। कीमत 40.21 करोड़ है। यह पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू है और इसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव शामिल नहीं है। पूर्व फ्लेक्सीपैक आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर होलानी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड हैं और रजिस्ट्रार लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड हैं। होलानी कंसल्टेंट्स पूर्व फ्लेक्सीपैक आईपीओ के लिए बाजार निर्माता हैं। मार्केट एक्सपर्ट के मुताबिक, पूर्व फ्लेक्सीपैक आईपीओ ग्रे मार्केट में 125 रुपये प्रीमियम पर उपलब्ध है। इसकी संभावित लिस्टिंग 196 रुपये है। यानी पहले ही दिन निवेशकों को 176.06 प्रतिशत का रिटर्न मिल सकता है। शेयरों के आवंटन के पूर्व फ्लेक्सीपैक आईपीओ आधार को शुक्रवार, 1 मार्च को फाइनल रूप दिया जाएगा और कंपनी सोमवार, 4 मार्च को रिफंड शुरू करेगी। शेयरों को रिफंड के बाद उसी दिन आवंटियों के डीमैट खाते में जमा किया जाएगा। पूर्व फ्लेक्सीपैक शेयर की कीमत मंगलवार, 5 मार्च को एनएसई एसएमई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है।

एलन मस्क ने अपनी समस्या के लिए सत्या नडेला को किया मैसेज

नईदिल्ली, एजेंसी। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने अपने लिए एक नया विंडोज लैपटॉप पीसी खरीदा। इसमें ऐसी दिक्कत आई कि उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला को डायरेक्ट मैसेज कर अपनी परेशानियों के बारे में बताया। इस बात का पता तब चला, जब मस्क ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट लिखा। इसमें कई यूजर उनकी प्रॉब्लम को सॉल्व करने के लिए सुझाव दे रहे थे। एक ने

कमेंट कर कहा कि टेक्निकल सपोर्ट के लिए सत्या नडेला का कॉल किजिए। मस्क ने रिप्लाई में लिखा कि वो उनको टेक्स कर चुके हैं।

मस्क ने पर्सनल कंप्यूटर और लैपटॉप में बेसिक फंक्शनैलिटी के लिए भी माइक्रोसॉफ्ट अकाउंट बनाने के जरूरत की आलोचना की है। दुनिया के सबसे रईस अरबपति ने इसे प्राइवेसी के लिए चिंताजनक और गड़बड़ बताया है। मस्क ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखें पोस्ट में कहा है, मैंने एक नया पीसी लैपटॉप खरीदा है और यह माइक्रोसॉफ्ट अकाउंट बनाए बिना यूज करने के लिए परमिशन नहीं दे रहा है। इसका मतलब है कि मैं अपने कंप्यूटर में उसके ढ्ढ को एक्सेस दे दूं। मस्क ने कहा कि पहले साइन इन को स्किप करने या माइक्रोसॉफ्ट अकाउंट बनाने का ऑप्शन मिलता था।

विजय शेखर शर्मा के इस्तीफे के बाद पेटीएम के शेयर गिरे

नईदिल्ली, एजेंसी। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा के सहयोगी पेटीएम पेमेंट्स बैंक के बोर्ड से इस्तीफा देने के बाद मंगलवार को इसका असर पेटीएम के शेयरों पर देखने को मिल रहा है। आज पेटीएम के शेयर 3 प्रतिशत से अधिक गिरावट के साथ खुले, लेकिन खुलने के कुछ ही मिनटों के भीतर 5 प्रतिशत उछल गए। सुबह पौने 11 बजे के करीब यह दो फीसद ऊपर 436.70 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

पिछले छह महीने में पेटीएम के शेयर 50 फीसद से अधिक टूट चुका है। इस साल अब तक 31 फीसद और एक महीने में 41 फीसद से अधिक लुढ़का है। हालांकि पिछले 5 दिनों में इसमें करीब 12 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इसका 52 हफ्ते का हाई 998.30 और लो 318.05 रुपये है।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने कहा कि उसने पेटीएम पेमेंट्स बैंक बोर्ड से अपना नामांकन वापस ले लिया है और विजय शेखर शर्मा ने बोर्ड के रिस्ट्रक्चरिंग को सक्षम करने के लिए पार्ट टाइम नॉन-एग्जूटिव चेयरमैन और बोर्ड सदस्य के रूप में इस्तीफा दे दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का अनुपालन नहीं करने के लिए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लि. (पीपीबीएल) को 15 मार्च के बाद ग्राहकों से कोई भी नई जमा राशि या टॉप अप स्वीकार करने से रोक दिया है।

अंडरपरफॉर्म रेटिंग बरकरार

उम्मीद नहीं है कि आरबीआई किसी भी यहां पेटीएम और पेटीएम पेमेंट्स बैंक के बीच पार्टी ट्रांजैक्शन से संबंधित को अधिकृत करेगा। ब्रोक्रेज फर्म मैक्वेरी ने कहा, अगर पेटीएम पेमेंट्स बैंक को ऑपरेट करने की अनुमति दी जाती है, तो यह पेटीएम के लिए प्रॉफिटेबिलिटी में ग्रोथ देगा। फर्म ने 275 प्रति शेयर के टार्गेट प्राइस के साथ पेटीएम पर अंडरपरफॉर्म रेटिंग बनाए रखी है।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड यानी पीपीबीएल के नवगठित बोर्ड में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष श्रीनिवासन श्रीधर, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी देबेंद्रनाथ सारंगी, बैंक ऑफ बड़ौदा के पूर्व कार्यकारी निदेशक अशोक कुमार गर्ग और रिटायर्ड आईएएस रजनी सेखरी सिब्बल शामिल हैं। इसके अलावा बोर्ड में पंजाब एंड सिंध बैंक के पूर्व कार्यकारी निदेशक अरविंद कुमार जैन स्वतंत्र निदेशक और पेटीएम पेमेंट्स बैंक के एमडी और सीईओ सुरिंदर चावला हैं। ये सभी हाल ही में स्वतंत्र निदेशक के रूप में शामिल हुए हैं।

इस बीच रिपोर्ट में कहा गया है कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया पेटीएम यूपीआई ऐप के संचालन के लिए वन 97 कम्युनिकेशन द्वारा यूपीआई चैनल के लिए थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर बनने के अनुरोध की जांच कर रहा है। यदि मंजूरी मिल जाती है तो यह पेटीएम को यूपीआई के माध्यम से पेमेंट जारी रखने की अनुमति देगा, लेकिन ऐप को सपोर्ट देने के लिए नए बैंकों के एक समूह की आवश्यकता होगी।

यूपीए से यूपीआई की यात्रा के दौरान देश में बहुत कुछ बदला, फिक्की के कार्यक्रम में बोले अनुराग ठाकुर

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को दावा किया कि सरकार की पहल और उद्योग जगत समेत सभी वर्गों के योगदान से भारत 2047 से पहले ही एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की ओर से आयोजित विकसित भारतञ्च2047 सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की साहसिक नीतियों और लिए गए फैसलों की वजह से भारत दुनिया की पांच सबसे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं से शीर्ष पांच में शामिल होने की ओर बढ़ गया है।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि चुनावों में मिले स्पष्ट जनादेश के कारण प्रधानमंत्री को कड़े फैसले लेने की शक्ति मिली। उन्होंने कहा, यदि आप 2014 पर गौर करें तो हम दुनिया की कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थे। भ्रष्टाचार के मामले थे। बहुत सारे लोग कई तरह की समस्याओं का सामना कर रहे थे। डिलीवरी एक बड़ी चुनौती थी। एक खोए हुए दशक से टेकडे तक, यूपीए के समय से यूपीआई के समय तक की यह यात्रा कैसी रही है, यह पूछा जाए तो मुझे लगता है कि चीजें बदल गई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोगों से किए गए अपने आश्वासनों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित किया और इससे सुनिश्चित हुआ कि लाभार्थियों को उनका उचित हक मिले। ठाकुर ने कहा कि चीजें अच्छी हुई हैं और पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग, हवाई अड्डे, एम्स, आईआईएम, आईआईटी, मेडिकल कॉलेज, मेट्रो रेल और ग्रामीण सड़कों का रिकॉर्ड निर्माण हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जो हमने 10 साल में दिया है, दूसरे 60 साल में नहीं दे सके। यह एक बड़ा अंतर है, इस तरह हम कमजोर पांच से शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में आ गए हैं। ठाकुर ने करदाताओं को कर्मठता से कर का भुगतान करने के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि प्रधानमंत्री ने धन का पूरी तरह से उपयोग किया है और यह सुनिश्चित किया है कि समाज के हर वर्ग को उनकी सरकार की नीतियों का लाभ मिले।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री टीम वर्क और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के सिद्धांत में विश्वास रखते हैं। ठाकुर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और पार्टी नेता अगले 100 दिनों में चुनावी मैदान में उतरेंगे ताकि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाया जा सके। उन्होंने उद्योग से अपनी इच्छा सूची सरकार के साथ साझा करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह भविष्य के लिए नीतियां तैयार करने में मददगार साबित होगा।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को एसजेवीएन से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नईदिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। जेएसडब्ल्यू ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस परियोजना को इसकी अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड (जेएसडब्ल्यू नियो) द्वारा 1,500 मेगावाट (अंतरराज्यीय पारेषण तंत्र) आईएसटीएस-संबद्ध सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए आमंत्रित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में हासिल किया गया है।

कंपनी ने कहा कि एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट क्षमता के अधिकार पत्र (एलओए) के बाद, कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 11.0 गीगावाट (जीडब्ल्यू) हो गई, जिसमें 1.4 गीगावाट सौर क्षमता है। परियोजना को बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की प्रभावी तिथि से 24 महीने के भीतर पूर्ण अनुबंधित क्षमता की बिजली की आपूर्ति करनी होगी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि इसकी कुल उत्पादन क्षमता 11.0 गीगावाट है, जिसमें परिचालन में 7.2 गीगावाट, पवन, तापीय और पनबिजली में निर्माणाधीन 2.6 गीगावाट और एसईसीआई (किस्त - 16) और एसजेवीएन से 1.2 गीगावाट क्षमता के लिए एलओएएस शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनी के पास बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हाइड्रो-पंप भंडारण परियोजना के माध्यम से 3.4 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण क्षमता है। कंपनी को 2024 के अंत तक 9.8 गीगावाट परिचालन उत्पादन क्षमता होने की उम्मीद है। कंपनी की वर्तमान परिचालन क्षमता 7.2 गीगावाट है।

पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी सुधार कार्य जारी रहेंगे, वित्त मंत्री सीतारमण ने किया आश्वस्त

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भारतीय उद्योग जगत से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के साथ खुद को तैयार करने का आह्वान किया। फिक्की की ओर से आयोजित विकसित भारत 2047 विकसित भारत व उद्योग सत्र को संबोधित करते हुए मंत्री ने उद्योग जगत को आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी सुधार जारी रहेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फिक्की के कार्यक्रम में कहा कि कोई भी देश डिजिटल इंफ्रा के बिना विकास का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि हम डेवलपमेंट गोल के साथ आगे बढ़ेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ढ्ढ के क्षेत्र में इनोवेशन और निवेश को बढ़ावा देगी। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार स्पेस सेक्टर में भी निवेश को बढ़ावा देगी। अप्रैल-मई में होने वाले आम चुनावों के बाद नई सरकार का गठन होगा और भाजपा को विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेंगे।

सीतारमण ने कहा कि भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। मंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान सरकार की ओर से कई सुधार किए गए हैं और यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अगली मोदी सरकार द्वारा किए जाने वाले सुधारों में उत्पादन के कारकों पर ध्यान दिया जाएगा।

यात्री वाहन क्षेत्र की वृद्धि अगले वित्त वर्ष में 5-7 प्रतिशत रहेगी: क्रिसिल

मुंबई एजेंसी। यात्री वाहन (पीवी) क्षेत्र में अगले वित्त वर्ष में पांच से सात प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड की अगुवाई में यात्री वाहन क्षेत्र लगातार तीसरी बार नया शिखर छूएगा। एजेंसी ने कहा कि इसे चालू वित्त वर्ष में कारों और निर्यात की मांग सुस्त बनी रहने के बावजूद छह से आठ प्रतिशत की अनुमानित दर से बढ़त मिल सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उपभोक्ता प्राथमिकता में एक महत्वपूर्ण बदलाव ने एसयूवी की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे इस वित्त वर्ष में इसकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी होकर कुल घरेलू मात्रा का लगभग 60 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 2018-19 में कोविड-19 महामारी से पहले एसयूवी खंड की घरेलू बाजार हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत थी। एजेंसी ने कहा कि पिछले तीन-चार साल में वाहनों की लागत में वृद्धि हुई है क्योंकि विनिर्माता प्रीमियम वाहनों की कीमतें बढ़ा रहे हैं और उन्हें सुरक्षा और उत्सर्जन पर अधिक कड़े नियमों का पालन करना पड़ रहा है। निर्यात के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है।

यात्री वाहन निर्यात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में चालू वित्त वर्ष में धीमी होकर 14 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यह मुख्य रूप से पिछले दो वर्षों में प्रतिकूल मुद्रास्फीति और प्रमुख निर्यात बाजारों लातिनी अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में विदेशी मुद्रा की सीमित उपलब्धता के कारण है। अगले वित्त वर्ष में भी यही रुझान रहने की संभावना है।

1 साल में पैसा डबल, कंपनी को रेलवे ने दिया 396 करोड़ रुपये का काम

नईदिल्ली, एजेंसी। पॉवर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार सुबह 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस उछाल के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 5398 रुपये इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। पॉवर मेक के शेयरों में आई तेजी के पीछे की वजह रेलवे से मिला काम है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें 396.25 करोड़ रुपये का काम इंडियन रेलवे की तरफ से मिला है।

कंपनी को यह काम साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे की तरफ से मिला है। कंपनी को छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक रेलवे लाइन के लिए जरूरी कंस्ट्रक्शन करना है। कंपनी को यह ऑर्डर 30 महीनों में पूरा करना होगा।

पिछले एक महीने के दौरान इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 159 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। यानी पोजीशनल निवेशकों का पैसा इस दौरान दोगुना से अधिक हो गया है। हालांकि, पिछले 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों में पहले की तरह तेजी देखने को नहीं मिली।

बीता 6 महीना कैसा रहा निवेशकों के लिए – इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में महज 33 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक महीने से स्टॉक को होल्ड करने वाले इंवेस्टर्स को अबतक 4 प्रतिशत का फायदा हुआ है। कंपनी का 52 वीक हाई 5544 रुपये का है। वहीं, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 2006.25 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 8320.22 करोड़ रुपये का है।

2022-23 में देश की गरीबी दर घटकर 4.5-5 प्रतिशत पर पहुंची, एसबीआई रिसर्च में दावा

नईदिल्ली, एजेंसी। एसबीआई के अनुसंधानकर्ताओं ने मंगलवार को बताया कि 2022-23 में भारत की गरीबी दर घटकर 4.5-5 प्रतिशत हो गई। नए घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण गरीबी 2011-12 की 25.7 प्रतिशत से घटकर 7.2 प्रतिशत हो गई और शहरी गरीबी एक दशक पहले की अवधि से घटकर 4.6 प्रतिशत हो गई।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आवश्यक नई गरीबी रेखा या उपभोग का मूल स्तर 1,622 रुपये और शहरी क्षेत्रों के लिए 1,929 रुपये था।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार, ग्रामीण गरीबी में 2018-19 के बाद से 440 आधार अंकों की गिरावट आई है और शहरी गरीबी में महामारी के बाद 170 आधार अंकों की गिरावट आई है। यह इंगित करता है कि पिरामिड के निचले पायदान पर मौजूद लोगों के लिए वर्तमान में कई सरकारी कार्यक्रमों का ग्रामीण आजीविका पर महत्वपूर्ण लाभकारी प्रभाव पड़ रहा है।

विश्व बैंक के एक पेपर के अनुसार, भारत की गरीबी दर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 11.6 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों के लिए 6.3 प्रतिशत तक गिर गई है।

79 रुपये का शेयर पहले ही दिन 110 रुपये पर पहुंचा, तगड़े फायदे के बाद लुढ़क गए शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी जेनिथ ड्रग्स की शेयर बाजार में अच्छी शुरुआत हुई है। जेनिथ ड्रग्स के शेयर 39 पर्सेंट के फायदे के साथ 110 रुपये पर बाजार में लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में जेनिथ ड्रग्स के शेयर 79 रुपये पर निवेशकों को अलॉट हुए थे। जेनिथ ड्रग्स का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 19 फरवरी 2024 को खुला था और यह 22 फरवरी तक ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 40.68 करोड़ रुपये का है।

तगड़ी लिस्टिंग के बाद लुढ़के कंपनी के शेयर– बाजार में जबरदस्त लिस्टिंग के बाद जेनिथ ड्रग्स के शेयर लुढ़क गए हैं। जेनिथ ड्रग्स के शेयर 5 पर्सेंट की गिरावट के साथ 104.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने दिन के कारोबार के दौरान 114.50 रुपये के हाई लेवल को भी छुआ है। जेनिथ ड्रग्स के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 1 लॉट के लिए बोली लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1600 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 126400 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के स्वच्छ प्लेटफॉर्म

पर लिस्ट हुए हैं।

179 गुना सब्सक्राइब हुआ कंपनी का आईपीओ– जेनिथ ड्रग्स का आईपीओ टोटल 179.18 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 139.28 गुना दांव लगा है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स का कोटा 368.77 गुना सब्सक्राइब हुआ है। जेनिथ ड्रग्स के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 106.72 गुना सब्सक्राइब हुआ है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 पर्सेंट थी, जो कि अब 69.98 पर्सेंट रह गई है। जेनिथ ड्रग्स की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। फार्मास्युटिकल कंपनी हाई क्वॉलिटी, अफॉर्डेबल मेडिसिन्स की मैन्युफैक्चरिंग करती है।

शमी ने लंदन में कराई सर्जरी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने सोमवार को लंदन में एड़ी की सफल सर्जरी करवाई। शमी ने अपने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी। शमी ने पिछले साल टीम इंडिया के लिए वनडे वर्ल्ड कप खेला था, इसके बाद से ही वह इंजरी के कारण क्रिकेट नहीं खेल सके। शमी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी सर्जरी की जानकारी दी। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी ने भी शमी के जल्दी फिट होने की उम्मीद की।

शमी बोले- जल्दी बॉलिंग करूंगा

शमी ने सोशल मीडिया पर फोटोज पोस्ट कर लिखा, मेरी एड़ी का सक्सेसफुल ऑपरेशन हुआ। रिकवरी में टाइम लगेगा लेकिन मैं जल्द ही अपने पैरों पर खड़ा होकर बॉलिंग करने के लिए एक्साइटेड हूं।

8 महीने के लिए हो सकते हैं बाहर

सर्जरी के बाद शमी को करीब 3 से 4 महीने तक आराम करना पड़ सकता है। इसके बाद ही वह प्रैक्टिस शुरू करेंगे। हृष्ट से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही उन्हें मैच खेलने की परमिशन मिलेगी। इसमें 6 से 8 महीने का समय लग सकता है। न्यूज एजेंसी क्ष्ट्ठ के अनुसार, सर्जरी के बाद शमी अब इंडियन प्रीमियर लीग नहीं खेल सकेंगे। उनका टी-20 वर्ल्ड कप खेलना भी मुश्किल है। वह सितंबर-अक्टूबर में होने वाली बांग्लादेश और न्यूजीलैंड सीरीज तक बॉलिंग शुरू करेंगे। लेकिन मैच के लिए फिट होने में उन्हें नवंबर तक का समय लग सकता है। दिसंबर में भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टेस्ट की सीरीज खेलनी है।

पीएम मोदी बोले- आप जल्द ही रिकवर हो जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शमी के जल्दी फिट होने की उम्मीद की। उन्होंने

सोशल मीडिया पर लिखा, 'उम्मीद है कि शमी जल्द रिकवरी कर फिट हो जाएंगे। मुझे विश्वास है कि आप जल्द ही इंजरी से रिकवर कर जाएंगे।'

मुंबई के नंबर-10 और 11 के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

रणजी ट्रॉफी: बड़ौदा के खिलाफ जड़ा शतक

नईदिल्ली, एजेंसी। मुंबई के ऑलराउंडर खिलाड़ी तनुष कोटियन और तुषार देशपांडे ने मंगलवार, 27 फरवरी को बड़ौदा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में इतिहास रच दिया। नंबर-10 और 11 पर बल्लेबाजी करने वाले दोनों बल्लेबाज एक ही पारी में शतक लगाने वाली प्रथम श्रेणी क्रिकेट इतिहास दूसरी जोड़ी बने। रणजी ट्रॉफी में पहली बार ऐसा हुआ है। मुंबई की दूसरी पारी में 9वां विकेट पर 337 रन पर गिरा था। आखिरी विकेट के लिए कोटियन और देशपांडे ने बेहतरीन साझेदारी की।

इससे मुंबई को बड़ौदा को खेल से बाहर करने में मदद मिली। मुंबई को पहली पारी में 36 रन की बढ़त

मिली थी। कोटियन ने सबसे पहले 115 गेंदों में नौ चौकों और तीन छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया।

देशपांडे तीसरे भारतीय बल्लेबाज

देशपांडे नंबर 11 पर बल्लेबाजी करते हुए प्रथम श्रेणी शतक बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज भी बने। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नंबर-11 पर बतौर भारतीय क्रिकेटर सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड शुते बनर्जी (121) के नाम था देशपांडे अंतत: 123 रन पर आउट हो गए और साझेदारी 232 रन पर समाप्त हुई, जो रणजी ट्रॉफी रिकॉर्ड से एक रन कम है।

संक्षिप्त समाचार

IPL से पहले फिट होकर मैदान पर लौटे हार्दिक पंड्या

कमबैक मैच में झटके दो विकेट

नवी मुंबई, एजेंसी। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने चोट के कारण लंबे ब्रेक के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए डीवाई पाटील टी-20 कप में दो विकेट चटकाए। भारत पेट्रोलियम निगम के खिलाफ कम स्कोर वाले

मैच में रिलायंस-वन की दो विकेट से जीत में हार्दिक ने तीन ओवर में 22 रन देकर दो विकेट चटकाए। वह 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और चार गेंद में तीन रन बनाकर नाबाद लौटे। पिछले साल अक्टूबर में पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप मैच के दौरान टखने में चोट लगने के बाद से हार्दिक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस के नए कप्तान के रूप में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। रिलायंस-वन टीम में तिलक वर्मा, नेहल वढेरा, आकाश मधवाल, नमन धीर और पीयूष चावला जैसे मुंबई इंडियंस के अन्य खिलाड़ी भी शामिल हैं। डीवाई पाटील टी-20 कप एक कॉर्पोरेट टूर्नामेंट है, जिसमें कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। ईशान किशन भी इस टूर्नामेंट के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे।

एलेना नॉर्मन ने हॉकी इंडिया के सीईओ पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया की लंबे समय से कार्यरत सीईओ एलेना नॉर्मन ने लगभग 13 वर्षों तक पद पर रहने के बाद मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। शीर्ष पद पर उनके कार्यकाल के दौरान, भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें महान ऊंचाइयों पर पहुंचीं, करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हासिल की और साथ ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में एक

ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जहां भारतीय पुरुषों ने 41 साल के अंतराल के बाद कांस्य पदक जीता जबकि महिलाएँ अभूतपूर्व चौथे स्थान पर रहीं। उनके नेतृत्व में, फेडरेशन ने 2018 और 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप के लगातार दो संस्करणों की मेजबानी की, 2016 और 2021 में दो जूनियर पुरुष विश्व कप की मेजबानी की और हॉकी इंडिया लीग के पांच संस्करणों की भी सफलतापूर्वक मेजबानी की, जो एक फ्रेंचाइजी-आधारित लीग है जिसने लोकप्रियता हासिल की।

नामीबिया के बल्लेबाज ने रचा इतिहास

नेपाल के खिलाफ टी20 मैच में जड़ा 33 गेंद पर शतक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल टी20 ट्राई सीरीज में नीबिया के बल्लेबाज जान निकोल लॉफ्टी ईटन ने नेपाल के खिलाफ केवल 33 गेंद पर शतक जड़कर इतिहास रच दिया। वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने नेपाल के ही

लॉफ्टी ईटन ने नेपाल के ही कुसल मल्ला का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने पिछले साल मंगोलिया के खिलाफ एशियन गेम्स में 34 गेंद पर शतक जड़ा था।

क्रिकेटर कुसल मल्ला का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने पिछले साल मंगोलिया के खिलाफ एशियन गेम्स में 34 गेंद पर शतक जड़ा था।

जान निकोल लॉफ्टी ईटन ने 36 गेंद पर 11 चौके और 8 छक्के की मदद से 101 रन बनाए। उनकी इस पारी के बदौलत नामीबिया ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 206 रन का स्कोर खड़ा किया। जान निकोल लॉफ्टी ईटन टी20 इंटरनेशनल में 40 से कम गेंद पर शतक लगाने वाले 7वें बल्लेबाज बने। कुशल मल्ला ने पिछले साल एशियन गेम्स में शतक जड़कर साउथ अफ्रीका के दिग्गज डेविड मिलर, टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और चेक रिपब्लिक के सुदेश विक्रमसेकरा का रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने 35-35 गेंद पर शतक जड़े थे।

जान निकोल लॉफ्टी ईटन ने अपना अर्धशतक 18 गेंदों पर पूरा किया

जान निकोल लॉफ्टी ईटन ने अपना अर्धशतक 18 गेंदों पर पूरा किया। इसके बाद अगले 50 रन बनाने के लिए सिर्फ 15 गेंद लिए। वह 20वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए। अबिनाश बोहरा की गेंद पर गुलसन झा ने कैच पकड़ा। वह 11वें ओवर में बल्लेबाजी के आए थे। तब नामीबिया का स्कोर 62 रन पर 3 विकेट था। निकोल लॉफ्टी ईटन ने इस पारी में 280.56 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

नेपाल टी20 ट्राई सीरीज की पूरी जानकारी

बता दें कि नेपाल टी20 ट्राई सीरीज में नेपाल और नामीबिया के अलावा नेदरलैंड्स हिस्सा है। फाइनल से पहले प्रत्येक टीम एक दूसरे से 2-2 मैच खेलेंगी। फाइनल से पहले कुल 6 मैच होंगे। 27 फरवरी को शुरू हुई सीरीज 5 मार्च तक चलेगी। 27 फरवरी से 3 मार्च तक लगातार मैच हैं। 4 मार्च को कोई मैच नहीं होगा। फाइनल से पहले एक दिन का ब्रेक होगा।

रिसेप्शनिस्ट से पिच क्यूरेटर बनने तक का सफर... जसिंता कल्याण ने रचा इतिहास

जय शाह ने की तारीफ

नईदिल्ली, एजेंसी। जसिंता कल्याण भारत की पहली महिला पिच क्यूरेटर बनीं। वे एक समय पर रिसेप्शनिस्ट थीं, लेकिन अब उन्होंने एम चिन्नास्वाी स्टेडियम में क्यूरेटर का काम किया। सचिव जय शाह ने भी उनकी जमकर तारीफ की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में पिच क्यूरेटर का जिम्मा संभालने वाली जसिंता कल्याण की तारीफ की है। जसिंता कल्याण देश की पहली महिला पिच क्यूरेटर बनी हैं। उनको वुमेंस प्रीमियर लीग में पिच तैयार करने का जिम्मा मिला। देश में पहली बार किसी महिला ने पिच क्यूरेटर की भूमिका निभाई है। आपको जानकर हैरानी होगी कि एक समय पर जसिंता रिसेप्शनिस्ट थीं।

सचिव जय शाह ने एक्स पोस्ट करते हुए लिखा, भारतीय क्रिकेट ने एक ऐतिहासिक प्रगति हासिल की। जसिंता कल्याण हमारे देश की पहली महिला क्रिकेट पिच क्यूरेटर बन गई हैं। बेंगलुरु में वुमेंस प्रीमियर लीग के शुरुआती फेज के लिए पिच की तैयारी की कमान संभालनी वाली जसिंता दृढ़ संकल्प और बाधाओं को तोड़ने की इच्छा का प्रतीक हैं। जसिंता की अभूतपूर्व उपलब्धि खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जुनून का प्रमाण है।

अब टेस्ट क्रिकेट को नजरअंदाज नहीं करेंगे भारतीय क्रिकेटर्स!

नई दिल्ली, एजेंसी। । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) रेड-बॉल क्रिकेट के बजाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी भागीदारी को प्राथमिकता देने के लिए खिलाड़ियों के बढ़ते रुझान के बाद टेस्ट मैच फीस में बढ़ोतरी पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई इंडियन क्रिकेट प्लेयर्स के टेस्ट मैच की फीस में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रहा है। इशान किशन की घरेलू क्रिकेट से लंबे समय तक अनुपस्थिति के बारे में सवाल उठने के बाद बोर्ड ने संभवतः मैच फीस में बढ़ोतरी का फैसला किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टीम प्रबंधन के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया, और इसके बजाय उन्हें अगले महीने से शुरू होने वाले आईपीएल के लिए बड़ौदा में वर्कआउट और अभ्यास करते देखा गया। रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि बीसीसीआई अतिरिक्त बोनस निर्धारित करने की प्रक्रिया में है, जो एक खिलाड़ी को पूरे सत्र में प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने पर दिया जाएगा। एक सूत्र ने कहा, उदाहरण के लिए, यदि कोई एक कैलेंडर वर्ष में सभी टेस्ट सीरीज़ खेलता है, तो उसे वार्षिक रिटेनर अनुबंध के अलावा अतिरिक्त रूप से पुरस्कृत किया जाना चाहिए।

टेस्ट प्लेयर्स की सैलरी बढ़ाएगा बीसीसीआई

● अभी एक मैच के मिलते हैं 15 लाख ● IPL के बाद हाइक मिलने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट खेलने वाले अपने खिलाड़ियों की फीस बढ़ाने का फैसला किया है। फिलहाल खिलाड़ियों को एक टेस्ट खेलने के 15 लाख रुपए मिलते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट अनुसार, IPL के बाद खिलाड़ियों की टेस्ट मैच फीस बढ़ाई जाएगी। टेस्ट के मुकाबले खिलाड़ियों को एक वनडे के 6 लाख और एक टी-20 मुकाबले के लिए खिलाड़ियों को 3 लाख रुपए मिलते हैं।

रेड बॉल क्रिकेट को बढ़ाने के लिए फैसला लेंगे- बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की फीस बढ़ाने का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। अगली मीटिंग में अगर प्लान अप्रुव हुआ तो बीसीसीआई के कॉन्ट्रैक्टेड प्लेयर्स को नए स्ट्रक्चर के अनुसार सैलेरी मिलेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआईने रेड बॉल क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए फीस बढ़ाने का प्लान तैयार किया है।

कई खिलाड़ी टी-20 खेलने में लगे

पिछले दिनों बीसीसीआईने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों को लेकर वॉर्निंग दी थी। बोर्ड ने कहा था कि जो खिलाड़ी फिट हैं और नेशनल टीम का हिस्सा नहीं हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। इसके बावजूद ईशान किशन, करुणाल पंड्या और दीपक चाहर जैसे खिलाड़ियों ने अपने स्टेट के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला।

साल में सभी टेस्ट सीरीज खेलने पर बोनस भी मिलेगा

बीसीसीआई के अधिकारी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'नया सैलरी स्ट्रक्चर IPL के बाद लागू हो सकता है। इसमें खिलाड़ी अगर साल में टीम से सभी टेस्ट सीरीज खेलता है तो उसे बोनस भी मिलेगा। उन्हें एनुअल सैलेरी और मैच फीस के अलावा भी पैसे दिए जाएंगे। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि खिलाड़ी रेड-बॉल क्रिकेट खेलने में ज्यादा इंटरेस्ट दिखाएं। इससे खिलाड़ियों को टेस्ट खेलने का ज्यादा फायदा मिलेगा।'

तलाक और प्रेग्नेंसी की खबरों के बीच अब

अपने काम पर फोकस कर रही नेहा कक्कड़

नेहा कक्कड़ लास्ट साल 2022 में इंडियन आइडल शो होस्ट करती नजर आई थीं। इसके बाद नेहा अपने कॉन्सर्ट करती रहीं, लेकिन वह टीवी शोज से दूर थीं। नेहा के लंबे ब्रेक के बीच कभी उनकी प्रेग्नेंसी की खबर आई तो कभी तलाक की।

अब नेहा ने इन अफवाहों से लेकर ब्रेक तक के बारे में बात की। नेहा ने बताया कि क्यों वह इतने लंबे ब्रेक पर थीं और इन अफवाहों का उन पर क्या असर पड़ा। नेहा ने एंटरटेनमेंट टाइम्स से बात करते हुए कहा, यह ब्रेक मेरे लिए बहुत जरूरी था क्योंकि मैं मेंटली और फिजिकली काफी थक गई थी। मैं उनमें से हूं जो जब भी कोई शो करती है तो उसमें अपना 100 प्रतिशत लगा देती है। एक पॉइंट ऐसा आ गया था कि अब मेरे बस में कुछ नहीं था। मैंने इस इंडस्ट्री में कम उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था इसलिए अपने मेंटल और फिजिकल हेल्थ के लिए मुझे यह करना पड़ा, लेकिन अब मैं बैंग के साथ वापस आ गई हूं। पिछले साल नेहा के तलाक की खबरें आई थीं और उसके बाद कुछ दिनों पहले ही खबरें आईं कि नेहा प्रेग्नेंट हैं।

इस पर सिंगर ने कहा, मेरी जबसे शादी हुई है तबसे सिर्फ 2 अफवाहें आ रही हैं। एक मैं प्रेग्नेंट हूं और दूसरा कि मेरा तलाक हो रहा है। बहुत दुख होता है ऐसी बातें सुनकर। लोग गॉसिप के लिए कुछ भी बोलते हैं। लेकिन मैं कोशिश करती हूं इन सब पर ध्यान ना दूं क्योंकि मुझे पता है सच क्या है।

बता दें कि नेहा ने साल 2021 में रोहनप्रीत से शादी की थी तो उनसे जब पूछा गया कि क्या शादी के बाज उका फोकस काम से हटकर परिवार की तरफ चला गया है तो उन्होंने कहा, मेरा फोकस परिवार और पति की तरफ ज्यादा था कुछ समय से, लेकिन अब मैं वापस काम पर फोकस कर रही हूं। मेरे पति को जो समय और अटेनशन चाहिए था वो मिला और अब क्योंकि हमारी शादी को 3 साल हो गए हैं तो मैंने सोचा कि वापस काम पर फोकस करें।

एनिमल के अल्फा मेल पर रवि किशन ने कसा तंज, अब तो महिलाएँ हो गई हैं अल्फा मेल

रणबीर कपूर की 'एनिमल' 1 दिसंबर 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी इन फिल्म ने 900 करोड़ से अधिक का कारोबार किया था। वहीं उसके बाद इसे ओटीटी पर लाया गया। जहां पिक्चर को शानदार रिस्पॉन्स मिला। फिल्म में रणबीर कपूर के एक्शन और बॉबी देओल की एक्टिंग ने सभी का दिल जीता। जहां एक तरफ फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ाया तो वहीं दूसरी तरफ फिल्म को आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। फिल्म के कई डायलॉग्स पर विवाद भी हुआ। वहीं अब भोजपुरी एक्टर और राजनेता रवि किशन ने भी 'एनिमल' पर तंज कसा है और अल्फा मर्दों के किरदार पर अपनी राय व्यक्त की है। एक्टर ने कहा कि अल्फा मर्द मेरे हिसाब से वही होता है, जो पत्नी की सेवा करे।

रवि इन दिनों उनकी आगामी फिल्म 'लापता लेडीज' के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। इस दौरान रवि ने 'आज तक' से बात करते हुए कहा कि यह अल्फा मेल, बीटा मेल क्या है। अल्फा शेर को कहा जाता है और वह भी शांत रहता है। ऐसे ही नहीं किसी से भिड़ जाता। अल्फा मेल मेरे हिसाब से वही होता है जो पत्नी की सेवा करे। उसके सिर पर तेल लगाए, पत्नी के पैर दबाए। सुनो अल्फा मेल वालों, असली अल्फा मेल वही है जो नारी का सम्मान करे। सच बताऊं तो अल्फा तो महिलाएं हो गई हैं। अब वो समय आ गया है कि पत्नी को मारोगे तो वो कूट डालेगी इसलिए सही से रहो और उनकी इज्जत करो। आदमी जो सोचते हैं कि मैं अल्फा मेल हूं और ऐंठ में आ जाते हैं, लेकिन रियल में वो डरते हैं। नारी सशक्तिकरण इतना हो गया है कि अब उनमें डर आ गया है। ये डर जरूरी भी है।

हालिया रिपोर्ट के मुताबिक संदीप रेड्डी की फिल्म 'एनिमल पार्क' को लेकर नया अपडेट सामने आ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एनिमल पार्क में विलेन के रोल के लिए विक्की कौशल को कास्ट किया जाएगा। हालांकि इस पर अभी तक कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले शाहिद कपूर का नाम भी सामने आ चुका है। लेकिन अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं है। साथ ही कहा जा रहा है कि फिल्म में बॉबी देओल के किरदार को फिर से जिंदा करके दिखाया जाएगा।

जब सलमान ने दे दी अंकिता लोखंडे को कुछ ऐसी सलाह, हो गईं शर्म से पानी-पानी!

हाल ही में अंकिता और विक्की को सलमान खान ने इनका रिश्ता संवारने की सलाह दी है। यही नहीं, भाईजान ने इनसे बेबी करने के लिए भी कहा। शो खत्म होने के बाद अंकिता और विक्की सलमान से मिले, तभी सलमान ने उन्हें यह सलाह दी।

इस समय अंकिता लोखंडे और विक्की जैन काफी चर्चित कपल हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह है दोनों का रियलिटी टीवी शो 'बिग बॉस 17' में साथ आना और वहां खूब लड़ाई-झगड़े करना। शो के दौरान ये एक-दूसरे को बहुत भला-बुरा कहते थे। ऐसे में कई बॉलीवुड सेलेब्स, जो इनके करीब हैं। उन्होंने इन्हें रिश्ता संभालने की सलाह दी।

सलमान ने दी यह सलाह

हाल ही में अंकिता और विक्की को सलमान खान ने इनका रिश्ता संवारने की सलाह दी है। यही नहीं, भाईजान ने इनसे बेबी करने के लिए भी कहा। शो खत्म होने के बाद अंकिता और विक्की सलमान से मिले, तभी सलमान ने उन्हें यह सलाह दी। सलमान की सलाह के बारे में खुद अंकिता ने खुलासा किया। ये कपल भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पोडकास्ट शो में पहुंचे। यहां इन दोनों ने बिग बॉस 17 को लेकर कई राज खोले। अंकिता ने यहां बताया, 'जब शो खत्म होने के बाद हम सलमान सर से मिले, तो उन्होंने एक ही बात बोली।

वह थी कि तुम दोनों अब बच्चा कर लो। इसके जवाब में हमने कहा कि इस बारे में अब सोचेंगे। जाहिर है उनका मतलब था कि इससे हम दोनों का रिश्ता मजबूत होगा।'

कंगना ने भी दी थी सलाह

वैसे अंकिता के झगड़ों को लेकर उन्हें पहली बॉलीवुड सेलेब्रिटी ने सलाह नहीं दी है। इससे पहले, बॉलीवुड की क्वीन कंगना रणौत ने भी ऐसा किया है। कंगना भी अंकिता और उनके हसबैंड विक्की के रिश्तों को लेकर खुश नहीं थीं। उन्होंने अंकिता से कहा था कि वह अपने रिश्तों को समय दें और इसे संभालने की कोशिश करें।

सुनने में तो यहां तक आया था कि कंगना ने इस बारे में अंकिता की मां से बात की थी। अब कंगना और अंकिता की दोस्ती ही ऐसी है कि कंगना अंकिता के बारे में हमेशा सोचती हैं और उन्हें सही सलाह भी देती हैं।

अजय ने खाली की राजामौली की जेब!

एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर ने घरेलू सहित वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहरा दिया। साथ ही फिल्म ने अपने गाने नाटू-नाटू के लिए विश्व प्रतिष्ठित सम्मान ऑस्कर भी हासिल किया। इस मूवी में राम चरण और जूनियर एनटीआर जैसे शानदार कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आए।

साथ ही आलिया भट्ट और अजय देवगन ने अपने कैमियो मात्र से इसमें चार चांद लगा दिए। वहीं, अब फिल्म में अजय देवगन की फीस का खुलासा हो गया है, जिसे जानकर हर कोई दंग रह गया है। एस एस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म आरआरआर की रिलीज को दो साल पूरे हो गए हैं। इसमें अजय देवगन ने राम चरण के ऑन स्क्रीन भाई अल्लूरी वेंकटराम राजू की भूमिका निभाई। इस किरदार को हालिया सालों में सबसे यादगार कैमियो में से एक माना जाता है। अब यह खुलासा हुआ है कि अजय ने कैमियो के लिए भारी-भरकम रकम चार्ज की थी। गेट्ससिनेमा की एक पोस्ट पर विश्वास किया जाए तो अजय देवगन ने इस भूमिका के लिए 35 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। पोस्ट में लिखा है, अजय देवगन को फिल्म आरआरआर में आठ मिनट की भूमिका के लिए 35 करोड़ रुपये बतौर फीस मिले। हालांकि, निर्देशक एस एस राजामौली या अजय देवगन की ओर से इस पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। आरआरआर की बात करें तो इसने अपनी रिलीज के बाद कई उपलब्धियां हासिल कीं। हालांकि, सबसे बड़ा सम्मान अकादमी पुरस्कार जीतना था।

फिल्म ने अपने नाटू-नाटू गाने के लिए बेस्ट ओरिजनल गाने का ऑस्कर अवॉर्ड जीता। जीत के बाद, अजय ने एक्स पर पोस्ट किया था, जैसा कि अक्सर कहा जाता है, सिनेमा एक सार्वभौमिक भाषा बोलता है। आरआरआर और द एलिफेंट व्हिस्परर्स की टीमों को उनकी ऑस्कर जीत के लिए बधाई। यह गर्व का पल है।

रेड हॉट चिल बन... शहनाज ने बढ़ाई फैंस की धड़कनें

स्टाइल स्टेटमेंट बनाना कुछ ऐसा नहीं है जो हर कोई कर सकता है। स्टाइलिश होने के लिए, फैशन की खास पहचान होनी बहुत जरुरी है। इंडस्ट्री में कई ऐसे स्टार्स भी हैं जो अपने वेस्टर्न और ट्रेडिशनल हर लुक से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। इस लिस्ट में पंजाब की कैटरीना यानि शहनाज गिल का नाम भी शामिल है। शहनाज गिल सोशल मीडिया की दुनिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर स्टाइलिश लुक में अपनी तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। हाल ही में शहनाज ने रेड हॉट चिली लुक से तस्वीरों से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाई है। एक्ट्रेस की ये लेटेस्ट तस्वीरें इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो शहनाज रेड ऑफ शोल्डर ड्रेस में कहर ढा रही हैं। मेकअप,हेयर शहनाज की हर चीज एकदम परफेक्ट है। लेटेस्ट तस्वीरों में शहनाज का कॉन्फिडेंस देखते ही बन रहा है।

मेरी बेटियों ने मुझे एनिमल देखने को मना किया: खुशबू सुंदर

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल को रिलीज हुए ढाई महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है लेकिन अभी भी सुर्खियों में है। मूवी 1 दिसंबर 2023 को रिलीज हुई थी। इसने बंपर कमाई की, अवॉर्ड जीते और कॉन्ट्रोवर्सी में भी रही। मूवी के कॉन्टेंट पर कई लोग आपत्ति जता चुके हैं। अब एक्टर-पॉलिटीशियन खुशबू सुंदर भी इस पर बोली हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उनसे जब एनिमल फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इंट्रेस्टिंग बात बताई। खुशबू बोलीं कि उनकी बेटियों ने मना किया था कि वह यह फिल्म न देखें। खुशबू सुंदर टीवी9 की समिट में थीं। वहां उन्होंने बताया कि रणबीर कपूर स्टारर मूवी एनिमल उन्होंने नहीं देखी है। खुशबू बोलती हैं, नैशनल कमिशन फॉर विमिन के सदस्य के तौर पर मैंने कई हैरासमेंट, प्रताड़ना, मैरिटल रेप और ट्रिपल तलाक के केसेज देखे हैं जबकि यह गैरकानूनी है। खुशबू बोलती हैं, अगर एनिमल जैसी महिला विरोधी फिल्म कमाई कर रही है, बॉक्स ऑफिस गॉर्सर में से एक है तो हमें उन लोगों के दिमाग के बारे में सोचना चाहिए जिन्होंने फिल्म को सक्सेसफुल बनाया। खुशबू ने कहा कि इसमें निर्देशक की गलती नहीं है। वह बोलती हैं, हमें कबीर सिंह और अर्जुन रेड्डी से दिक्कत थी। पर मैं डायरेक्टर को दोष नहीं देती, क्योंकि उनके लिए मैं सोचती हूं कि मूवी की सफलता ही मायने रखती है। हम फिल्मों में वही दिखा रहे हैं जो फिल्मों में दिख रहा है। हम महिलाओं के सम्मान की बात करते हैं फिर भी ऐसी फिल्में देखते हैं।

साजिद नाडियाडवाला की अगली फिल्म में नजर आएंगे रजनीकांत! निर्देशक ने तस्वीर साझा कर दिए संकेत

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत जल्द ही फिल्म वेट्टैयन में नजर आने वाले हैं। फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इसके अलावा अब अभिनेता के एक और फिल्म से जुड़ने की खबर सामने आ रही है। रजनीकांत जल्द ही साजिद नाडियाडवाला के साथ किसी फिल्म में काम करते हुए नजर आएंगे। फिल्म निर्माता और निर्देशक साजिद नाडियाडवाला ने हाल ही में सुपरस्टार के साथ काम करने के संकेत दिए हैं।

रजनीकांत के साथ साजिद ने साझा की तस्वीर

साजिद नाडियाडवाला ने हाल ही में एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रजनीकांत के साथ एक फिल्म साझा की है। साजिद ने तस्वीर साझा कर लिखा, महान रजनीकांत सर के साथ सहयोग करना एक सच्चा सम्मान है, जैसे-जैसे हम अपनी इस यात्रा पर आगे निकलने की तैयारी कर रहे हैं, उत्सुकता बढ़ती जा रही है। इसके अलावा उनकी टीम ने अपने एक बयान में कहा, यह प्रतिष्ठित सुपरस्टार रजनीकांत के साथ एक बड़ा सहयोग है। इन दोनों दिग्गजों के एक साथ आने की संभावना और उत्सुकता जा रही है।

दोनों के सहयोग को लेकर फैंस उत्साहित

फैंस साजिद के पोस्ट पर कमेंट कर दोनों को उनके सहयोग और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई दे रहे हैं। साथ ही इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि निर्देशक की अगली फिल्म में रजनीकांत अभिनय करते हुए नजर आएंगे। इस खबर के सामने आने के बाद दर्शकों के बीच जबर्दस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि, दोनों ने अभी तक किसी फिल्म या फिर अपने प्रोजक्ट को लेकर खुलकर बात नहीं की है।

जल्द धमाल मचाने आ रही के के मेनन की स्पेशल ऑप्स 2.0

नीरज पांडे द्वारा बनाई गई स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज स्पेशल ऑप्स सीरीज के के मेनन द्वारा अभिनीत रॉ एजेंट हिम्मत सिंह के जीवन की कहानी पर आधारित है। उन्हें एक कुख्यात आतंकवादी का पता लगाने का काम सौंपा गया है और वह आतंकवादी को पकड़ने वाली टीम के लीडर हैं। पहले भाग को दर्शकों का खूब प्यार मिला। इसकी सफलता के बाद अब स्पेशल ऑप्स 2.0 रिलीज के लिए तैयार है। वहीं अब सीरीज के निर्देशक नीरज नीरज पांडे ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में सीरीज के निर्माण के बारे में अपडेट साझा किया। उन्होंने कहा कि स्पेशल ऑप्स 2.0 पोस्ट प्रोडक्शन में है। हम अगले तीन या चार महीनों में पोस्ट प्रोडक्शन पूरा करने जा रहे हैं। शूटिंग पूरी हो गई है। बुडापेस्ट से लेकर तुर्की तक जॉर्जिया और तीन अन्य स्थानों पर इसे पूरी दुनिया में शूट किया गया है। यह सीरीज पहले भाग से ज्यादा बड़ी होगी और उम्मीद है कि यह उससे बेहतर भी होगी।

क्या बनेंगे सीरीज का तीसरा भाग?

वहीं निर्देशक ने इस सीरीज के तीसरे भाग यानी स्पेशल ऑप्स 3.0 के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि यह सीरीज आएगी या नहीं, अभी इसके बारे में मुझे नहीं पता। पहले सीरीज का दूसरा भाग आने दीजिए। हमें दर्शकों से प्रतिक्रिया मिलेगी और अगर दर्शक हमें एक और भाग बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे तो हमें उसकी प्रतिक्रिया मिलेगी तो हम जरूर इसके तीसरे भाग पर भी काम करेंगे।